

उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद,
संस्कृत भवन, शाहमीना रोड, लखनऊ
शैक्षिक पंचांग 2024-25



Website- www.upmssp.com

मूलभूत कर्तव्यानि

प्रत्येकं भारतीयनागरिकस्य कर्तव्यानि निम्नानसारं स्युः ।

- (क) संविधानं प्रति प्रति प्रामाणिकत्वम् आदर्शत्वं संस्थानां राष्ट्रध्वजस्य राष्ट्रीयगीतस्य च आदरः ।
- (ख) स्वातन्त्र्याय अस्माकराष्ट्रियसत्यग्रहं प्रेरयताम् आदर्शानां हृदये प्रतिष्ठापनम् अनुसरणं च ।
- (ग) भारतस्य सविभौमत्वरू एकतायाः अखण्डिततायाश्च समर्थनं च ।
- (घ) देशस्य रक्षणं राष्ट्रियसेवायै उद्घोषणायां जातायां तदनुरणश्च ।
- (च) धार्मिक-भाषाकीय-प्रादेशिकेभ्यः धार्मिकेभ्यो वा भेदेभ्यः परं स्थित्वा, समस्तभारतीयेषु साम्मनस्यसमानबन्धुत्वभावनायाः वृद्धिः, स्त्रीणां गौरवहानिकारकव्यवहारत्यागश्च ।
- (छ) अस्माकं समन्वितसंस्कृतेः समृद्धदायस्य मूल्यं ज्ञात्वा तदवग्रहः ।
- (ज) वनानां, तडागानां, नदीनाम् अन्यवन्यपशुपक्षिसहितं प्राकृतिकपर्यावरणरक्षणं तद्वर्धनं तथैव जीवमात्रं प्रति अनुकम्पाभावः ।
- (झ) वैज्ञानिकमानसाय, मानवतावादय, जिज्ञासायै भावनाभिज्ञगमाभिबोधः ।
- (ट) सामाज्यसम्पत्तिरक्षणं हिंसायाः त्यागश्च ।
- (ठ) राष्ट्रं पुरुषार्थस्य सिद्धश्च अधिकाधिकमुन्नतसोपानानि प्रति सततं प्रगतिशीलं स्यात्तदर्थं वैयक्तिकसामूहिकप्रवृत्तीनां समस्त क्षेत्रेषु श्रेष्ठत्वम् आसादयितुं प्रयत्नः ।
- (ड) मात्रा पित्रा अथवा अभिभूतवकेन षड्वर्षतः चतुर्दशवर्षं यावत् (६तः १४) वयसे बालकाय अथवा पाल्याय शिक्षणलाभाः देयाः ।

* भारतीय संविधानम् : अधिनियमः 51-क

**उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद,
संस्कृत भवन, शाहमीना रोड, लखनऊ
माध्यमिक संस्कृत विद्यालयों हेतु
शैक्षिक पंचांग 2024–25**

प्रदेश में संचालित समस्त माध्यमिक संस्कृत विद्यालयों में पठन – पाठन की सुचारु व्यवस्था, शैक्षिक वातावरण का सृजन एवं गुणवत्ता संवर्द्धन के लिए शैक्षिक पंचांग की व्यवस्था की जा रही है। इस पंचांग के प्रभावी होने से छात्र/छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति बेहतर होगी तथा विद्यालयों में शैक्षिक वातावरण के सृजन का कार्य होने से गुणवत्ता स्तर का उन्नयन होगा।

शैक्षिक सत्र 01 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025

● शैक्षिक सत्र का शुभारम्भ	01 अप्रैल 2024
● प्रथम प्रवेश उत्सव	01 अप्रैल से 30 अप्रैल 2024
● विद्यालय में शैक्षिक वातावरण का सृजन ➤ विद्यालय में साफ-सफाई ➤ शिक्षण हेतु सामग्रियों की व्यवस्था ➤ अभिभावकों से सतत् सम्पर्क ➤ शैक्षिक अभिलेखों का अद्यतन करना	01 अप्रैल से 15 अप्रैल 2024
● शिक्षण अधिगम हेतु पाठों का नियोजन, सूचना संचार तकनीकी संसाधनों की व्यवस्था एवं शिक्षण कार्य	16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2024
● शिक्षक अभिभावक संघ की बैठक	05 मई, रविवार 2024, दिसम्बर 2024
● अप्रैल में सीखी गई विषयवस्तु की पुनरावृत्ति एवं आगामी शिक्षण अधिगम कार्य	01 मई से 20 मई 2024
● ग्रीष्मावकाश	21 मई से 30 जून 2024
● द्वितीय प्रवेश उत्सव	01 जुलाई से 15 जुलाई 2024
● डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश	01 जुलाई से 15 जुलाई 2024
● विद्यालय में साज-सज्जा एवं शैक्षिक वातावरण का सृजन (समय सारिणी आदि)	01 जुलाई से 07 जुलाई 2024
● नियमित शिक्षण अधिगम प्रक्रिया	01 जुलाई 2024 से 31 जनवरी 2025
● पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति	01 फरवरी 2024 से 15 फरवरी 2025
● सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन (पूर्व मध्यमा) ➤ प्रथम आंतरिक मूल्यांकन ➤ द्वितीय आंतरिक मूल्यांकन ➤ तृतीय आंतरिक मूल्यांकन	अगस्त 2024 अक्टूबर 2024 जनवरी 2025
● त्रैमासिक परीक्षा	सितम्बर 2024
● अर्द्धवार्षिक परीक्षा	नवम्बर 2024

● डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा	दिसम्बर 2024
● डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा का परिणाम	जनवरी 2025
● प्री-बोर्ड परीक्षा	जनवरी 2025
● डिप्लोमा पाठ्यक्रम के द्वितीय सेमेस्टर में प्रवेश	1 जनवरी से 15 जनवरी 2025
● वार्षिक परीक्षाएं ➤ प्रायोगिक ➤ लिखित ➤ मूल्यांकन कार्य	01 फरवरी से 14 फरवरी 2025 15 फरवरी से 10 मार्च 2025 20 मार्च से 30 मार्च 2025
● वार्षिक परीक्षा परिणाम की घोषणा	अप्रैल 2025 प्रथम सप्ताह
● बोर्ड परीक्षा 2024 हेतु ➤ नामांकन ➤ आवेदन पत्र पूर्ण करना ➤ परीक्षार्थियों के विवरण में त्रुटि सुधार ➤ परीक्षार्थियों का विवरण बोर्ड को उपलब्ध कराना।	01 अगस्त से 15 अगस्त 2024 16 अगस्त से 15 सितम्बर 2024 16 सितम्बर से 30 सितम्बर 2024 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2024

शैक्षिक सम्प्राप्ति में गुणवत्ता संवर्द्धन हेतु नियोजन

- दूरदर्शन द्वारा प्रसारित शैक्षिक कार्यक्रमों का शिक्षण अधिगम में उपयोग
 - विभिन्न चैनलों द्वारा प्रसारित आडियो/वीडियो का शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में शामिल करना।
 - प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों की समय-सारिणी से विद्यार्थियों को प्रत्येक माह अवगत कराना।
 - विद्यार्थियों द्वारा विद्यालय से पृथक अवलोकित कार्यक्रमों की समीक्षा तथा सन्दर्भित विषयवस्तु पर पुष्टिकरण हेतु चर्चा।
- समस्त मण्डलीय उप निरीक्षक संस्कृत पाठशालाएं द्वारा सघन अभियान चलाकर प्रत्येक विद्यालय में प्रवेश की कार्यवाही करायी जायेगी तथा यह सुनिश्चित किया जायेगा कि प्रत्येक कक्षा में मानक के अनुरूप प्रवेश अवश्य हो जाएं। इस हेतु प्रधानाचार्यों एवं अभिभावकों के साथ अभिप्रेरण कार्य प्रभावी ढंग से किया जायेगा तथा उसका विवरण उच्चाधिकारियों को नियमित रूप से उपलब्ध कराया जायेगा।
- मण्डलीय संयुक्त शिक्षा निदेशकों द्वारा अपने मण्डल के लिए निरीक्षण एवं अकादमिक अनुसमर्थन की योजना अपने मण्डल के उप निरीक्षक के साथ विचार-विमर्श कर तैयार

करायी जायेगी, जिससे कि समय-समय पर विद्यालयों में शिक्षण अधिगम एवं अन्य क्रियाकलापों का अनुश्रवण सुगम हो सके तथा शिक्षकों को शिक्षण में अनुसमर्थन प्रदान किया जा सके। तैयार योजना के अनुसार प्रत्येक माह आयोजित कार्यों की समीक्षा की जायेगी

- हिन्दी एवं आधुनिक विषयों में एन0सी0ई0आर0टी0 का पाठ्यक्रम लागू किया गया है। सम्बन्धित विषयों की पुस्तकें यू0पी0बोर्ड अथवा एन0सी0ई0आर0टी0 वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती हैं।
- विद्यालयों में अन्य विभागों की संदर्भ सेवाओं का लाभ लिया जायेगा, जिसके अन्तर्गत विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं लाभकारी योजनाओं के साथ ही निरोगी काया के लिए उपयोगी चिकित्सा परामर्श सेवाओं से विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जायेगा। इस हेतु प्रत्येक उप निरीक्षक संस्कृत पाठशालाएं अपने मण्डल में लाइजनिंग का कार्य करेंगे।
- प्रत्येक माह के अन्तिम कार्य दिवस में मध्याह्न अवकाश के पश्चात प्रधानाचार्य द्वारा इन-हाउस बैठक का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सम्पन्न कार्यों की समीक्षा एवं आगामी कार्यक्रमों पर चिन्तन किया जायेगा। इस बैठक में विद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं को भी शामिल किया जाएगा।
- सभी माध्यमिक संस्कृत विद्यालयों के प्रधानाचार्य/शिक्षक एक दैनन्दिनी रखेंगे, जिसमें उनके द्वारा पढाये जाने वाले विषयों का नियोजन एवं शिक्षण के समय अनुभूत कठिनाइयों का उल्लेख किया जायेगा तथा यह भी लिखा जायेगा कि समस्या का समाधान किस विधि/विधा से किया। विद्यालय में आगन्तुक निरीक्षण/पर्यवेक्षण अधिकारियों को इसका अवलोकन करायेंगे तथा उनसे प्राप्त सुझावों का पालन करेंगे।
- प्रधानाचार्यों का नेतृत्व क्षमता एवं शिक्षकों का शिक्षण क्षमता संवर्द्धन हेतु चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। इस कार्यक्रम में आमंत्रण पर प्रधानाचार्यों/शिक्षकों द्वारा प्रतिभागिता सुनिश्चित की जायेगी।
- महापुरुषों/स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के जन्मदिवस/जयन्ती दिवस पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित होंगे तथा भित्तिचित्र/पोस्टर एवं वाद-विवाद के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होगा।
- विद्यालय में प्रत्येक दिवस पठन-पाठन प्रारम्भ करने के पूर्व 20 मिनट प्रार्थना सभा के लिए निर्धारित रहेंगे, जिसमें ईश-वन्दना, राष्ट्रगान, योगासन के साथ ही "आज का सुविचार" शीर्षक के अन्तर्गत प्रेरणादायी विचारों की प्रस्तुति होगी। इस सभा में विद्यार्थियों को भी नैतिक उत्थान हेतु विचार प्रस्तुतीकरण का पूर्ण अवसर दिया जायेगा। विद्यार्थीगण समसामयिक विषयों पर प्रस्तुतीकरण दें, इसके लिए उन्हें प्रेरित किया जायेगा।

- आज के सुविचार की एक पंजिका बनायी जायेगी माह के अन्त में सर्वश्रेष्ठ सुविचार प्रस्तुत करने वाले विधार्थी को प्रार्थना सभा में सम्मानित किया जायेगा।
- 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के अन्तर्गत भाषा संगम हेतु संविधान में वर्णित भाषाओं में परिचय का अभ्यास कराया जायेगा, जिससे अपनी मातृभाषा के साथ ही भारत की अन्य भाषाओं के प्रति लगाव व जानकारी बढेगी।
- प्रत्येक विद्यालय में स्काउट एवं गाइड के एक दल का गठन किया जायेगा। जिला विद्यालय निरीक्षक के मार्गदर्शन में यथा आवश्यकता आयोजित कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया जायेगा।
- निरीक्षक, संस्कृत पाठशालाएं, उत्तर प्रदेश प्रयागराज द्वारा निर्गत विद्यालय समय सारिणी/अवकाश पचां८ के अनुसार प्रत्येक माह की प्रतिपदा एवं अष्टमी को अवकाश रहेगा एवं रविवार कार्य दिवस है। शासन एवं जिलाधिकारी द्वारा घोषित दिवसों को भी अवकाश रहेगा।
- प्रत्येक विद्यालय में 'निर्वाचन साक्षरता क्लब' के माध्यम से पूर्व मध्यमा (प्रथम) से उत्तर मध्यमा (द्वितीय) तक पढने वाले विद्यार्थियों को निर्वाचन आयोग द्वारा की गई व्यवस्थानुसार विभिन्न खेलों के माध्यम से निर्वाचन प्रक्रिया का ज्ञानार्जन कराया जाएगा तथा भविष्य के मतदाता के रूप में उन्हें जागरूक किया जाएगा। निर्वाचन साक्षरता क्लब की गतिविधियों हेतु विषय सामग्री निर्वाचन आयोग की वेबसाइट से ली जा सकती है।
- विद्यालय समय में विद्यार्थियों की आपसी वार्ता/बातचीत संस्कृत भाषा में हो, इसके लिए उन्हें प्रेरित किया जाएगा। वार्ता/बातचीत का अभ्यास करने हेतु विद्यार्थियों को पर्याप्त अवसर एवं मार्ग दर्शन दिया जाएगा।
- प्रत्येक विद्यालय में छात्र/छात्राओं का प्रवेश एक उत्सव के रूप में आयोजित किया जायेगा, जिसका पहला चरण 01 अप्रैल से 30 अप्रैल 2024 तथा दूसरा चरण 01 जुलाई से 15 जुलाई 2024 तक होगा।
- विद्यालय की समय सारिणी आठ कालांश में विभाजित रहेगी। प्रत्येक वादन ग्रीष्मकाल में 35 मिनट एवं शीतकाल में 40 मिनट अवधि का होगा। मध्यावकाश का समय 25 मिनट रखा जाएगा।
- शैक्षिक गुणवत्ता एवं मनोविज्ञान की दृष्टि से वादनों में विषय आवंटन इस प्रकार किया जाएगा कि अपेक्षाकृत कठिन विषय के बाद सरल विषय का कालांश होगा। परम्परागत

विषयों का पठन-पाठन मध्याह्न से पूर्व तथा आधुनिक विषयों का मध्याह्न के पश्चात किया जाना उपयोगी होगा।

- प्रत्येक विद्यालय के मुख्यद्वार पर एक श्यामपट्ट की व्यवस्था रखी जायेगी। जिस पर प्रतिदिन संस्कृत में एक श्लोक/नीतिवाक्य तथा उसका हिन्दी भावार्थ अंकित किया जायेगा। यह कार्य विद्यालय के शिक्षकों की देख-रेख में होगा।
- विद्यालय की समय सारिणी में प्रत्येक कक्षा के लिए एक कालांश पुस्तकालय हेतु रहेगा जिससे सभी विद्यार्थियों को सप्ताह में एक दिन अवश्य ही पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों को पढ़ने का अवसर मिले।
- विद्यार्थियों के समग्र विकास एवं अन्तर्निहित क्षमताओं को पहचान कर अध्ययन-अध्यापन के पारम्परिक तरीकों से पृथक बाल केन्द्रित सहगामी क्रियाओं के माध्यम से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को आनन्ददायी बनाने के लिए प्रत्येक शनिवार को कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा।
- प्रत्येक विद्यालय में पर्यावरण क्लब के माध्यम से विद्यालय में पौधारोपण कराया जाएगा तथा जल संचयन एवं स्वच्छता आदि कार्यों द्वारा उनके माध्यम से जागरूकता लाई जायेगी।
- विद्यार्थियों में सृजनात्मक कौशल तथा वैज्ञानिक अभिवृत्ति एवं अभिरूचि विकसित करने की दृष्टि से आयोजित होने वाली समस्त प्रतियोगिता शनिवार को विद्यालय में ही आयोजित की जायेगी। जिनमें खेलकूद, वाद-विवाद, भाषण, निबन्ध लेखन, भित्ति चित्र बनाना आदि शामिल होंगे। विद्यार्थियों की इन सभाओं में प्रत्येक माह पारम्परिक घेरलू कुटीर उद्योग का व्यवहारिक प्रदर्शन कराया जाएगा यथा-मिट्टी के बर्तन, खिलौना बनाना, सूत कातना, चरखा का उपयोग करना, बंधेज रंगाई आदि। इन विधाओं के लिए स्थानीय कारीगरों को विद्यालय में आमंत्रित किया जाएगा।

शनिवार के कार्यक्रम

प्रथम शनिवार	उत्तर प्रदेश को पहचानों
द्वितीय शनिवार	भाषा, कौशल विकास
तृतीय शनिवार	मैं वैज्ञानिक बनूंगा
चतुर्थ शनिवार	मेरे अपनों के साथ सभा

- जेण्डर संवेदीकरण कार्य के अन्तर्गत बालिका सशक्तीकरण पर प्रति सप्ताह एक कालांश में कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

- समस्त विद्यालयों में वार्षिक उत्सव एवं पूर्व छात्र सम्मेलन का (सखा संगम) का आयोजन किया जाएगा।
- माह दिसम्बर 2024 में आयोजित शिक्षक अभिभावक संघ की बैठक में अर्द्धवार्षिक परीक्षा के परिणामों से अभिभावकों को अवगत कराया जायेगा।
- राष्ट्रीय पर्वों पर उत्सव उसी दिन विद्यालय में ही शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों द्वारा मिल-जुलकर मनाया जायेगा।
- “विश्व योग दिवस-21 जून, विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस – 21 अगस्त, बाल दिवस- 14 नवम्बर, अंतरराष्ट्रीय दिवयांग दिवस- 03 दिसम्बर, महान गणितगुरु रमानुज का जन्म दिवस – 23 दिसम्बर एवं उत्तर प्रदेश दिवस- 24 जनवरी” का आयोजन निर्धारित तिथियों में विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा प्रणाली के लिए एक ऐतिहासिक पहल है, जिसमें शिक्षा क्षेत्र में गहन सुधार और प्रणालीगत बदलाव का आ;ान किया गया है। इस नवीन शिक्षा नीति में जीवन कौशल को पाठ्यक्रम में शामिल करने की अनुशंसा की गई है। अनेक अवसरों पर पढ़े लिखे व्यक्तियों का आचरण इस प्रकार का होता है जो कि सामाजिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं होता। इस आधार पर ऐसे व्यक्तियों के लिए कहा जाता है कि “पढ़े हो पर गुने नहीं हो”। इसलिए जीवन कौशलों के माध्यम से विद्यार्थियों में “कुशलताओं एवं दक्षताओं का विकास किया जायेगा।

जीवन कौशल मुख्यतः तीन कैटेगिरी में विभाजित है—

1. सीखने के कौशल—

- चिंतनशील सोच एवं समस्या समाधान
- रचनात्मकता एवं नवाचार
- सहयोग
- संचार कौशल

2. साक्षरता के कौशल—

- सूचना साक्षरता
- मीडिया साक्षरता
- प्रौद्योगिकी साक्षरता

3. जीवन कौशल—

- लचीलापन एवं अनुकूलनशीलता
- नेतृत्व क्षमता एवं जिम्मेदारी
- पहल करना एवं स्व-निर्देशन
- उत्पादकता एवं जवाबदेही
- सामाजिक एवं बहु सांस्कृतिक संवाद

- संस्कृत भारत की प्राचीन भाषा है। यह ऐसी भाषा है जिससे अन्य कई भाषाओं का जन्म हुआ है। रक्षाबंधन के दिन अर्थात श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन जब श्रवण नक्षत्र एवं

पूर्णिमा का संयोग होता है तो उसे श्रावणी कहा जाता है। यह दिन ज्ञान की साधना का पर्व माना जाता है। मनुस्मृति में इस दिन को उपाकर्म करने का दिन कहा गया है। वर्ष 1969 में शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार ने रक्षाबंधन के दिन संस्कृत दिवस आयोजन का निर्णय लिया था जिसका उद्देश्य आने वाली पीढ़ी को वैदिक भाषा से परिचित कराया एवं प्रचार-प्रसार करना है। इसी उपलक्ष्य में एक सप्ताह कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना है। प्रस्तावित कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है—

प्रथम दिवस:—

- प्रत्येक विद्यालय में सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण दीप प्रज्ज्वलन के साथ संस्कृत सप्ताह का शुभारम्भ।
- संस्कृत से सम्बन्धित साहित्य, ग्रंथ एवं उपलब्ध सामग्री की प्रदर्शनी का आयोजन।
- संस्कृत भाषा में एक दूसरे का परिचय/अभिवादन।

द्वितीय दिवस:—

- संस्कृत की महत्ता पर छात्र-छात्राओं की अभिव्यक्ति एवं संस्कृत भाषा में लेख-लेखन। विषय:—
 1. संस्कृत से प्रभावित है, भारतीय संस्कृति।
 2. सभी भाषाओं की जननी है संस्कृत।
 3. संस्कृत पढने के लाभ।
 4. संस्कृत और संस्कार।
 5. संस्कृत भाषा नैतिक मूल्यों की भाषा है।

तृतीय दिवस:—

- संस्कृत श्लोकों का सस्वर वाचन।
- संस्कृत सम्भाषण।
- संस्कृत सुभाषित श्लोक एवं अनका अर्थ बताना।
- संस्कृत पुस्तकों पर आधारित संस्कृत नाटकों का मंचन।

चतुर्थ दिवस:—

- सेवानिवृत्त शिक्षकों, छात्रों एवं संस्कृत शिक्षकों का सम्मान तथा परिचर्चा :—
विषय — संस्कृत भाषा का अध्ययन जरूरी है अथवा नहीं।
- छात्रों में 'हाइकु काव्य रचना' प्रतियोगिता का आयोजन। (कम शब्दों में अधिक अभिव्यक्ति, तीन लाइन कविता 5, 7, 5 शब्दों में) विद्यार्थी अद्वितीय शब्दों और वाक्यांशों के माध्यम से संस्कृत भाषा में मनोरम "हाइकु" बनाना सीखेंगे।
उदाहरणार्थ—
 - 1 गतोऽन्धदेशं
दर्पण-विक्रयार्थम्,
मोघः प्रयत्नः।
 - 2 स्वादशब्देन
पुंसः रिपुद्विरूपा

तस्य रसना ।

- भारत के संविधान में वर्णित मूल कर्तव्यों के प्रति छात्र-छात्राओं को जागरूक करना ।

पंचम् दिवसः—

- संस्कृत की विभूतियों यथा—कालिदास, पाणिनी, महर्षि वेदव्यास, वाल्मीकि एवं अन्य संस्कृत विद्वानों की कृतियों पर चर्चा ।
- हिन्दी की छोटी-छोटी कहानियों का संस्कृत में अनुवाद करते हुए प्रतियोगिता का आयोजन ।

षष्ठम् दिवसः—

- वेद, उपनिषद, ब्राह्मण ग्रंथ, आरण्यक आदि विषयों को आधार बनाकर विद्वानों के विचार आमंत्रित करना ।
- संगोष्ठी का आयोजन ।
विषय —(अ) शाला शिक्षा में संस्कृत भाषा का विकास ।
(ब) संस्कृत में विज्ञान ।

सप्तम् दिवसः—

- सप्ताह में आयोजित कार्यक्रमों की झलकियाँ/गतिविधियों का संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण ।
- ग्राम/कस्बा/जनप्रतिनिधियों/संस्कृत विद्वानों को आमंत्रित कर संस्कृत सप्ताह का समापन ।
- संक्षिप्त रैली का आयोजन । रैली के लिए नारे/स्लोगन का नमूना
 1. जयतु जयतु संस्कृत भाषा ।
 2. मधुरा भाषा संस्कृत भाषा ।
 3. वदतु वदतु संस्कृत भाषा ।
 4. संस्कृत रक्षा संस्कृति रक्षा ।
 5. वदतु संस्कृतम् पठतु संस्कृतम् ।
 6. जयतु उत्तर प्रदेशम् जयतु भारतम्

.....

जलबिंदुनिपातेन पूर्यते घटः,
शुभस्य शीघम् ।

पूर्व मध्यमा(प्रथम)
अनिवार्य संस्कृतम्
(खण्ड क)

भाग	क्रमांक	इकाई / पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
	1	क) नीतिसंग्रहः (मित्रलाभः)	30	10
	2	ख) रघुवंशिहाकाव्यि (द्वितीय 1-25 श्लोकपर्यन्तम्)	30	10
	3	ग) छन्दसां लक्षणोदाहरणज्ञानम्- अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, भुजङ्, गप्रयातम्, वसन्ततिलका, शालिनी, स्रग्विणी	15	05
	4	घ) रचनानुवादकौमुदी (1-15 अभ्यासाः) संस्कृतानुवादः, शब्दरूपाणि, धातुरूपाणि	25	10
		सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन		15
		योग	100	50

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	नीतिसंग्रह मित्रलाभ तथा रचनानुवादकौमुदी में 01 अभ्यास	शिक्षकों द्वारा कवि के कृतित्व व्यक्तित्व श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है।
मई	नीतिसंग्रह मित्रलाभ तथा रचनानुवादकौमुदी में 02 अभ्यास	शिक्षकों द्वारा श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना।
जुलाई	नीतिसंग्रह मित्रलाभ तथा रचनानुवादकौमुदी में 03 अभ्यास	शिक्षकों द्वारा श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।
अगस्त	नीतिसंग्रह मित्रलाभ तथा अनुष्टुप् छन्द तथा रचनानुवादकौमुदी में 04 अभ्यास	शिक्षकों द्वारा श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।
सितम्बर	रघुवंशमहाकाव्य द्वितीय सर्ग 1-05 श्लोक तथा आर्या छन्द तथा रचनानुवादकौमुदी में 05-06 अभ्यास	शिक्षकों द्वारा कवि के कृतित्व व्यक्तित्व श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	रघुवंशमहाकाव्य द्वितीय सर्ग 06-10 श्लोक तथा इन्द्रवज्रा तथा रचनानुवादकौमुदी में 07-08 अभ्यास	शिक्षकों द्वारा श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।
नवम्बर	रघुवंशमहाकाव्य द्वितीय सर्ग 11-15 श्लोक तथा उपेन्द्रवज्रा तथा रचनानुवादकौमुदी में 08-09 अभ्यास	शिक्षकों द्वारा श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।

दिसम्बर	रघुवंशमहाकाव्य द्वितीय सर्ग 16-25 श्लोक तथा भुजंगप्रयातम् तथा रचनानुवादकौमुदी में 09-10 अभ्यास	शिक्षकों द्वारा श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।
जनवरी	नीतिसंग्रह मित्रलाभ/रघुवंशमहाकाव्य पुनराभ्यास: तथा रचनानुवादकौमुदी में 11-12 अभ्यास	शिक्षकों द्वारा पढ़ाये गये विषयों का पुनः अभ्यास कराना।
फरवरी	नीतिसंग्रह मित्रलाभ/रघुवंशमहाकाव्य पुनराभ्यास: तथा रचनानुवादकौमुदी में 13-15 अभ्यास	शिक्षकों द्वारा पढ़ाये गये विषयों का पुनः अभ्यास कराना।

पूर्व मध्यमा(प्रथम) अनिवार्य संस्कृतम् (खण्ड ख)

भाग	क्रमांक	इकाई/पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
1	1	ड.) मध्यसिद्धान्तकौमुदी (आदितः अव्ययप्रकरणान्तम्) अथवा लघुसिद्धान्तकौमुदी (हलन्तप्रकरणतः अव्ययप्रकरणपर्यन्तम्) (व्याकरणेतरच्छात्राणां कृते अनिवार्यम् , व्याकरणच्छात्राणां कृते वैकल्पिकम्) अथवा तर्कसंग्रहः सपदकृत्यम् (प्रत्यक्षतः अनुमानखण्डपर्यन्तम्) अथवा योगदर्शनम् (प्रथमपादस्य १-३२ सूत्रपर्यन्तं तथा च द्वितीयपादस्य २९-५५ सूत्रपर्यन्तम्) व्यासभाष्यमनुसृत्य	110	35
		सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन		15
		योग	110	50

माहवार नियोजन (लघुसिद्धान्तकौमुदी)

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	लघुसिद्धान्तकौमुदी में संज्ञाप्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
मई	लघुसिद्धान्तकौमुदी में अच्सन्धि प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना।
जुलाई	लघुसिद्धान्तकौमुदी में हल्सन्धि, प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
अगस्त	लघुसिद्धान्तकौमुदी में विसर्गसन्धि अजन्तपुल्लिंग प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।

सितम्बर	लघुसिद्धान्तकौमुदी में अजन्तस्त्रीलिंग, प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	लघुसिद्धान्तकौमुदी में अजन्त नपुंसकलिंग	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
नवम्बर	लघुसिद्धान्तकौमुदी में हलन्तपुल्लिंग	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
दिसम्बर	लघुसिद्धान्तकौमुदी में हलन्तस्त्रीलिंग,	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
जनवरी	लघुसिद्धान्तकौमुदी में हलन्त नपुंसकलिंग प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
फरवरी	लघुसिद्धान्तकौमुदी में अव्ययप्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।

माहवार नियोजन

अनिवार्य संस्कृतम् (तर्कसंग्रह)

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	मंगलाचरण	ग्रन्थकार का परिचय तथा तर्कसंग्रह सम्बन्धित विस्तृत भूमिका समझाना एवं लिखाना अनिवार्य है।
मई	उद्देश्यप्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा पदार्थ और द्रव्य की परिभाषाओं तथा भेद प्रभेद पदकृत्य का ज्ञान कराना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना।
जुलाई	उद्देश्यप्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा गुण विभाजन कर्म भेद सामान्य भेद विशेष समवाय अभाव की परिभाषाएँ और पदकृत्य हिन्दी अर्थ की विस्तृत जानकारी कराना अनिवार्य है।
अगस्त	द्रव्यलक्षणप्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा पृथिवी, जल, तेज, वायु का लक्षण पदकृत्य हिन्दी अर्थ उदाहरण सहित लिखाना समझाना अनिवार्य है।
सितम्बर	द्रव्यलक्षणप्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा आकाश, काल, दिशा, आत्मा, मन का लक्षण पदकृत्य हिन्दी अर्थ उदाहरण सहित लिखाना समझाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	गुणलक्षणप्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा रूप, रस, गन्ध, स्पर्श, पाकज का लक्षण पदकृत्य हिन्दी अर्थ उदाहरण सहित लिखाना समझाना अनिवार्य है।
नवम्बर	गुणलक्षणप्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा संख्या, परिमाण, पृथक्त्व, संयोग, विभाग का लक्षण पदकृत्य हिन्दी अर्थ उदाहरण सहित लिखाना समझाना अनिवार्य है।
दिसम्बर	गुणलक्षणप्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा परत्वापरत्व, गुरुत्व, द्रवत्व, स्नेह, शब्द, बुद्धि, स्मृति का लक्षण पदकृत्य हिन्दी अर्थ उदाहरण सहित लिखाना समझाना अनिवार्य है।
जनवरी	गुणलक्षणप्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा अनुभव, करण, कारण, प्रत्यक्षज्ञान, के भेद प्रभेद पदकृत्य सम्यक् प्रकार हिन्दी माध्यम संस्कृत माध्यम से पढ़ाना समझाना अनिवार्य है।
फरवरी	गुणलक्षणप्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा अनुभव, करण, कारण, प्रत्यक्षज्ञान, के भेद प्रभेद पदकृत्य सम्यक् प्रकार हिन्दी माध्यम संस्कृत माध्यम से पढ़ाना समझाना अनिवार्य है।

पूर्व मध्यमा(प्रथम)
नव्यव्याकरणम्

भाग	क्रमांक	इकाई / पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
1		नव्यव्याकरणम् (क) सिद्धान्तकौमुदी 1. संज्ञाप्रकरणम्	30	10
2		2. सन्धिप्रकरणम्	60	20
3		3. अजन्तप्रकरणम्	60	20
4		4. हलन्तपुल्लिङ्गप्रकरणतः अव्ययप्रकरणपर्यन्तम्	60	20
		सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन		30
		योग	210	100

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	संज्ञा प्रकरणम्	सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रूप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है।
मई	सन्धि प्रकरणम् (अच् सन्धि)	सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रूप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक	पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना। ग्रीष्मावकाश
जुलाई	हल् सन्धि	सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रूप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है।
अगस्त	विसर्ग सन्धि	सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रूप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है।
सितम्बर	अजन्तपुल्लिङ्ग	सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रूप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है।
अक्टूबर	अजन्त स्त्रीलिङ्ग, नपुंसकलिङ्ग	सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रूप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है।
नवम्बर	हलन्त पुल्लिङ्ग	सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रूप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है।
दिसम्बर	हलन्त स्त्रीलिङ्ग,	सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रूप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है।
जनवरी	हलन्त नपुंसक	सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रूप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है।

फरवरी	अव्ययप्रकरणम्	सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रूप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है।
-------	---------------	--

पूर्व मध्यमा(प्रथम) साहित्यम्

भाग	क्रमांक	इकाई/पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
1		साहित्यम् क) कुमारसम्भवम् (प्रथमसर्गः)	60	20
2		ख) कुमारसम्भवम् (द्वितीयसर्गः)	60	20
3		ग) रघुवंशमहाकाव्यम् (पञ्चमः सर्गः)	90	30
		सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन		30
		योग	210	100

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग/रघुवंश पंचम सर्ग	शिक्षकों द्वारा रघुवंश एवं कुमारसम्भव के रचयिता तथा उनका जीवन परिचय एवं काव्य परिचय काव्यविधा खण्ड अलंकारों का ज्ञान कराना अनिवार्य है।
मई	कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग/रघुवंश पंचम सर्ग	शिक्षकों द्वारा प्रत्येक सर्ग से प्रतिदिन एक-एक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 05 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना।
जुलाई	कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग/रघुवंश पंचम सर्ग	शिक्षकों द्वारा प्रत्येक सर्ग से प्रतिदिन एक-एक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 10 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है।
अगस्त	कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग/रघुवंश पंचम सर्ग	शिक्षकों द्वारा प्रत्येक सर्ग से प्रतिदिन एक-एक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 20 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है।
सितम्बर	कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग/रघुवंश पंचम सर्ग	शिक्षकों द्वारा प्रत्येक सर्ग से प्रतिदिन एक-एक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 20 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग/रघुवंश पंचम सर्ग	शिक्षकों द्वारा प्रत्येक सर्ग से प्रतिदिन एक-एक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 20 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है।
नवम्बर	कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग/रघुवंश पंचम सर्ग	शिक्षकों द्वारा प्रत्येक सर्ग से प्रतिदिन एक-एक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 20 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है।

दिसम्बर	कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग/रघुवंश पंचम सर्ग	शिक्षकों द्वारा प्रत्येक सर्ग से प्रतिदिन एक-एक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 20 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है।
जनवरी	कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग/रघुवंश पंचम सर्ग	शिक्षकों द्वारा प्रत्येक सर्ग से प्रतिदिन एक-एक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 15 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है।
फरवरी	कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग/रघुवंश पंचम सर्ग	शिक्षकों द्वारा प्रत्येक सर्ग से प्रतिदिन एक-एक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 10 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है।

पूर्व मध्यमा(प्रथम) सामाजिक विज्ञान

भाग	क्रमांक	इकाई/पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
1		भारत और समकालीन विश्व —(इतिहास) कुमारसम्भवम् (प्रथम)	60	20
2		समकालीन भारत —(भूगोल)	55	20
3		लोकतान्त्रिक राजनीति (नागरिक शास्त्र)	50	15
4		अर्थव्यवस्था (अर्थशास्त्र)	50	15
		प्रोजेक्ट कार्य (सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन)		30
		योग	215	100

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	इतिहास भूगोल	फ्रांसीसी क्रान्ति: भारत— आकार एवं स्थिति, भारत का भौतिक स्वरूप
मई	इतिहास भूगोल	मानचित्र कार्य— फ्रांसीसी क्रान्ति: भारत का अपवाह तन्त्र, जलवायु
जून		ग्रीष्मवकाश
जुलाई	इतिहास भूगोल नागरिक शास्त्र	यूरोप में समाजनाद एवं रूसी क्रान्ति प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी लोकतन्त्र क्या और क्यों?
अगस्त	इतिहास भूगोल नागरिक शास्त्र अर्थशास्त्र	मानचित्र कार्य—यूरोप में समाजवाद तथा रूस की क्रान्ति जनसंख्या संविधान निर्माण पालमपुर की कहानी
सितम्बर	इतिहास भूगोल नागरिक शास्त्र	नाजीवाद और हिटलर का उदय मानचित्र कार्य—भारत: आकार एवं स्थिति चुनावी राजनीति

अक्टूबर	इतिहास भूगोल नागरिक शास्त्र	मानचित्र कार्य—नाजीवाद और हिटलर का उदय मानचित्र कार्य—भारत की प्राकृतिक विशेषताएं(पर्वत श्रेणी, पर्वत चोटियां पठार,तटीय मैदान) संस्थाओं की कार्य प्रणाली (शासन व्यवस्था: संसद, राष्ट्रपति प्रधानमंत्री, मंत्रिपरिषद)
नवम्बर	इतिहास भूगोल नागरिक शास्त्र अर्थशास्त्र	वन्य समाज और उपनिवेशवाद मानचित्र कार्य—भारत का अपवाह तन्त्र (नदियां, झीलें) लोकतान्त्रिक अधिकार पुनरावृत्ति
दिसम्बर	इतिहास भूगोल नागरिक शास्त्र अर्थशास्त्र	आधुनिक विश्व में चरवाहे मानचित्र कार्य—जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य जीवन पुनरावृत्ति संसाधन के रूप में जनसंख्या(लोग)
जनवरी	इतिहास भूगोल अर्थशास्त्र	एक अफ्रीका का एवं एक भारत का चरवाहा समह—केस स्टडी मानचित्र कार्य—जनसंख्या निर्धनता एक चुनौती
फरवरी	इतिहास भूगोल अर्थशास्त्र	पुनरावृत्ति पुनरावृत्ति भारत में खाद्य सुरक्षा

पूर्व मध्यमा (प्रथम)
अंग्रेजी

क्र०सं०	इकाई	अंक भार
1	Prose- Two short answer type questions based on a given prose passage, One long answer type question, Two short answer type questions, Three very short vocabulary base/match type questions.	15
2	Poetry- Two short answer type questions based on a given poetry extract, Central Idea of anyone of the given poems OR Four lines from any poem prescribed in the syllabus.	8
3	Supplementary Reader- Two short answer type questions, One long answer type questions, Four very short answer type questions (True/False, Completing the Sentence)	12
Section-B:- Grammar, Translation and Composition		
1	Reading- One Long passage followed by two short answer question and Two very short answer type vocabulary based / language based questions.	3+3=6 2+2=4 (vocabulary)
2	Writing: Letter / Application writing Descriptive paragraph / Report / Article based on given verbal clues	4 6
3 (A)	Grammar- Ten very short answer type questions based on Part of Speech, Tense, Narratives, Articles, Voice, Reordering of sentences, Punctuations etc.	10
(B)	A very short passage in Hindi for translation into English	5
	Continuous and Comprehensive Evaluation	30
	Total	100

पाठ्यक्रम का माहवार विभाजन

माह	पाठ्य वस्तु				शिक्षण हेतु वादन
	Prose	Poetry	Supplementary Reader	Grammar	
अप्रैल	The Fun They Had	The Road Not Taken	The Lost Child	Sentence Type and Part	22
मई	The Sound of Music	wind	The Adventure of Toto	Arctle, Part of Speech	15
जून	Summer Vacation				
जुलाई	The Little Girl A Truly Beautiful Mind	Rain On The Roof	Iswaran The Storyteller	Tense form and uses in Translation	25
अगस्त	The Snake and The Mirror	The Lake of Isle of Innisfree	In The Kingdom of Fools	Voice, The verb	25
सितम्बर	My Childhood	A Legend of the Northland	The Happy Prince	Essay/Descriptive Paragraph/Report	22
अक्टूबर	Packing	No Men Are Foreign	Weathering the Storm in Ersama	Arctle/ Narrations	22
नवम्बर	Reach for The Top	The Duck And The Kangaroo	The Last Leaf	Letter/Application Writing	25
दिसम्बर	The Bond of Love	On Killing a Tree	A House is Not a Home	Voice	20
जनवरी	Kathmandu	The Snake Tring	The Accidental Tourist	Reordering of Sentences Punctuations	25
फरवरी	If I were You Revision	A Slumber Did My Sprit Seal	The Beggar Revision	Revision	15
मार्च	परीक्षा	परीक्षा	परीक्षा	परीक्षा	
				योग	216

पूर्व मध्यमा (प्रथम)
विषय: कम्प्यूटर विज्ञान
पाठ्यक्रम

	इकाई	अंकभार
1	कम्प्यूटर फण्डामेंटल्स	15
2	अंक प्रणाली	05
3	(अ) आपरेटिंग सिस्टम (ब) आपरेटिंग सिस्टम् (लाइनेक्स)	05 10
4	ऑफिस (लाइनेक्स के परिप्रेक्ष्य में) से परिचय	10
5	प्रोग्रामिंग तकनीक	05
6	सी लैंग्वेज में मौलिक प्रोग्रामिंग	15
7	कम्प्यूटर एप्लीकेशन एवं उनके लाभ	05
8	प्रयोगात्मक कार्य (क्रम 3, 4, 5 एवं 6 पर आधारित माड्यूल के प्रयोगात्मक कार्य कराये जायेंगे)।	
	सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन	30
	योग	100

पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन

माह	पाठ्यवस्तु	शिक्षण हेतु वादन
अप्रैल	कम्प्यूटर: एक परिचय कम्प्यूटर की संरचना एवं उसके भाग	20
मई	हार्डवेयर तथा साफ्टवेयर	15

	कम्प्यूटर नेटवर्क तथा इंटरनेट	
जून	ग्रीष्मावकाश	
जुलाई	अंक प्रणाली आपरेटिंग सिस्टम्	22
अगस्त	लाइनेक्स आपरेटिंग सिस्टम् लाइनेक्स सामान्य आदेश फाइल एवं डायरेक्टरीज	22
सितम्बर	लाइनेक्स आफिस प्रेजेन्टेशन साफटवेयर स्प्रैडशीट साफटवेयर	22
अक्टूबर	प्रोग्रामिंग तकनीक पुनरावृत्ति एवं प्रायोगिक कार्य	20
नवम्बर	'सी' लैंग्वेज से परिचय कान्सटैन्ट्स तथा वैरिएबल्स कथन, एक्सप्रेशन तथा आपरेटर	20
दिसम्बर	इनपुट तथा आउटपुट फंक्शन निर्णय नियंत्रण संरचनाएं लूपिंग नियंत्रण संरचना	22
जनवरी	कम्प्यूटर के अनुप्रयोग पुनरावृत्ति प्रोग्रामिंग कार्य का अभ्यास एवं प्रायोगिक कार्य	22
फरवरी	पुनरावृत्ति एवं प्रायोगिक कार्य	15
मार्च	वार्षिक परीक्षा	
	योग	200

पूर्व मध्यमा (प्रथम)

विषय: वाणिज्य

पाठ्यक्रम

प्रथम खण्ड	पुस्तपालन अथवा बहीखाता	अंकभार 20
द्वितीय खण्ड	व्यापार प्रणाली	20
तृतीय खण्ड	मुद्रा	15
चतुर्थ खण्ड	अर्थशास्त्र	15
	सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन	30
	योग	100

पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन

माह	खण्ड	पाठ्यवस्तु	शिक्षण हेतु वादन
अप्रैल	प्रथम खण्ड	1 विषय प्रवेश-पुस्तपालन का अर्थ, उद्देश्य, लाभ एवं प्रणालियां 2 दोहरा लेखा प्रणाली- सिद्धान्त और व्यवहार	20
मई	"	3 प्रारम्भिक लेखे की पुस्तकें- रोजनामचा या जर्नल 4 खाता बही	15
जून		ग्रीष्मावकाश	
जुलाई	प्रथम खण्ड	5 तलपट अथवा परीक्षा सूची 6 प्रारम्भिक लेखे की पुस्तकें- रोकड बही	22
अगस्त	द्वितीय खण्ड	1 व्यापारिक कार्यालय: संगठन एवं कार्य प्रणाली	22

		2 आने व जाने वाले पत्रों का लेखा 3 प्रतिलिपिकरण	
सितम्बर	"	4 व्यापारिक पत्र—ब्यवहार का अर्थ व महत्व 5 व्यापारिक पत्र के मुख्य अंग तथा विभिन्न रूप 6 पूछताछ, निर्र्ख व आदेश सम्बंधी पत्र ब्यवहार	22
अक्टूबर	तृतीय खण्ड	1 मुद्रा का इतिहास—मुद्रा के जन्म से पूर्व की अवस्था: वस्तु विनिमय 2 मुद्रा का इतिहास— उद्गम तथा विकास 3 मुद्रा की परिभाषा एवं इसके भेद	22
नवम्बर	"	4 पत्र मुद्रा या कागजी मुद्रा 5 धातु मुद्रा एवं सिक्का ढलाई 6 मुद्रा के कार्य	20
दिसम्बर	" चतुर्थ खण्ड	7 मुद्रामान अथवा मुद्रा प्रणालियां 8 भारत में मुद्रा प्रणाली का सामान्य परिचय 1 अर्थशास्त्र की परिभाषा	22
जनवरी	"	2 अर्थशास्त्र की विषय सामग्री एवं इसके विभाग 3 अर्थशास्त्र का स्वभाव : कला है या विज्ञान 4 अर्थशास्त्र के अध्ययन से लाभ	22
फरवरी	"	5 अर्थशास्त्र से सम्बन्धित शब्दावली 6 आवश्यकताएं— वर्गीकरण एवं लक्षण पुनारावृत्ति	15
मार्च		वार्षिक परीक्षा	
			योग 202

पूर्व मध्यमा (प्रथम)

विषय: गणित

पाठ्यक्रम

इकाई	इकाई का नाम	अंकभार
1	संख्या पद्धति	07
2	बीजगणित	20
3	निर्देशांक ज्यामिति	05
4	ज्यामिति	20
5	मेन्सुरेशन	10
6	सांख्यिकी तथा प्रायिकता	08
	सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन	30
		योग 100

पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन

माह	पाठ्यवस्तु	शिक्षण हेतु वादन
अप्रैल	(1) संख्या पद्धति	20
मई	(2) बहुपद	15
जून	ग्रीष्मावकाश	
जुलाई	(3) निर्देशांक ज्यामिति (4) दो चरों वाले रैखिक समीकरण	22
अगस्त	(5) यूक्लिड की ज्यामिति का परिचय (6) रेखाएं एवं कोण	25
सितम्बर	(7) त्रिभुज	25

	(8) चतुर्भुज	
अक्टूबर	(9) समान्तर चतुर्भुजों और त्रिभुजों के क्षेत्रफल (10) वृत्त	17
नवम्बर	(11) रचनाएं + ज्यामिति पुनरावृत्ति	21
दिसम्बर	(12) हीरोन का सूत्र (13) पृष्ठीय क्षेत्रफल और आयतन	20
जनवरी	(14) सांख्यिकी (15) प्रायिकता	25
फरवरी	पुनरावृत्ति	20
मार्च	वार्षिक परीक्षाएं	
	योग	210

पूर्व मध्यमा (प्रथम)
विषय: विज्ञान
पाठ्यक्रम

इकाई	इकाई का नाम	अंकभार
1	द्रव्य-प्रकृति एवं व्यवहार	20
2	सजीव जगत में संगठन	15
3	गति, बल तथा कार्य	25
4	हमारा पर्यावरण	06
5	खाद्य उत्पादन	04
	सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन	30
	योग	100

पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन

माह	पाठ्यवस्तु	शिक्षण हेतु वादन
अप्रैल	1 हमारे आस-पास के पदार्थ परिचय, पदार्थ का भौतिक स्वरूप, पदार्थ के कणों के अभिलाक्षणिक गुण, पदार्थ की अवस्थाएं, वाष्पीकरण, क्या पदार्थ अपनी अवस्था को बदल सकता है?	20
मई	2 क्या हमारे आस-पास के पदार्थ शुद्ध हैं। मिश्रण क्या है, विलयन क्या है, मिश्रण के घटकों का पृथक्करण, भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तन, शुद्ध पदार्थों के क्या प्रकार हैं?	15
जून	ग्रीष्मवकाश	
जुलाई	5 जीवन की मौलिक इकाई परिचय, सजीव किससे बने होते हैं, कोशिका किससे बनी होती है? कोशिका का संरचनात्मक संगठन क्या है? 8 गति गति का वर्णन, गति की दर का मापन, ग्राफीय विधि से गति के समीकरण, एकसमान वृत्तीयगति	22
अगस्त	3 परमाणु एवं अणु रासायनिक संयोजन के नियम, परमाणु क्या होता है, अणु क्या है, आण्विक द्रव्यमान एवं मोल संकल्पना 4 परमाणु की संरचना पदार्थों में आवेशित कण, परमाणु की संरचना, विभिन्न कक्षाओं में इलेक्ट्रॉन कैसे वितरित होते हैं, परमाणु संख्या तथा द्रव्यमान संख्या, समस्थानिक	22
सितम्बर	9 बल तथा गति के नियम संतुलित और असंतुलित बल, गति का प्रथम नियम जड़त्व तथा द्रव्यमान, गति का द्वितीय नियम, गति का तृतीय नियम, संवेग संरक्षण 10 गुरुत्वाकर्षण गुरुत्वाकर्षण, मुक्तपतन, द्रव्यमान, भार, प्रणोद तथा दाब, आर्किमीडीज सिद्धान्त, आपेक्षिक घनत्व	22

अक्टूबर	6 ऊतक 7 जीवों में विविधता	क्या पौधे और जन्तु एक ही तरह के ऊतकों से बने होते हैं, पादप ऊतक, जन्तु ऊतक वर्गीकरण का आधार क्या है, वर्गीकरण और जैव विकास, वर्गीकरण समूहों की पदानुक्रमित संरचना, प्लांटी, एनिमेलिया, नाम पद्धति।	22
नवम्बर	10 गुरुत्वाकर्षण 11 कार्य तथा ऊर्जा	गुरुत्वाकर्षण, मुक्तपतन, द्रव्यमान, भार, प्रणोद तथा दाब, आर्किमीडीज सिद्धान्त, आपेक्षिक घनत्व कार्य, ऊर्जा, कार्य करने की दर	20
दिसम्बर	12 ध्वनि 13 हम बीमार क्यों होते हैं	ध्वनि का उत्पादन, ध्वनि का संचरण, ध्वनि का परिवर्तन, श्रव्यता का परिसर, पराध्वनि के अनुप्रयोग, मानव कर्ण की संरचना स्वास्थ्य तथा इसका बिगड़ना, रोग तथा इसके कारण, संक्रामक रोग	22
जनवरी	14 प्राकृतिक सम्पदा 15 खाद्य पदार्थों में सुधार	जीवन की श्वास : वायु, जल: एक अद्भुत चक्रण, मृदा में खनिज की प्रचुरता, जैव रासायनिक चक्रण, ओजोन परत फसल उत्पादन में उन्नति, पशुपालन।	22
फरवरी		पुनरावृत्ति	15
मार्च		वार्षिक परीक्षा	
		योग	202

पूर्व मध्यमा(द्वितीय)
अनिवार्य संस्कृतम्
(खण्ड क)

भाग	क्रमांक	इकाई/ पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
	1	क) मूलरामायणम् (बालकाण्डस्य प्रथमः सर्गः)	30	10
	2	ख) शिवराजविजयः (प्रथमविरामस्य प्रथमो निश्वासः)	30	10
	3	ग) छन्दसां लक्षणोदाहरणज्ञानम्- द्रुतविलम्बितम्, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडितम्, मालिनी, तोटकम्, प्रहर्षिणी, हरिणी	15	05
	4	घ) रचनानुवादकौमुदी (16-30 अभ्यासाः) संस्कृतानुवादः, शब्दरूपाणि, धातुरूपाणि	30	10
		सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन		15
		योग	105	50

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	मूलरामायण प्रथम सर्ग में 1-10 श्लोक तथा द्रुतविलम्बितम् छन्द रचनानुवादकौमुदी से 16-17 अभ्यास तक	शिक्षकों द्वारा कवि के कृतित्व व्यक्तित्व श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।
मई	मूलरामायण प्रथम सर्ग में 11-20 श्लोक तथा मन्दाक्रान्ता छन्द रचनानुवादकौमुदी से 18-19 अभ्यास तक	शिक्षकों द्वारा श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना।
जुलाई	शिवराजविजय प्रथम निश्वास के 06 गद्यखण्ड तथा शिखरिणी छन्द रचनानुवादकौमुदी से 20-21 अभ्यास तक	शिक्षकों द्वारा मंगलाचरण एवं गद्यखण्डों की संस्कृत व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।
अगस्त	शिवराजविजय प्रथम निश्वास के 07-12 गद्यखण्ड तक तथा शार्दूलविक्रीडितम् छन्द रचनानुवादकौमुदी से 22-23 अभ्यास तक	शिक्षकों द्वारा मंगलाचरण एवं गद्यखण्डों की संस्कृत व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।
सितम्बर	शिवराजविजय प्रथम निश्वास के 13-18 गद्यखण्ड तक तथा मालिनी छन्द रचनानुवादकौमुदी से 23-24 अभ्यास तक	शिक्षकों द्वारा मंगलाचरण एवं गद्यखण्डों की संस्कृत व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	शिवराजविजय प्रथम निश्वास के 19-24 तथा तोटकम् छन्द रचनानुवादकौमुदी से 25-26 अभ्यास तक	शिक्षकों द्वारा मंगलाचरण एवं गद्यखण्डों की संस्कृत व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।
नवम्बर	शिवराजविजय प्रथम निश्वास के 25-30 गद्यखण्ड तक तथा प्रहर्षिणी छन्द रचनानुवादकौमुदी से 27-28 अभ्यास तक	शिक्षकों द्वारा मंगलाचरण एवं गद्यखण्डों की संस्कृत व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।

दिसम्बर	शिवराजविजय प्रथम निश्वास के 31-36 गद्यखण्ड तक तथा हरिणी छन्द रचनानुवादकौमुदी से 29-30 अभ्यास तक	शिक्षकों द्वारा मंगलाचरण एवं गद्यखण्डों की संस्कृत व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।
जनवरी	शिवराजविजय प्रथम निश्वास के 31-36 गद्यखण्ड तक	शिक्षकों द्वारा मंगलाचरण एवं गद्यखण्डों की संस्कृत व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।
फरवरी	मूलरामायण छन्द रचनानुवाद	शिक्षकों द्वारा पुनराभ्यास कराया जाए।

अनिवार्य संस्कृतम् (खण्ड ख)

भाग	क्रमांक	इकाई/पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
1		ड) मध्यसिद्धान्तकौमुदी (कारकः, समासः, भ्वादिगणः) अथवा लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्तप्रकरणमात्रम्) (व्याकरणेतरच्छात्राणां कृते अनिवार्यम्, व्याकरणच्छात्राणां कृते वैकल्पिकम्) अथवा तर्कसंग्रहः पदकृत्यसहितः (अनुमानादिसमाप्तिपर्यन्तः) अथवा सांख्यसूत्रम् (तृतीयोऽध्यायः)	110	35
		सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन		15
		योग	110	50

माहवार नियोजन (लघुसिद्धान्तकौमुदी)

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	भ्वादि प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
मई	भ्वादि प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना।
जुलाई	अदादि प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
अगस्त	अदादि प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
सितम्बर	जुहोत्यादि प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	दिवादि प्रकरण तथा स्वादि प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।

नवम्बर	तुदादि प्रकरण तथा रुधादि प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
दिसम्बर	तनादि प्रकरण तथा क्र्यादि प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
जनवरी	चुरादि प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
फरवरी	चुरादि प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।

माहवार नियोजन अनिवार्य संस्कृतम् (तर्कसंग्रह)

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	अनुमान परिच्छेद	शिक्षकों द्वारा अनुमान परिच्छेद में आने वाले समस्त पद पदार्थों का संस्कृत हिन्दी भाषा के माध्यम से पदकृत्य उदाहरण इत्यादि समझाना लिखाना अनिवार्य है।
मई	अनुमान परिच्छेद	शिक्षकों द्वारा अनुमान परिच्छेद में आने वाले समस्त पद पदार्थों का संस्कृत हिन्दी भाषा के माध्यम से पदकृत्य उदाहरण इत्यादि समझाना लिखाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना।
जुलाई	अनुमान परिच्छेद	शिक्षकों द्वारा अनुमान परिच्छेद में आने वाले समस्त पद पदार्थों का संस्कृत हिन्दी भाषा के माध्यम से पदकृत्य उदाहरण इत्यादि समझाना लिखाना अनिवार्य है।
अगस्त	अनुमान परिच्छेद	शिक्षकों द्वारा अनुमान परिच्छेद में आने वाले समस्त पद पदार्थों का संस्कृत हिन्दी भाषा के माध्यम से पदकृत्य उदाहरण इत्यादि समझाना लिखाना अनिवार्य है।
सितम्बर	उपमान परिच्छेद	शिक्षकों द्वारा उपमान परिच्छेद में उपमान स्वरूप तथा पदकृत्य सम्यक् प्रकार से समझाना तथा लिखाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	उपमान परिच्छेद	शिक्षकों द्वारा उपमान परिच्छेद में उपमान स्वरूप तथा पदकृत्य सम्यक् प्रकार से समझाना तथा लिखाना अनिवार्य है।
नवम्बर	उपमान परिच्छेद	शिक्षकों द्वारा उपमान परिच्छेद में उपमान स्वरूप तथा पदकृत्य सम्यक् प्रकार से समझाना तथा लिखाना अनिवार्य है।
दिसम्बर	शब्द परिच्छेद	शिक्षकों द्वारा शब्द परिच्छेद को सम्यक् प्रकार से लिखाना पढ़ाना समझाना अनिवार्य है।
जनवरी	शब्द परिच्छेद	शिक्षकों द्वारा शब्द परिच्छेद को सम्यक् प्रकार से लिखाना पढ़ाना समझाना अनिवार्य है।
फरवरी	अवशिष्ट भाग	शिक्षकों द्वारा अवशिष्ट भाग की विस्तृत जानकारी देना अनिवार्य है।

पूर्व मध्यमा(द्वितीय) नव्यव्याकरणम्

भाग	क्रमांक	इकाई/पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
1		नव्यव्याकरणम् क) सिद्धान्तकौमुदी 1) स्त्रीप्रत्ययः	30	10
2		2) कारकप्रकरणम्	60	20
3		3) समासाश्रयविधिप्रकरणतः अपत्याधिकारप्रकरणपर्यन्तम्	120	40
		सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन		30
		योग	210	100

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	स्त्रीप्रत्यय प्रकरण	शिक्षकों द्वारा स्त्री प्रत्यय के सम्पूर्ण सूत्रों को कण्ठस्थ कराना और उनके अर्थ याद कराना अनिवार्य है।
मई	स्त्रीप्रत्यय प्रकरण	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के उदाहरण प्रत्युदाहरण शंका समाधान प्रयोगों की सिद्धि संस्कृत तथा हिन्दी भाषा में लिखाना समझाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना।
जुलाई	कारक प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा स्त्री प्रत्यय के सम्पूर्ण सूत्रों को कण्ठस्थ कराना और उनके अर्थ याद कराना अनिवार्य है।
अगस्त	कारक प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के उदाहरण प्रत्युदाहरण शंका समाधान प्रयोगों की सिद्धि संस्कृत तथा हिन्दी भाषा में लिखाना समझाना अनिवार्य है।
सितम्बर	अव्ययीभाव समास प्रकरण	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के उदाहरण प्रत्युदाहरण शंका समाधान प्रयोगों की सिद्धि संस्कृत तथा हिन्दी भाषा में लिखाना समझाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	तत्पुरुष समास प्रकरण	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के उदाहरण प्रत्युदाहरण शंका समाधान प्रयोगों की सिद्धि संस्कृत तथा हिन्दी भाषा में लिखाना समझाना अनिवार्य है।
नवम्बर	तत्पुरुष समास प्रकरण	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के उदाहरण प्रत्युदाहरण शंका समाधान प्रयोगों की सिद्धि संस्कृत तथा हिन्दी भाषा में लिखाना समझाना अनिवार्य है।
दिसम्बर	बहुव्रीहि समास प्रकरण द्वन्द्व समास प्रकरण	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के उदाहरण प्रत्युदाहरण शंका समाधान प्रयोगों की सिद्धि संस्कृत तथा हिन्दी भाषा में लिखाना समझाना अनिवार्य है।
जनवरी	एकशेष समास प्रकरण, सर्वसमासशेष समास प्रकरण, सर्वसमासान्त प्रकरण	शिक्षकों द्वारा स्त्री प्रत्यय के सम्पूर्ण सूत्रों को कण्ठस्थ कराना और उनके अर्थ याद कराना अनिवार्य है।

फरवरी	अलुक समास प्रकरण, समासाश्रय विधि प्रकरण	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के उदाहरण प्रत्युदाहरण शंका समाधान प्रयोगों की सिद्धि संस्कृत तथा हिन्दी भाषा में लिखाना समझाना अनिवार्य है।
-------	--	--

पूर्व मध्यमा(द्वितीय) साहित्यम्

भाग	क्रमांक	इकाई/पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
1		साहित्यम् चन्द्रालोकः क) सिद्धान्तकौमुदी	210	70
		सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन		30
		योग	210	100

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	चन्द्रालोकः (प्रथम मयूख)	शिक्षकों द्वारा ग्रन्थकार का परिचय एवं मयूख में लिखे गये 16 श्लोकों का रहस्य तथा पद पदार्थ बोध कराना अनिवार्य है।
मई	चन्द्रालोकः (द्वितीय मयूख)	शिक्षकों द्वारा साहित्य के सम्पूर्ण दोषों के नाम तथा उनकी परिभाषा समझाना और श्लोकों में घटाकर दर्शाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना।
जुलाई	चन्द्रालोकः (तृतीय मयूख)	शिक्षकों द्वारा अक्षर संहिता, शोभा, अभिमान, हेतु, प्रतिशेध, निरुक्त, मिथ्याध्यवसाय, सिद्धि, युक्ति, कार्य, उपसंहार, के विषय में स्पष्ट रूप से समझाना।
अगस्त	चन्द्रालोकः (चतुर्थ मयूख)	शिक्षकों द्वारा श्लेष, प्रसाद, समता, समाधि, माधुर्य, ओज, सौकुमार्य, उदारता इत्यादि गुणों के परिभाषायें अवगत कराना तथा बोध कराना अनिवार्य है।
सितम्बर	चन्द्रालोकः (पंचम मयूख)	शिक्षकों द्वारा सम्पूर्ण अलंकारों के लक्षण उदाहरणों को समझाना।
अक्टूबर	चन्द्रालोकः (षष्ठ मयूख)	शिक्षकों द्वारा विभावादि का कारण रसों के स्वरूप तथा उनके स्थाई भावादि को स्पष्टीकरण कराना अनिवार्य है।
नवम्बर	चन्द्रालोकः (सप्तम मयूख)	शिक्षकों द्वारा व्यंजनादि स्वरूपादि ध्वनियों के भेदों को ज्ञान कराना अनिवार्य है।
दिसम्बर	चन्द्रालोकः (अष्टम मयूख)	शिक्षकों द्वारा व्यंजनादि स्वरूपादि ध्वनियों के भेदों को ज्ञान कराना अनिवार्य है।

जनवरी	चन्द्रालोक: (नवम् मयूख)	शिक्षकों द्वारा लक्षणा स्वरूप भेद उपभेद तथा अभिधा लक्षण और अभिधा के 06 प्रकारों के भेदों को निरूपित करना अनिवार्य है।
फरवरी	चन्द्रालोक: (दशम् मयूख)	शिक्षकों द्वारा लक्षणा स्वरूप भेद उपभेद तथा अभिधा लक्षण और अभिधा के 06 प्रकारों के भेदों को निरूपित करना अनिवार्य है।

पूर्व मध्यमा(द्वितीय) सामाजिक विज्ञान

भाग	क्रमांक	इकाई/पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
1		भारत और समकालीन विश्व-2(इतिहास)	60	20
2		समकालीन भारत-2(भूगोल)	55	20
3		लोकतान्त्रिक राजनीति-2(नागरिक शास्त्र)	50	15
4		आर्थिक विकास की समझ (अर्थ शास्त्र)	50	15
5		प्रोजेक्ट कार्य (सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन)		30
		योग	215	100

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	इतिहास भूगोल	यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय संसाधन एवं विकास
मई	अर्थशास्त्र राजनीति विज्ञान	विकास सत्ता की साझेदारी
जून		ग्रीष्मावकाश
जुलाई	इतिहास भूगोल अर्थशास्त्र राजनीति विज्ञान	भारत में राष्ट्रवाद वन एवं वन्य जीव संसाधन भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक संघवाद
अगस्त	इतिहास भूगोल अर्थशास्त्र राजनीति विज्ञान	भूमण्डलीकरण-विश्व का बनना जल संसाधन मुद्रा एवं साख लोकतन्त्र एवं विविधता
सितम्बर	इतिहास भूगोल राजनीति विज्ञान	औद्योगीकरण का युग कृषि जाति, धर्म और लैंगिक मसले
अक्टूबर	भूगोल राजनीतिक विज्ञान	खनिज और ऊर्जा संसाधन जन संघर्ष और आन्दोलन राजनीतिक दल
नवम्बर	इतिहास भूगोल अर्थशास्त्र राजनीति विज्ञान	मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया विनिर्माण उद्योग वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था लोकतन्त्र के परिणाम
दिसम्बर	भूगोल अर्थशास्त्र	राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएं उपभोक्ता अधिकार

	नागरिक शास्त्र	लोकतन्त्र की चुनौतियां
जनवरी		सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति छात्र/छात्राओं का उपचारात्मक शिक्षण मानचित्र सम्बन्धी कार्य का अभ्यास
फरवरी		वार्षिक परीक्षा का आयोजन

पूर्व मध्यमा (द्वितीय)
विषय: कम्प्यूटर विज्ञान
पाठ्यक्रम

इकाई	इकाई का नाम	अंकभार
1	कम्प्यूटर और संचार	15
2	लाइनक्स ऑपरेटिंग सिस्टम्	10
3	बाइनरी अर्थमेटिक एवं लॉजिक गेट्स	10
4	सी लैंग्वेज में एडवांस प्रोग्रामिंग अ- सब्सक्रिप्टेड वैरीएबल्स ब- एरेज एवं स्ट्रिंग स- फंक्शन्स एवं सबरूदीन्स द- स्ट्रिंग मैन्युपुलेशन य- फाइल आपरेशन्स	10 05 05 05 10
	सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन	30
	योग	100

प्रयोगात्मक कार्य इकाई 2 से 4 में किया जाएगा।

पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन

माह	पाठ्यवस्तु	शिक्षण हेतु वादन
अप्रैल	डाटा संचरण, प्राथमिक संचार माडल, संचार के प्रकार, डाटा ट्रांसमिशन 1 माड्युलेशन, डिजिटल से एनालॉग में परिवर्तन, एनालॉग से डिजिटल में परिवर्तन, ट्रांसमिशन मोड	20
मई	2 संचार माध्यम	20
जून	ग्रीष्म अवकाश	
जुलाई	3 कम्प्यूटर नेटवर्क तथा इंटरनेट	25
अगस्त	4 लाइनक्स ऑपरेटिंग सिस्टम्	25
सितम्बर	5 बाइनरी अंकगणित	15
अक्टूबर	'सी' भाषा	20
नवम्बर	कंट्रोल कथन ऐरे	25
दिसम्बर	सार्टिंग एवं सर्चिंग कैरेक्टर ऐरे एवं स्ट्रिंग	20
जनवरी	यूजर डिफाइण्ड फंक्शन लाइब्रेरी फंक्शन	20
फरवरी	फाइल प्रबन्धन	25
मार्च	वार्षिक परीक्षा	

टिप्पणी : पाठ्यक्रम आच्छादन के साथ ही प्रयोगात्मक कार्य भी प्रत्येक माह कराया जाएगा।

पूर्व मध्यमा (द्वितीय)

वाणिज्य

क्रमांक	खण्ड	विवरण	अंकभार
1	अ	अध्याय 1 से 5	20
2	ब	अध्याय 6 से 13	20
3	स	अध्याय 14 से 21	15
4	द	अध्याय 22 से 24	15
		सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन	30
		योग	100

माहवार नियोजन

माह का नाम	पाठ्य वस्तु	शिक्षण हेतु वादन
अप्रैल	1. अन्तिम खाते 2. समायोजनाएं एवं अन्तिम खाते	22
मई	3. बैंक सम्बन्धी लेन देन	15
जून	ग्रीष्मावकाश	
जुलाई	4. बैंक समाधान विवरण पत्र: बैंक पास बुक एवं रोकड़ पुस्तक 5. विनिमय-विपत्र (बिल, हुण्डी व प्रतिज्ञा-पत्र सम्बन्धी साधारण लेखे)	25
अगस्त	6. नस्तीकरण और फाइलिंग 7. अनुक्रमणिका 8. सन्देश वाहन प्रणालियां	25
सितम्बर	9. व्यापारिक कार्यालय में समय व श्रम बचाने वाले यन्त्र 10. देशी व्यापार (अर्थ, क्षेत्र तथा व्यापारिक प्रतिनिधि) 11. थोक व्यापार	22
अक्टूबर	12. फुटकर व्यापारी 13. बीजक, विक्रय विवरण एवं हिसाब विवरण आदि बनाना 14. बैंक: उद्गम, परिभाषा, कार्य एवं महत्व	22
नवम्बर	15. केन्द्रीय बैंक 16. भारतीय रिजर्व बैंक 17. स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया	25
दिसम्बर	18. व्यापारिक बैंक 19. बैंको का राष्ट्रीयकरण 20. सहकारी बैंक	20
जनवरी	21. देशी बैंकर्स 22. उपयोगिता हास नियम अथवा सीमान्त उपयोगिता हास नियम 23. व्यय व बचत	25
फरवरी	24. उत्पत्ति के साधन पुनरावृत्ति	15
मार्च	वार्षिक परीक्षा	
	योग	216

पूर्व मध्यमा (द्वितीय)

विज्ञान

क्रमांक	इकाई	अंकभार
1	रासायनिक पदार्थ-प्रकृति एवं व्यवहार	20
2	जैव जगत	20
3	प्राकृतिक घटनाएं (संवृत्तियाँ)	12
4	विद्युत का प्रभाव	13
5	प्राकृतिक संसाधन	05
	योग	70
6	प्रयोगात्मक कार्य एवं प्रोजेक्ट (आन्तरिक मूल्यांकन)	30
	योग	100

माहवार नियोजन

माह का नाम	ईकाई	पाठ्य वस्तु	शिक्षण हेतु वादन
अप्रैल	1	रासायनिक अभिक्रियाएँ एवं समीकरण: परिचय, रासायनिक समीकरण, रासायनिक अभिक्रियाओं के प्रकार, दैनिक जीवन में उपचयन अभिक्रियाओं का प्रभाव	22
	2	जैव प्रक्रम	
मई	3	प्रकाश: परावर्तन एवं अपवर्तन	15
जून		ग्रीष्मावकाश	
जुलाई	4	विद्युत	22
	5	ऊर्जा के स्रोत	
अगस्त	1	अम्ल, क्षारक एवं लवण: रासायनिक गुण धर्म, अम्लों एवं क्षारकों में क्या समानताएँ हैं? अम्ल एवं क्षारकों के विलयन कितने प्रकार के होते हैं, लवण के संबंध में अधिक जानकारी।	20
	2	नियंत्रण एवं समन्वयन	
सितम्बर	1	धातु एवं अधातु	25
	2	जीव जनन कैसे करते हैं	
अक्टूबर	3	मानव नेत्र तथा रंग बिरंगा संसार पुनरावृत्ति	22
नवम्बर	1	कार्बन तथा उसके यौगिक	22
दिसम्बर	2	आनुवांशिकता एवं जैव विकास	20
	1	तत्वों का आवर्त वर्गीकरण	
जनवरी	4	विद्युत धारा के चुम्बकिय प्रभाव	25
	5	हमारा पर्यावरण	
फरवरी	5	प्राकृतिक संसाधनों का संपोषित प्रबन्धन पुनरावृत्ति / प्रयोगिक कार्य	20
मार्च		वार्षिक परीक्षा	
		योग	213

**पूर्व मध्यमा (द्वितीय)
गणित**

क्र०सं०	इकाई	अंक भार
1	संख्या पद्धति	05
2	बीजगणित	18
3	निर्देशांक ज्यामिति	05
4	ज्यामिति	12
5	त्रिकोणमिति	12
6	मेन्सुरेशन	08
7	सांख्यिकी तथा प्रायिकता	10
	योग-	70
	सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन: आन्तरिक मूल्यांकन	15
	प्रोजेक्ट कार्य	15
	योग-	100

पाठ्यक्रम का माहवार विभाजन

माह	इकाई	पाठ्य वस्तु	शिक्षण हेतु वादन
अप्रैल	1	संख्या पद्धति: वास्तविक संख्याएं-यूक्लिड विभाजन तथा एल्गोरिथ्म परिमेय व अपरिमेय संख्याओं का पुनर्भ्रमण अंक गणित की आधारभूत प्रमेय, परिमेय संख्याओं का दशमलव प्रसार ।	22
मई	2	बीजगणित-बहुपद, दो चरवाले रैखिक समीकरण युग्म	15
जून		ग्रीष्म अवकाश	
जुलाई	2	बीजगणित -द्विघात समीकरण, समान्तर श्रेणियां	25
अगस्त	3	निर्देशांक ज्यामिति: रेखा (द्विविमीय)	25
सितम्बर	4	ज्यामिति: त्रिभुज, वृत्त एवं रचनाएं	22
अक्टूबर	5	त्रिकोणमिति: परिचय, सर्व समिकाएं, उंचाई और दूरी	22
नवम्बर	6	मेन्सुरेशन: वृत्तों से सम्बन्धित क्षेत्रफल और आयतन	25
दिसम्बर	7	सांख्यिकीय- सांख्यिकी-माध्य, माध्यिका, बहुलक, संचायी बारम्बारता ग्राफ प्रायिकता-सैद्धान्तिक परिभाषा, एकल घटना पर आधारित सामान्य प्रश्न ।	20
जनवरी	सभी	उपयुक्त सभी इकाइयों से अभ्यास कार्य/पुनरावृत्ति	25
फरवरी	सभी	पुनरावृत्ति/आवश्यक कार्य	15
मार्च		वार्षिक परीक्षाएं	
		योग-	216

**पूर्व मध्यमा (द्वितीय)
अंग्रेजी**

क्र०सं०	इकाई	अंक भार
1	Prose- Two short answer type questions based on a given prose passage, One long answer type question, Two short answer type questions, Three very short vocabulary base/match type questions.	15
2	Poetry- Two short answer type questions based on a given poetry extract, Central Idea of anyone of the given poems OR Four lines from any poem prescribed in the syllabus.	8
3	Supplementary Reader- Two short answer type questions, One long answer type questions, Four very short answer type questions (True/False, Completing the Sentence)	12
Section-B:- Grammar, Translation and Composition		
1	Reading- One Long passage followed by two short answer question and Two very short answer type vocabulary based / language based questions.	3+3=6 2+2=4 (vocabulary)
2	Writing: Letter / Application writing Descriptive paragraph / Report / Article based on given verbal clues	4 6
3 (A)	Grammar- Ten very short answer type questions based on Part of Speech, Tense, Narratives, Articles, Voice, Reordering of sentences, Punctuations etc.	10
(B)	A very short passage in Hindi for translation into English	5
Continuous and Comprehensive Evaluation		30
Total		100

पाठ्यक्रम का माहवार विभाजन

माह	पाठ्य वस्तु				शिक्षण हेतु वादन
	Prose	Poetry	Supplementary Reader	Grammar	
अप्रैल	A Letter to God	Dust of Snow	A Triumph of Surgery	Part of Speech	22
मई	Nelson Mandela: Long walk to Freedom	Fire and Ice	The Thief's Story	Part of Speech	15
जून					
जुलाई	Two Stories about flying	A Tiger in The Zoo	The Midnight Visitor	Articles	25
अगस्त	From The Diary of Anne Frank	How to Tell Wild Animals The Ball Poems	A Question of Trust	Punctuations	25
सितम्बर	The Hundred Dress-I The Hundred Dress-II	Amanda!	Footprint Without Feet	Voice	22
अक्टूबर	Glimpses Of India	Animals	The Making of Scientist	Narrations	22
नवम्बर	Mijbil the Otter	The Trees	The Necklace	Reordering of Sentences	25
दिसम्बर	Madam Rides the Bus	Fog	The Hack Driver	Tense/ Translation	20
जनवरी	The Sermon at Benaras	The Tale of Custard the Dragon	Bholi	Revision of Grammar	25
फरवरी	The Proposal	For Anne Gregory	The Book That Saved the Earth	Revision of Grammar	15
मार्च	परीक्षा	परीक्षा	परीक्षा	परीक्षा	
				योग	216

उत्तर मध्यमा(प्रथम)

अनिवार्य संस्कृतम् (खण्ड क)

भाग	क्रमांक	इकाई/पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
	1	क) किरातार्जुनीयम्(प्रथमःसर्गः)	44	20
	2	ख) शब्दालंकाराः भेदोपभेदसहिताः (लक्षणोदाहरणज्ञानम्)	11	05
	3	ग) गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् आदितः विंशतिपर्यन्तं श्लोकाः, गुप्ताशुद्धिवाक्यानि (1-100 पर्यन्तम्) घ) रचनानुवादकौमुदी (31-45 अभ्यासाः) संस्कृतानुवादः, शब्दरूपाणि, धातुरूपाणि, पत्रलेखनम्	33	15
	4	घ) रचनानुवादकौमुदी (31-45 अभ्यासाः) संस्कृतानुवादः, शब्दरूपाणि, धातुरूपाणि, पत्रलेखनम्	22	10
		योग	110	50

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	किरातार्जुनीयम् प्रथम सर्ग 10 श्लोक तक रचनानुवादकौमुदी से 31 से 32 वाँ अभ्यास	शिक्षकों द्वारा ग्रन्थकार का जीवन परिचय सन्दर्भ प्रसंग अन्वय व्याख्या हिन्दी भावार्थ संस्कृत भाषा में लिखना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है।
मई	किरातार्जुनीयम् प्रथम सर्ग 11से 25 श्लोक तक रचनानुवादकौमुदी से 33 से 34 वाँ अभ्यास	शिक्षकों द्वारा ग्रन्थकार का जीवन परिचय सन्दर्भ प्रसंग अन्वय व्याख्या हिन्दी भावार्थ संस्कृत भाषा में लिखना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों में गृहकार्य देना।
जुलाई	गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् प्रारम्भ से लेकर 15 श्लोक पर्यन्त रचनानुवादकौमुदी से 35 से 36 वाँ अभ्यास	शिक्षकों द्वारा ग्रन्थकार का जीवन परिचय सन्दर्भ प्रसंग अन्वय व्याख्या हिन्दी भावार्थ संस्कृत भाषा में लिखना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है।
अगस्त	गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् प्रारम्भ से 50 वाक्य शुद्धि रचनानुवादकौमुदी से 37 से 38 वाँ अभ्यास	शिक्षकों द्वारा ग्रन्थकार का जीवन परिचय सन्दर्भ प्रसंग अन्वय व्याख्या हिन्दी भावार्थ संस्कृत भाषा में लिखना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है।
सितम्बर	गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् 51 से 70 वाक्य शुद्धि रचनानुवादकौमुदी से 39 से 40 वाँ अभ्यास	शिक्षकों द्वारा ग्रन्थकार का जीवन परिचय सन्दर्भ प्रसंग अन्वय व्याख्या हिन्दी भावार्थ संस्कृत भाषा में लिखना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् 71 से 80 वाक्य शुद्धिरचनानुवादकौमुदी से 41 से 42 वाँ अभ्यास	शिक्षकों द्वारा ग्रन्थकार का जीवन परिचय सन्दर्भ प्रसंग अन्वय व्याख्या हिन्दी भावार्थ संस्कृत भाषा में लिखना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है।
नवम्बर	गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् 81 से 100 वाक्य शुद्धिरचनानुवादकौमुदी से 43 से 45 वाँ अभ्यास	शिक्षकों द्वारा ग्रन्थकार का जीवन परिचय सन्दर्भ प्रसंग अन्वय व्याख्या हिन्दी भावार्थ संस्कृत भाषा में लिखना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है।

दिसम्बर	अलंकार	शिक्षकों द्वारा अलंकार की परिभाषा बताना अनिवार्य है।
जनवरी	शब्दालंकार	शिक्षकों द्वारा अलंकारों की परिभाषा बताना अनिवार्य है।
फरवरी	अर्थालंकार	शिक्षकों द्वारा अलंकारों की परिभाषा बताना अनिवार्य है।

उत्तर मध्यमा(प्रथम) अनिवार्य संस्कृतम् (खण्ड ख)

भाग	क्रमांक	इकाई/पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
	1	क) मध्यसिद्धान्तकौमुदी (कारक-समासप्रकरणे) अथवा लघुसिद्धान्तकौमुदी (ण्यन्तकृदन्तप्रकरणं यावत्) (व्याकरणेतरच्छात्राणां कृते अनिवार्यम्, व्याकरणच्छात्राणां कृते वैकल्पिकम्) अथवा न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्षखण्डः) अथवा न्यायसूत्रम् (प्रथमाध्यायस्य प्रथमाह्निकम्)	110	50
		योग	110	50

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	लघुसिद्धान्तकौमुदी में ण्यन्तप्रक्रिया	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
मई	लघुसिद्धान्तकौमुदी में सनन्तप्रकरण तक	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना।
जुलाई	लघुसिद्धान्तकौमुदी में यङ्न्तप्रकरण प्रकरण	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
अगस्त	लघुसिद्धान्तकौमुदी में कण्ड्वादि प्रकरण तक	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
सितम्बर	लघुसिद्धान्तकौमुदी में आत्मनेपद प्रक्रिया से परस्मैपद प्रक्रिया प्रकरण	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	लघुसिद्धान्तकौमुदी में भावकर्म प्रक्रिया से लकारार्थ प्रक्रिया प्रकरण तक	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
नवम्बर	लघुसिद्धान्तकौमुदी में कृदन्ते कृत्यप्रक्रिया	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।

दिसम्बर	लघुसिद्धान्तकौमुदी में पूर्वकृदन्त	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
जनवरी	लघुसिद्धान्तकौमुदी में उत्तरकृदन्त	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
फरवरी	लघुसिद्धान्तकौमुदी में उत्तरकृदन्त	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।

माहवार नियोजन

विषय—.. अनिवार्य संस्कृतम्. (न्यायसिद्धान्तमुक्तावली)

द्वितीय प्रश्न पत्र

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	मंगलाचरण	शिक्षकों द्वारा ग्रन्थकार का जीवन परिचय संक्षिप्त भूमिका लिखाना पढ़ाना अनिवार्य है।
मई	मंगलाचरण कारिकावली मंगलवाद	शिक्षकों द्वारा मंगलाचरण की कारिका मंगलवाद के विषय में प्राच्य एवं नव्य मत समझाना लिखाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना।
जुलाई	ईश्वरास्तित्ववादः, पदार्थविभाग,	शिक्षकों द्वारा सम्यक् प्रकार से कारिकाओं के विषय में विस्तृत जानकारी देना लिखाना अनिवार्य है।
अगस्त	कारिका संख्या 1-10 तक	शिक्षकों द्वारा सम्यक् प्रकार से कारिकाओं के विषय में विस्तृत जानकारी देना लिखाना अनिवार्य है।
सितम्बर	कारिका संख्या 10-20	शिक्षकों द्वारा सम्यक् प्रकार से कारिकाओं के विषय में विस्तृत जानकारी देना लिखाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	कारिका संख्या 10-20	शिक्षकों द्वारा सम्यक् प्रकार से कारिकाओं के विषय में विस्तृत जानकारी देना लिखाना अनिवार्य है।
नवम्बर	कारिका संख्या 20-30	शिक्षकों द्वारा सम्यक् प्रकार से कारिकाओं के विषय में विस्तृत जानकारी देना लिखाना अनिवार्य है।
दिसम्बर	कारिका संख्या 20-30	शिक्षकों द्वारा सम्यक् प्रकार से कारिकाओं के विषय में विस्तृत जानकारी देना लिखाना अनिवार्य है।
जनवरी	कारिका संख्या 30-34	शिक्षकों द्वारा सम्यक् प्रकार से कारिकाओं के विषय में विस्तृत जानकारी देना लिखाना अनिवार्य है।
फरवरी	कारिका संख्या 34-38	शिक्षकों द्वारा सम्यक् प्रकार से कारिकाओं के विषय में विस्तृत जानकारी देना लिखाना अनिवार्य है।

उत्तर मध्यमा(प्रथम)

नव्यव्याकरणम्

(खण्ड क)

भाग	क्रमांक	इकाई / पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
		नव्यव्याकरणम् द्वितीयपत्रम्-		
1		क) सिद्धान्तकौमुदी (शैषिकादि द्विरुक्त प्रक्रियान्त भागः)	110	50
		योग	110	50

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	अपत्याधिकार प्रकरण	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
मई	अपत्याधिकार प्रकरण	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना।
जुलाई	शैषिक प्रकरण	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
अगस्त	शैषिक प्रकरण	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
सितम्बर	शैषिक प्रकरण	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
अक्टूबर	शैषिक प्रकरण	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
नवम्बर	मत्वर्थीय प्रकरण	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
दिसम्बर	मत्वर्थीय प्रकरण	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
जनवरी	मत्वर्थीय प्रकरण	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
फरवरी	शैषिक / मत्वर्थीय प्रकरण	सभी पढ़ाये हुए प्रकरणों का पुनराभ्यास।

उत्तर मध्यमा(प्रथम)

नव्यव्याकरणम्

(खण्ड ख)

भाग	क्रमांक	इकाई/पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
		नव्यव्याकरणम् तृतीयपत्रम्		
1		क) सिद्धान्तकौमुदी (भ्वादिपठः जुहोत्यादि पर्यन्तम्)	100	50
		योग	100	50

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	भ्वादिप्रकरणम् (100 धातुएं)	शिक्षकों द्वारा दशों लकारों का विस्तृत ज्ञान कराना अनिवार्य है।
मई	भ्वादिप्रकरणम् (150 धातुएं)	शिक्षक द्वारा शास्त्र प्रक्रिया साधनिका धातुओं के अर्थ सम्यक् प्रकार से हिन्दी तथा संस्कृत भाषा में समझाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना।
जुलाई	भ्वादिप्रकरणम् (150 धातुएं)	शिक्षक द्वारा शास्त्र प्रक्रिया साधनिका धातुओं के अर्थ सम्यक् प्रकार से हिन्दी तथा संस्कृत भाषा में समझाना अनिवार्य है।
अगस्त	भ्वादिप्रकरणम् (305 धातुएं)	शिक्षक द्वारा शास्त्र प्रक्रिया साधनिका धातुओं के अर्थ सम्यक् प्रकार से हिन्दी तथा संस्कृत भाषा में समझाना अनिवार्य है।
सितम्बर	भ्वादिप्रकरणम् (305 धातुएं)	शिक्षक द्वारा शास्त्र प्रक्रिया साधनिका धातुओं के अर्थ सम्यक् प्रकार से हिन्दी तथा संस्कृत भाषा में समझाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	अदादिप्रकरणम् (36 धातुएं)	शिक्षक द्वारा शास्त्र प्रक्रिया साधनिका धातुओं के अर्थ सम्यक् प्रकार से हिन्दी तथा संस्कृत भाषा में समझाना अनिवार्य है।
नवम्बर	अदादिप्रकरणम् (18 धातुएं)	शिक्षक द्वारा शास्त्र प्रक्रिया साधनिका धातुओं के अर्थ सम्यक् प्रकार से हिन्दी तथा संस्कृत भाषा में समझाना अनिवार्य है।
दिसम्बर	अदादिप्रकरणम् (18 धातुएं)	शिक्षक द्वारा शास्त्र प्रक्रिया साधनिका धातुओं के अर्थ सम्यक् प्रकार से हिन्दी तथा संस्कृत भाषा में समझाना अनिवार्य है।
जनवरी	जुहोत्यादिप्रकरणम् (सम्पूर्ण प्रकरण)	शिक्षक द्वारा शास्त्र प्रक्रिया साधनिका धातुओं के अर्थ सम्यक् प्रकार से हिन्दी तथा संस्कृत भाषा में समझाना अनिवार्य है।

फरवरी	जुहोत्यादिप्रकरणम् (सम्पूर्ण प्रकरण)	शिक्षक द्वारा शास्त्र प्रक्रिया साधनिका धातुओं के अर्थ सम्यक् प्रकार से हिन्दी तथा संस्कृत भाषा में समझाना अनिवार्य है।
-------	---	---

उत्तर मध्यमा(प्रथम)

साहित्यम् (खण्ड क)

भाग	क्रमांक	इकाई/पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
		साहित्यम् द्वितीयपत्रम्-		
1		क) दशकुमारचरितम् (पूर्वपीठिका)	55	25
2		ख) रघुवंशमहाकाव्यम् (13-14 सर्गों)	55	25
		योग	110	50

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	दशकुमारचरितम् पूर्वपीठिका प्रथमोच्छवास	शिक्षकों द्वारा दशकुमारचरितम् के रचयिता तथा जीवन परिचय एवं काव्य समीक्षा परिचय तथा गद्य का उच्चारण, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।
मई	दशकुमारचरितम् पूर्वपीठिका द्वितीयोच्छवास,	शिक्षकों द्वारा गद्य का उच्चारण व्याख्या हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना।
जुलाई	दशकुमारचरितम् पूर्वपीठिका, तृतीयोच्छवास	शिक्षकों द्वारा गद्य का उच्चारण व्याख्या हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।
अगस्त	दशकुमारचरितम् पूर्वपीठिका चतुर्थोच्छवास, पंचमोच्छवास	शिक्षकों द्वारा गद्य का उच्चारण व्याख्या हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।
सितम्बर	दशकुमारचरितम् पूर्वपीठिका पंचमोच्छवास	शिक्षकों द्वारा गद्य का उच्चारण व्याख्या हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	रघुवंशमहाकाव्यम् त्रयोदश सर्ग	शिक्षकों द्वारा ग्रन्थ के ग्रन्थकार तथा उनका परिचय तथा रघुवंश की विशेषता प्रत्येक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 20 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है।
नवम्बर	रघुवंशमहाकाव्यम् त्रयोदश सर्ग	शिक्षकों द्वारा प्रत्येक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 20 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है।
दिसम्बर	रघुवंशमहाकाव्यम् त्रयोदश सर्ग	शिक्षकों द्वारा प्रत्येक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 20 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है।

जनवरी	रघुवंशमहाकाव्यम् त्रयोदश सर्ग	शिक्षकों द्वारा प्रत्येक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 20 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है।
फरवरी	दशकुमारचरितम्/ रघुवंशमहाकाव्यम्	सभी शिक्षक पढ़ाये गये विषयों का पुनराभ्यास कराये।

उत्तर मध्यमा(प्रथम)

साहित्यम्

(खण्ड ख)

भाग	क्रमांक	इकाई/पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
		साहित्यम् तृतीयपत्रम्		
1		क) तर्कसंग्रहः (न्यायबोधनी टीका) - प्रत्यक्षखण्डः	110	50
		योग	110	50

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	तर्कसंग्रह प्रत्यक्ष खण्ड “न्यायबोधनी” (मंगल श्लोक से द्रव्यलक्षण पर्यन्त)	शिक्षकों द्वारा तर्कसंग्रह के रचयिता जीवन परिचय तथा उनकी कृतियाँ एवं लक्षण परिभाषाओं को समझाना तथा उनके परिकृत्य और न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना अनिवार्य है।
मई	गुण लक्षण से (पृथवीनिरूपण लक्षण पर्यन्त)	शिक्षकों द्वारा लक्ष्य लक्षणों की पदकृत्य एवं न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना समझाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना।
जुलाई	(अव्याप्त्यतिव्याप्त्यसम्भव-लक्षण से तेजोनिरूपणम्, लक्षण पर्यन्त)	शिक्षकों द्वारा लक्ष्य लक्षणों की पदकृत्य एवं न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना समझाना अनिवार्य है।
अगस्त	वायु निरूपणम् लक्षण से कालनिरूपण लक्षण पर्यन्त	शिक्षकों द्वारा लक्ष्य लक्षणों की पदकृत्य एवं न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना समझाना अनिवार्य है।
सितम्बर	दिक् निरूपणम्, लक्षण से स्पर्शः लक्षण पर्यन्त	शिक्षकों द्वारा लक्ष्य लक्षणों की पदकृत्य एवं न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना समझाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	पाकविचारः लक्षण से पृथक्त्वम् लक्षण पर्यन्त	शिक्षकों द्वारा लक्ष्य लक्षणों की पदकृत्य एवं न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना समझाना अनिवार्य है।

नवम्बर	संयोग विभागों लक्षण से द्रवत्वम् लक्षण पर्यन्त	शिक्षकों द्वारा लक्ष्य लक्षणों की पदकृत्य एवं न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना समझाना अनिवार्य है।
दिसम्बर	संयोग विभागों लक्षण से द्रवत्वम् लक्षण पर्यन्त	शिक्षकों द्वारा लक्ष्य लक्षणों की पदकृत्य एवं न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना समझाना अनिवार्य है।
जनवरी	स्नेह लक्षण से बुद्धिनिरूपणम् लक्षण पर्यन्त	शिक्षकों द्वारा लक्ष्य लक्षणों की पदकृत्य एवं न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना समझाना अनिवार्य है।
फरवरी	स्नेह लक्षण से बुद्धिनिरूपणम् लक्षण पर्यन्त	शिक्षकों द्वारा लक्ष्य लक्षणों की पदकृत्य एवं न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना समझाना अनिवार्य है।

उत्तर मध्यमा(प्रथम) भूगोल

भाग	क्रमांक	इकाई/पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार		
क	1	भौतिक भूगोल के मूल सिद्धान्त	89	30		
	2	मानचित्र एवं आरेख		05		
ख	1	भारत: भौतिक पर्यावरण	78	30		
	2	मानचित्र एवं आरेख		05		
ग	1	प्रयोगात्मक कार्य एवं आरेख	20	10		
	2	मानचित्र के आधारभूत तत्व				
	3	स्थलाकृति एवं मौसम मानचित्र			30	10
	4	प्रयोगात्मक पुस्तिका				5
	5	मौखिकी				5
योग			217	100		

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल		एक विषय के रूप में भूगोल पृथ्वी
मई		भू-आकृतियां प्रयोगात्मक कार्य
जून		ग्रीष्मावकाश
जुलाई		जलवायु प्रयोगात्मक कार्य
अगस्त		जल (महासागर) पृथ्वी पर जीवन
सितम्बर		भारत: भौतिक पर्यावरण का परिचय प्रयोगात्मक कार्य
अक्टूबर		भू-आकृति विज्ञान प्रयोगात्मक कार्य

नवम्बर		जलवायु, वनस्पति एवं मृदा प्रयोगात्मक कार्य
दिसम्बर		प्राकृतिक आपदाएं एवं संकट प्रयोगात्मक कार्य
जनवरी		पुनरावृत्ति प्रयोगात्मक कार्य
फरवरी		पुनरावृत्ति मानचित्र कार्य का अभ्यास

उत्तर मध्यमा प्रथम

विषय: इतिहास

पाठ्यक्रम

पुस्तक		अंकभार
प्रारम्भिक समाज	इकाई-1	20
साम्राज्य	इकाई-2	25
बदलती परम्पराएँ	इकाई-3	25
आधुनिकीकरण की ओर	इकाई-4	20
मानचित्र कार्य	इकाई 1-4	10
	योग	100

माहवार नियोजन

माह	पुस्तक का नाम	विषय वस्तु	शिक्षण के वादन
अप्रैल	प्रारम्भिक समाज	समय की शुरुआत से	30
मई		लेखन कला और शहरी जीवन	25
जून		ग्रीष्मा अवकाश	
जुलाई	साम्राज्य	तीन महाद्वीपों में फैला हुआ साम्राज्य	20
अगस्त		इस्लाम का उदाय और विस्तार लगभग 570-1200 ई0	20
सितम्बर		यायावर साम्राज्य	30
अक्टूबर	बदलती परम्पराएँ	तीन वर्ष	18
नवम्बर		बदलती हुई सांस्कृतिक परम्पराएँ संस्कृतियों का टकराव	20
दिसम्बर	आधुनिकीकरण की ओर	औद्योगिक क्रान्ति मूल निवासियों का विस्थापन	25
जनवरी		आधुनिकीकरण के रास्त मानचित्र का अभ्यास	18
फरवरी		पुनरावृत्ति	
मार्च		वार्षिक परीक्षा	

उत्तर मध्यमा प्रथम

विषय: अर्थशास्त्र

पाठ्यक्रम

पुस्तक		अंकभार
खण्ड-क: सांख्यिकी : अर्थशास्त्र के सन्दर्भ में	इकाई-1	05
	इकाई-2	20
	इकाई-3	13
	इकाई-4	06
	इकाई-5	06
	योग	50
खण्ड-ख : भारत का आर्थिक विकास	इकाई-6	17
	इकाई-7	25
	इकाई-8	08
	योग	50
	योग	100

माहवार नियोजन

माह	पुस्तक का नाम	विषय वस्तु	शिक्षण के वादन
अप्रैल	खण्ड(क) खण्ड (ख)	परिचय स्वतन्त्रता की पूर्व संध्या पर भारतीय अर्थव्यवस्था	18
मई	खण्ड (ख)	भारतीय अर्थव्यवस्था	20
जून		ग्रीष्म अवकाश	
जुलाई	खण्ड(क) खण्ड (ख)	आंकड़ों का संग्रह उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण	20
अगस्त	खण्ड (क) खण्ड (ख)	आंकड़ों का संगठन निर्धनता	25
सितम्बर	खण्ड(क) खण्ड (ख)	आंकड़ों का प्रस्तुतीकरण भारत में मानव पूँजी का निर्माण	25
अक्टूबर	खण्ड (क) खण्ड (ख)	केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप ग्रामीण विकास	18
नवम्बर	खण्ड(क) खण्ड (ख)	परिक्षेपण (अपकिरण) के माप रोजगार-संवृद्धि, अनौपचारिकरण एवं अन्य मुद्दे	25
दिसम्बर	खण्ड (क) खण्ड (ख)	सह सम्बन्ध आधारिक संरचना	20
जनवरी	खण्ड(क) खण्ड (ख)	सूचकांक पर्यावरण और धारणीय विकास	25
फरवरी	खण्ड (ख)	भारत और उसके पड़ोसी देशों के तुलनात्मक विकास अनुभव	22
मार्च		वार्षिक परीक्षा	

उत्तर मध्यमा प्रथम

विषय: नागरिक शास्त्र

पुस्तक		अंकभार
खण्ड-क भारत का संविधान: सिद्धान्त और व्यवहार	इकाई-1	12
	इकाई-2	10
	इकाई-3	10
	इकाई-4	10
	इकाई- 5	08
	योग	50
खण्ड-ख राजनीतिक सिद्धान्त	इकाई-6	10
	इकाई-7	10
	इकाई-8	10
	इकाई-9	10
	इकाई-10	10
	योग	50
	योग	100

माहवार नियोजन

माह	भाग	विषय वस्तु	शिक्षण के वादन
अप्रैल	खण्ड-क	1 संविधान क्यों और कैसे और संविधान दर्शन 2 भारतीय संविधान में अधिकार	30
मई	खण्ड-ख	1 राजनीतिक सिद्धान्त : एक परिचय 2 स्वतन्त्रता	25
जून		ग्रीष्मावकाश	
जुलाई	खण्ड-क	(1) चुनाव और प्रतिनिधित्व (2) कार्यपालिका	20
अगस्त	खण्ड-ख	(1) समानता (2) सामाजिक न्याय	20
सितम्बर	खण्ड-क	(1) विधायिका (2) न्यायपालिका	30
अक्टूबर	खण्ड-ख	(1) अधिकार (2) नागरिकता	18
नवम्बर	खण्ड- क	(1) संघवाद (2) स्थानीय शासन	20
दिसम्बर	खण्ड- ख	(1) राष्ट्रवाद (2) धर्मनिरपेक्षता	25
जनवरी	खण्ड-क खण्ड-ख	संविधान: एक जीवंत दस्तावेज (1) शांति (2) विकास	18
फरवरी		पुनरावृत्ति	

मार्च		वार्षिक परीक्षा	
-------	--	-----------------	--

उत्तर मध्यमा (प्रथम)
विषय: रसायन विज्ञान
पाठ्यक्रम

इकाई	इकाई का नाम	अंकभार
1	रसायन विज्ञान की कुछ मूल अवधारणाएं	05
2	परमाणु की संरचना	06
3	तत्वों का वर्गीकरण एवं गुण धर्मों में आवर्तिता	05
4	रासायनिक आबंधन तथा आण्विक संरचना	05
5	द्रव्य की अवस्थाएं	05
6	उष्मा गतिकी	04
7	साम्यावस्था	06
8	रेडॉक्स अभिक्रिया	05
9	हाइड्रोजन	03
10	S-ब्लॉक के तत्व (क्षार तथा क्षारीय मृदा धातुएं)	05
11	P-ब्लॉक के तत्व	06
12	कार्बनिक रसायन कुछ मूलभूत सिद्धान्त तथा तकनीकें	07
13	हाइड्रोजन	08
	योग	70

- प्रायोगिक कार्य पाठ्यपुस्तक के अनुसार कराये जायेंगे।
- प्रायोगिक कार्य के लिए लगभग 60 वादन रखे जायेंगे।

प्रायोगिक कार्य

क्रमांक	योजना	अंक भार
1	विषयवस्तु आधारित प्रयोग	04
2	आयतनमितीय विश्लेषण	08
3	(क) लवण विश्लेषण (ख) कार्बनिक योजिकों में तत्व का विश्लेषण	06 02
4	कक्षा रिकार्ड तथा प्रोजेक्ट कार्य	05
5	मौखिक परीक्षा	05
	योग	30

पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन

माह	इकाई का नाम	शिक्षण हेतु वादन
अप्रैल	रसायन विज्ञान की कुछ मूल अवधारणाएं	22
मई	परमाणु की संरचना, प्रायोगिक कार्य	15
जून	ग्रीष्मा अवकाश	
जुलाई	तत्वों का वर्गीकरण एवं गुण धर्मों में आवर्तिता, प्रायोगिक कार्य	22
अगस्त	रासायनिक आबंधन तथा आण्विक संरचना, प्रायोगिक कार्य	22
सितम्बर	द्रव्य की अवस्थाएं, उष्मागतिकी प्रायोगिक कार्य	25
अक्टूबर	साम्यावस्था, रेडॉक्स अभिक्रिया प्रायोगिक कार्य	22
नवम्बर	हाइड्रोजन, S-ब्लॉक के तत्व (क्षार तथा क्षारीय मृदा धातुएं) प्रायोगिक कार्य	25
दिसम्बर	P-ब्लॉक के तत्व कार्बनिक रसायन के कुछ मूलभूत सिद्धान्त तथा तकनीकें प्रायोगिक कार्य	20
जनवरी	हाइड्रोकार्बन, पुनरावृत्ति एवं प्रायोगिक कार्य	25
फरवरी	प्रायोगिक परीक्षा, सैद्धान्तिक का अभ्यास	20
मार्च	वार्षिक परीक्षा	

- 1 प्रायोगिक कार्य में मूलभूत प्रयोगशाला तकनीकें (ग्लास नली का मोड़ना, छड़ का काटना, ग्लास नली से ग्लास जैट बनाना, कार्क में छेद करना)।
- 2 रासायनिक पदार्थों का शोधन एवं लक्षण (गलनांक एवं क्वथनांक बिन्दु ज्ञात करना)।
- 3 मात्रात्मक निर्धारण करना, विलयन तैयार करना आदि।
- 4 गुणात्मक विश्लेषण करना (लवण में धनायन एवं ऋणायन का निरीक्षण)।

उत्तर मध्यमा (प्रथम)
विषय: लेखाशास्त्र
पाठ्यक्रम

क्रमांक	इकाई का नाम	अंकभार
भाग-1		
1	(i) लेखांकन – एक परिचय (i i) लेखांकन के सैद्धान्तिक आधार	10
2	(i) लेन-देनों का अभिलेखन-। (i i) लेन-देनों का अभिलेखन-।।	10
3	(i) बैंक समाधान एवं विवरण (i i) तलपट एवं अशुद्धियों का शोधन	15
4	(i) ह्रास प्रबन्धन व संचय (i i) विनिमय विपत्र	20
भाग-2		
5	(i) वित्तीय विवरण-1 (i i) वित्तीय विवरण-2 (i i i) अपूर्व अभिलेखों के खाते	15
6	(i) लेखांकन में कम्प्यूटर का अनुप्रयोग (i i) कम्प्यूटरीकृत लेखांकन प्रणाली	15
7	(i) लेखांकन के लिए डेटाबेस की संरचना	15
	योग	100

पाठ्यक्रम माहवार विभाजन

माह	इकाई का नाम	शिक्षण के वादन
अप्रैल	लेखांकन एक परिचय	22
मई	लेखांकन के सैद्धान्तिक आधार	15
जून	ग्रीष्मा अवकाश	
जुलाई	लेन-देनों का अभिलेखन-। लेन-देनों का अभिलेखन-।।	22
अगस्त	बैंक समाधान विवरण तलपट अशुद्धियों का शोधन	22
सितम्बर	ह्रास प्रावधान एवं और संचय	25
अक्टूबर	विनिमय पत्र	22
नवम्बर	वित्तीय विवरण-। वित्तीय विवरण-।।	22
दिसम्बर	अपूर्व अभिलेखों से खाते	20
जनवरी	लेखांकन में कम्प्यूटर का अनुप्रयोग कम्प्यूटरीकृत लेखांकन प्रणाली	25
फरवरी	लेखांकन के लिए डेटाबेस की संरचना पुनरावृत्ति	25
मार्च	वार्षिक परीक्षा	

उत्तर मध्यमा (प्रथम)
विषय: जीव विज्ञान
पाठ्यक्रम

क्रमांक	इकाई	अंकभार
1	जीव जगत में विविधता	15
2	पादप एवं प्राणियों में संरचनात्मक संगठन	10
3	संरचना एवं कार्य	15
4	पादप कार्यकीय (शरीर क्रियात्मकता)	12
5	मानव शरीर विज्ञान	18
	प्रयोगात्मक कार्य	30
	योग	100

पाठ्यक्रम माहवार विभाजन

माह	इकाई का नाम	शिक्षण के वादन
अप्रैल	जीव जगत जीव जगत का वर्गीकरण वनस्पति जगत	22
मई	प्राणि जगत	15
जून	ग्रीष्मा अवकाश	
जुलाई	पुष्पी पादपों की आकारिकी पुष्पी पादपों का शरीर प्राणियों में संरचनात्मक संगठन	22
अगस्त	कोशिका : जीवन की इकाई जैव अणु कोशिका चक्र और कोशिका विभाजन	22
सितम्बर	पौधों में परिवहन खनिज पोषण उच्च पादपों में प्रकाश संश्लेषण	25
अक्टूबर	पादप में श्वसन पादप वृद्धि एवं परिवर्धन	22
नवम्बर	पाचन एवं अवशोषण श्वसन और गैसों का विनिमय	22
दिसम्बर	शरीर द्रव तथा परिसंचरण उत्सर्जी उत्पाद एवं उनका निष्कासन	20
जनवरी	गमन एवं संचलन तंत्रिकीय नियंत्रण एवं समन्वय रासायनिक समन्वय तथा एकीकरण	25
फरवरी	पुनरावृत्ति	25
मार्च	वार्षिक परीक्षा	

प्रत्येक माह 4 वादन प्रयोगात्मक कार्य कराया जायेगा।

उत्तर मध्यमा (प्रथम)
विषय: भौतिकी
पाठ्यक्रम

क्रमांक	इकाई	अंकभार
खण्ड-क		
1	भौतिक जगत तथा मापन	02
2	शुद्ध गतिकी	06
3	गति के नियम	07
4	कार्य ऊर्जा तथा शक्ति	07
5	दृढ़ पिण्ड तथा कणों के निकाय की गति	07
6	गुरुत्वाकर्षण	06
	योग	35
खण्ड-ख		
1	स्थूल द्रव्य के गुण	10
2	ऊष्मागतिकी	09
3	आदर्श गैस का व्यवहार तथा गैसों का अणुगीत सिद्धान्त	06
4	दोलन तथा तरंगे	10
	योग	35
	प्रयोगात्मक कार्य	30 अंक
	कुल योग	100 अंक

पाठ्यक्रम माहवार विभाजन

माह	इकाई का नाम	शिक्षण के वादन
अप्रैल	भौतिक जगत	22
मई	मात्रक और मापन सरल रेखा में गति	15
जून	ग्रीष्मा अवकाश	
जुलाई	समतल में गति गति के नियम	22
अगस्त	कार्य ऊर्जा और शक्ति कणों के निकाय तथा घूर्णी गति	22
सितम्बर	गुरुत्वाकर्षण अद्यतन पढ़ाए गये पाठों की पुनरावृत्ति	25
अक्टूबर	ठोसों के यांत्रिक गुण तरलों के यांत्रिकी गुण	22
नवम्बर	द्रव्य के तापीय गुण ऊष्मा गतिकी	22
दिसम्बर	अणुगति सिद्धान्त दोलन	20
जनवरी	तरंगे अद्यतन पढ़ाए गए पाठों की पुनरावृत्ति	25
फरवरी	प्रायोगिक कार्य का अभ्यास एवं पाठ्यवस्तु का पुनरावृत्ति	25
मार्च	वार्षिक परीक्षा	

टिप्पणी:- प्रत्येक माह कम से कम 4 प्रयोग अवश्य कराये जाएंगे।

उत्तर मध्यमा (प्रथम)

विषय: गणित

पाठ्यक्रम

क्रमांक	इकाई	अंकभार
1	समुच्चय तथा फलन	29
2	बीजगणित	37
3	निर्देशांक ज्यामिति	13
4	कलन	06
5	गणितीय विवेचन	03
6	सांख्यिकी तथा प्रायिकता	12
	योग	100

पाठ्यक्रम माहवार विभाजन

माह	इकाई का नाम	शिक्षण के वादन
अप्रैल	समुच्चय सम्बन्ध तथा फलन	22
मई	त्रिकोणमितीय फलन	15
जून	ग्रीष्मा अवकाश	
जुलाई	गणितीय आगमन का सिद्धान्त सम्मिश्र संख्याएँ तथा द्विघात समीकरण	22
अगस्त	रैखिक असमिकाएँ क्रमचय तथा संचय	22
सितम्बर	द्विपद प्रमेय अनुक्रम तथा श्रेणी	25
अक्टूबर	सरल रेखा शंकु परिच्छेद त्रिविमीय ज्यामिति का परिचय	22
नवम्बर	सीमा तथा अवकलज	22
दिसम्बर	गणितीय विवेचन	20
जनवरी	सांख्यिकी प्रायिकता	25
फरवरी	पुनरावृत्ति	25
मार्च	वार्षिक परीक्षा	

पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन

विषय— अनिवार्य संस्कृतम्.....

(खण्ड क)

उ०म०— II कक्षा—12

भाग	क्रमांक	इकाई / पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
1	1	क) शुकनासोपदेशः अथवा स्वप्नवासवदत्तम्		25
	2	ख) अर्थालंकाराः (लक्षणोदाहरणज्ञानम्) उपमा, रूपकम्, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्तिः, वक्रोक्तिः, भ्रान्तिमानः, सन्देहः, दृष्टान्तः		10
	3	ग) गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् व्युत्पत्तिप्रदर्शनम् (21 – 57 श्लोकपर्यन्तम्), गुप्ताशुद्धिवाक्यानि (101-130 पर्यन्तम्) घ)- रचनानुवादकौमुदी (46-60 अभ्यासाः) संस्कृतानुवादः, शब्दरूपाणि, धातुरूपाणि, निबन्धलेखनम्		05
				10
	1			
	2			
	3			
	4			
	5			
	6			
		योग		50

फरवरी	गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् से 131 से लेकर के 140 तक वाक्यशुद्धि रचनानुवादकौमुदी के 46 और 47 वाँ अभ्यास	शिक्षकों द्वारा महाकवि भास का परिचय तथा नाटक नायक नायिका सूत्रधार नान्दी इत्यादि के लक्षण का बोध कराना और प्रथम अंक कथासारांश और श्लोकों के अन्वय व्याख्या का पद पदार्थ बोध कराना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है। अनिवार्य है।
-------	---	---

पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन

विषय—.. अनिवार्य संस्कृतम्.....

(खण्ड ख)

उ0म0—।। कक्षा—12

भाग	क्रमांक	इकाई/पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
	1	ख) मध्यसिद्धान्तकौमुदी (तद्धितप्रकरणं स्त्रीप्रत्ययप्रकरणं च) अथवा लघुसिद्धान्तकौमुदी (विभक्त्यर्थप्रकरणतः स्त्रीप्रत्ययप्रकरणं यावत्) (व्याकरणेतरच्छात्राणां कृते अनिवार्यम्) अथवा व्याकरणच्छात्राणां कृते- न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमानखण्डः) अथवा वैशेषिकसूत्रम् (प्रथमोऽध्यायः)		50
	1			
	2			
	3			
	4			
	5			
	6			
			योग	50

माहवार नियोजन

विषय—.. अनिवार्य संस्कृतम्.....

(खण्ड ख)

उ0म0— ।। कक्षा—12

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	लघुसिद्धान्तकौमुदी से विभक्त्यर्थ प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
मई	लघुसिद्धान्तकौमुदी में समासप्रकरणम् से लेकर द्वन्द्व समासप्रकरणम् तक	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाए गए विषयों में से गृहकार्य देना।
जुलाई	लघुसिद्धान्तकौमुदी में समासान्त प्रकरणम् से लेकर चातुर्थिक प्रकरणम् तक	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
अगस्त	लघुसिद्धान्तकौमुदी में शैषिक प्रकरणम् से लेकर षष्ठाधिकार प्रकरणम् तक	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
सितम्बर	लघुसिद्धान्तकौमुदी में यदधिकार प्रकरणम् से लेकर भवनाद्यर्थक प्रकरणम् तक	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	लघुसिद्धान्तकौमुदी में मत्वर्थीय प्रकरणम् से लेकर प्राग्दिशीय प्रकरणम् तक	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
नवम्बर	लघुसिद्धान्तकौमुदी में मत्वर्थीय प्रकरणम् से लेकर प्राग्दिशीय प्रकरणम् तक	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
दिसम्बर	लघुसिद्धान्तकौमुदी में प्रागिवीय प्रकरणम् से लेकर स्वार्थिक प्रकरणम् तक	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
जनवरी	लघुसिद्धान्तकौमुदी में प्रागिवीय प्रकरणम् से लेकर स्वार्थिक प्रकरणम् तक	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
फरवरी	लघुसिद्धान्तकौमुदी में स्त्रीप्रत्यय प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन

विषय-.. नव्यव्याकरणम्

(खण्ड क)

उ0म0- ।। कक्षा-12

भाग	क्रमांक	इकाई/पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
		नव्यव्याकरणम् द्वितीयपत्रम्-		
1		सिद्धान्तकौमुदी (दिवादिगणादारभ्य नामधात्वन्तो भागः)		50
		योग		50

माहवार नियोजन

विषय—.. नव्यव्याकरणम्

(खण्ड क)

उ0म0—।। कक्षा—12

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	दिवादि प्रकरणम् स्वादि प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
मई	तुदादि प्रकरणम् रुदाधि प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाए गए विषयों में से गृहकार्य देना।
जुलाई	तनादि प्रकरणम् क्रयादि प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
अगस्त	चुरादि प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
सितम्बर	णिच्चकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
अक्टूबर	णिच्चकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
नवम्बर	सन्प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
दिसम्बर	यङ्प्रकरणम् यङ्लुक्प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
जनवरी	नामधातु प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
फरवरी	नामधातु प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन

विषय—.. नव्यव्याकरणम्

(खण्ड ख)

उ०म०—।। कक्षा—12

भाग	क्रमांक	इकाई/पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
		नव्यव्याकरणम् तृतीयपत्रम्		
1		सिद्धान्तकौमुदी (कण्वादिप्रकरणमारभ्य उणादिहीनकृदन्तान्तो भागः)		50
		योग		50

माहवार नियोजन

विषय-- नव्यव्याकरणम्

(खण्ड ख)

उ०म०-॥ कक्षा-12

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	कण्डवादि प्रकरणम् प्रत्ययमाला प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
मई	आत्मनेपद प्रकरणम् परस्मैपद प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाए गए विषयों में से गृहकार्य देना।
जुलाई	आत्मनेपद प्रकरणम् परस्मैपद प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
अगस्त	भावकर्मतिङ् प्रकरणम् कर्मकतृतिङ् प्रकरणम् लकारार्थ प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
सितम्बर	क्रदन्तेकृत्य प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
अक्टूबर	क्रदन्तेकृत्य प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
नवम्बर	पूर्वकृदन्त प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
दिसम्बर	पूर्वकृदन्त प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
जनवरी	उत्तरकृदन्त प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
फरवरी	उत्तरकृदन्त प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन

विषय— साहित्यम् (खण्ड क)

उ0म0— ।। कक्षा—12

भाग	क्रमांक	इकाई/पाठ्यअंश साहित्यम्	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
1		क) काव्यमीमांसा (1-5 अध्यायाः)	<u>55</u>	25
2		ख) वृत्तरत्नाकरः (1-3 अध्यायाः)	<u>55</u>	25
		योग	<u>110</u>	50

माहवार नियोजन

विषय-- साहित्यम्

(खण्ड क)

उ0म0- ।। कक्षा-12

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	काव्यमीमांसा प्रथम अध्याय	शिक्षकों द्वारा काव्यमीमांसा के रचयिता तथा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रूप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है।
मई	काव्यमीमांसा द्वितीय अध्याय	शिक्षकों द्वारा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रूप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाए गए विषयों में से गृहकार्य देना।
जुलाई	काव्यमीमांसा तृतीय अध्याय	शिक्षकों द्वारा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रूप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है।
अगस्त	काव्यमीमांसा चतुर्थ अध्याय	शिक्षकों द्वारा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रूप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है।
सितम्बर	काव्यमीमांसा पंचम अध्याय	शिक्षकों द्वारा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रूप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है।
अक्टूबर	वृत्तरत्नाकर प्रथम अध्याय	शिक्षकों द्वारा वृत्तरत्नाकर के रचयिता तथा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रूप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है।
नवम्बर	वृत्तरत्नाकर प्रथम अध्याय	शिक्षकों द्वारा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रूप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है।
दिसम्बर	वृत्तरत्नाकर द्वितीय अध्याय	शिक्षकों द्वारा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रूप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है।
जनवरी	वृत्तरत्नाकर द्वितीय अध्याय	शिक्षकों द्वारा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रूप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है।
फरवरी	वृत्तरत्नाकर तृतीय अध्याय	शिक्षकों द्वारा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रूप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन

विषय-.. साहित्यम् (खण्ड ख)

उ0म0-।। कक्षा-12

भाग	क्रमांक	इकाई/पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
		साहित्यम् तृतीयपत्रम्		
1		किरातार्जुनीयम् (3-4 सर्गों)		50
		सर्ग-03	<u>65</u>	
		सर्ग-04	<u>45</u>	
		योग	<u>110</u>	50

माहवार नियोजन

विषय—.. साहित्यम्

(खण्ड ख)

उ०म०—।। कक्षा—12

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	किरातार्जुनीयम् तृतीय सर्ग	शिक्षकों द्वारा किरातार्जुनीयम् के रचयिता तथा जीवन परिचय एवं काव्य समीक्षा परिचय तथा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।
मई	किरातार्जुनीयम् तृतीय सर्ग	शिक्षकों द्वारा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाए गए विषयों में से गृहकार्य देना।
जुलाई	किरातार्जुनीयम् तृतीय सर्ग	शिक्षकों द्वारा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।
अगस्त	किरातार्जुनीयम् तृतीय सर्ग	शिक्षकों द्वारा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।
सितम्बर	किरातार्जुनीयम् तृतीय सर्ग	शिक्षकों द्वारा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	किरातार्जुनीयम् चतुर्थ सर्ग	शिक्षकों द्वारा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।
नवम्बर	किरातार्जुनीयम् चतुर्थ सर्ग	शिक्षकों द्वारा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।
दिसम्बर	किरातार्जुनीयम् चतुर्थ सर्ग	शिक्षकों द्वारा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।
जनवरी	किरातार्जुनीयम् चतुर्थ सर्ग	शिक्षकों द्वारा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।
फरवरी	किरातार्जुनीयम् चतुर्थ सर्ग	शिक्षकों द्वारा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम आधारित नमूना प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र संकेतांक - 501

विषय कोड - 157

2024 ई. वर्षे

पूर्वमध्यमा द्वितीयवर्षे परीक्षायाम्
अनिवार्यसंस्कृतम् विषये प्रश्नाः

समयः - 3 घण्टे 15 मिनट

पूर्णाङ्कः - 30

निर्देशः- प्रारम्भे पञ्चदशकलाः (15 मिनट) परीक्षार्थिनां कृते प्रश्नपत्रपठनार्थं निर्धारिताः सन्ति।
यथानिर्देशं सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः। प्रश्नानां पुरोऽङ्काः अङ्किताः सन्ति।

(157 : खण्ड-क)

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः

1×9=9

समुचितं विकल्पं चिनुत।

1. शिवराजविजयस्य नायकः कः?
(क) गौरवटुः (ख) श्यामवटुः (ग) योगिराट् (घ) शिववीरः
2. अम्बिकादत्तव्यासस्य पितुर्नाम किम्?
(क) दुर्गादत्तः (ख) विष्णुदत्तः (ग) सोमदत्तः (घ) यज्ञदत्तः
3. सोमनाथतीर्थः कस्मिन् प्रदेशे वर्तते?
(क) महाराष्ट्रे (ख) गुर्जरप्रदेशे (ग) मध्यप्रदेशे (घ) उत्तरप्रदेशे
4. उद्भूय- इत्यत्र का प्रकृतिः कश्च प्रत्ययः?
(क) उत्+धूञ्+ल्यप् (ख) उद्+धूञ्+यत्
(ग) उद्+धूञ्+क्यप् (घ) उत्+धूञ्+व्यत्
5. महामदः कस्य देशस्य निवासी आसीत्?
(क) तुर्कदेशस्य (ख) अरबदेशस्य (ग) गजनीदेशस्य (घ) भारतदेशस्य
6. शुद्धं वाक्यं किम्?
(क) जनकः पुत्रे विश्वसिति। (ख) जनकः पुत्रं स्निह्यति।
(ग) जनकः पुत्रे विश्वसिति। (घ) जनकः पुत्राय स्निह्यति।
7. 'दिगीशः' इत्यस्य विच्छेदः कः?
(क) दिग्+ईशः (ख) दिक्+ईशः (ग) दिगी+ईशः (घ) दिगि+ईशः

क्रमशः

8. 10 हजार-

(क) अचुतम् (ख) नियुतम् (ग) मोदिः (घ) अर्तुम्

9. शुद्धः प्रयोगः कः?

(क) चलारः कन्याः (ख) चलारि कन्याः (ग) चलुर् कन्याः (घ) चलसः कन्याः

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः 2x3=6

10. रामः कस्मिन् वशे जनिं लेभे तथा घ रामः कस्माद् दिव्यास्त्रं प्राप्तवान्?

11. शिवराजविजयस्य संक्षिप्तं परिचयं लिखत।

12. सह-पातोः लोट्-लकारस्य रूपाणि लिखत।

लघूत्तरीयाः प्रश्नाः 4x3=12

13. तेन तत्रैव वसता जनस्थाननिवासिनी।

विस्मिता शूर्पणखा राक्षसी कामरूपिणी।। व्याख्या कर्तव्या।

14. आत्मवान् को जितक्रोयो युधिष्ठान् कोऽनसूयकः।

कस्य विभ्यति देवाश्च जातरीपस्य संयुगे।। व्याख्या कर्तव्या।

15. निर्देशानुसारं प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत-

(क) माता पुत्र से स्नेह करती है। (संस्कृतानुवादं कुरुत।)

(ख) वह पिता का अनुकरण करता है। (संस्कृतानुवादं कुरुत।)

(ग) पितृ-शब्दस्य पञ्चमी विभक्तिं लिखत।

(घ) सः गुरुं सेविष्यते, दुःखं सहिष्यते। (हिन्धनुवादं कुरुत।)

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः 8

16. निम्न गद्यखण्डस्य सप्रसङ्गं संस्कृतभाषायां व्याख्यां कुरुत-

अतं भो अतम्! मयैव पूर्वमचिन्तानि कुसुमानि, त्वं तु विरं राजाववागरीरिति शिष्यं
नोत्पापितः, गुरुचरणा अत्र तद्गतदे सन्ध्यामुपासते, संस्थापिता मया शिक्षिता सप्तमी तेषां
समीपे। यां च सपावर्षकल्पाय, यावन्नजसेन निःशब्दं रुदतीम्, परमसुन्दरीम्, कलित-मानव-
देहमिव सरस्वतीं सान्त्वयन् मरुन्मधुरा अपः पापयन्, कन्दखाण्डानि भोजयन्, त्वं त्रियामाया
यामत्रयमनैपी; सेयमधुना स्वधिति, उद्बुध्य च पुनस्तथैव रोदिष्यति, तत्
परिमार्गणीयान्येतस्याः पितरौ गृहं च -

अथवा

तदाकर्मा दुःखितप्रकीर्तय यो गिरानुवाच- "कथमेतत्? वा एव पर्वतीयाम्भकान् विनिर्जित्स्व
महता जयधोपेण स्वराजधानीयायातः श्रीकान्तिदिव-पदताम्रानो वीरविक्रमः। अद्यापि
तद्विजयपताकं मम चक्रुषोरघत इव रामदूयन्ते, अधुनापि तेषां पट्टगोमुख्यादीनां निन्दाः
कर्मशत्रुत्वीं पूर्यतीव, तत् कथमयं वर्णायां सत्पदभजातकानि व्यतीतानि" इति?

(158 : खण्ड-ख)

खण्ड 'अ' - व्याकरच्छात्राणां कृते तर्कसंग्रहे प्रश्नाः

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः 1x5=5

अधोलिखितानां प्रश्नानां सपेथां समीचीनं विकल्पं चिनुत।

1. उपनिमित्करणं केन परेन बोध्यते?

(क) अनुमानम् (ख) उपमानम् (ग) प्रमेयः (घ) अप्रमेयः

2. कस्यस्य कति अवयवाः सन्ति?

(क) पञ्च (ख) नव (ग) षट् (घ) सप्त

3. शिप्रकृष्टसंयोग-हेतुः भवति-

(क) उद्वेसन (ख) आकुञ्चनम् (ग) प्रसारणम् (घ) मननम्

4. प्रतिज्ञायाः उदाहरणमस्ति-

(क) व्यक्तिः (ख) अनुमानम् (ग) लिंगम् (घ) किमपि न

5. संज्ञा-संज्ञी संबंध-ज्ञानं किं भवति?

(क) प्रत्यक्षम् (ख) प्रमितिः (ग) उपमितिः (घ) अनुमितिः

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः 2x5=10

6. अभावः कतिविधः?

7. सामान्यलक्षणं किम्?

8. शिखरिणी-छन्दसि कुत्र यतिः भवति?

9. हरिणी-छन्दसि प्रतिपादं कति वर्णाः भवन्ति? छन्दसः लक्षणमपि लिखत।

10. मन्दाक्रान्ता-छन्दसः उदाहरणपूर्वकं लक्षणं लिखत।

लघूत्तरीयाः प्रश्नाः 4x3=12

11. हेत्वाभासानां वर्णनं कुरुत।

12. अन्वयव्यतिरेकिणो लक्षणं लेखनीयम्।

ॐ

13. 'तोटकम्' इत्यस्य छन्दसः उदाहरणं लिखत।

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः

14. अनुमानं विशदयत।

अथवा

विशेषं विशदयत।

अथवा

सांख्यदर्शने प्रश्नाः

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः

1X5=5

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. सिद्धिः कतिपय भवति?

(क) नवधा (ख) दशधा (ग) अष्टधा (घ) पञ्चधा

2. सांख्यदर्शनस्य तृतीयाध्याये कति सूत्राणि सन्ति?

(क) 80 (ख) 89 (ग) 60 (घ) 84

3. रागोपहतः किं भवति?

(क) सिद्धिः (ख) ध्यानम् (ग) ज्ञानम् (घ) मुक्तिः

4. तिर्यकमुष्टिः कीदृशी भवति?

(क) रजोविशाला (ख) तमोविशाला (ग) सत्वविशाला (घ) सर्वप्रकारका

5. सांख्यदर्शने कति पदायाः मन्वन्ते?

(क) 24 (ख) 21 (ग) 18 (घ) 25

अतिलपूत्तरीयाः प्रश्नाः

2X5=10

6. आसनं किं भवति? सूत्रं लिखत।

7. समानं जरामरणानि दुःखम्, इत्यस्य भाष्यं लिखत।

8. शिखरिणी-छन्दसि कुत्र यतिर्भवति?

9. हरिणी-छन्दसि प्रतिपादं कति वर्णाः भवन्ति? छन्दसः लक्षणमपि लिखत।

10. मन्दाक्रान्ता-छन्दसः उदाहरणपूर्वकं लक्षणं लिखत।

सपूत्तरीयाः प्रश्नाः

4X3=12

11. 'भूर्भुवः' इति न संयातयोगात् तरणिवत् सूत्रं सप्रसंगं व्याख्यायत।

12. 'वैराग्यं ज्ञानसाध्यं' इत्यस्य सप्रसंगं व्याख्यां विधेया।

13. 'तोटकम्' इत्यस्य छन्दसः उदाहरणं लिखत।

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः

8

14. 'निवृत्तकारणत्वान्न समुच्चयविकल्पौ' सूत्रं व्याख्यायत।

अथवा

आध्यात्मिकदिभेदानवया तुष्टिः।

खण्ड 'ब' - व्याकरणैतरछात्राणां कृते मध्यमिन्द्रान्तकौमुद्यां प्रश्नाः

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः

1X5=5

समुचितं विकल्पं चिनुत।

1. आत्मनेपदसंज्ञाविधायकं सूत्रं किम्?

(क) अनुदात्तञित् आत्मनेपदम् (ख) तद्धन्तावात्मनेपदम्
(ग) भावकर्मणोः (घ) आत्मनेपदेवन्तरस्याम्

2. 'दिवः कर्म च' इत्यनेन का संज्ञा भवति?

(क) कर्तुसंज्ञा (ख) संप्रदान संज्ञा (ग) करणसंज्ञा (घ) अपादान संज्ञा

3. निर्धारणे का विभक्तिः?

(क) पञ्चमी (ख) तृतीया (ग) चतुर्थी (घ) षष्ठी

4. परार्थाभिधानं

(क) समासः (ख) उपधा (ग) वृत्तिः (घ) टि

5. टच्-विधायकं सूत्रं नास्ति-

(क) झयः (ख) अनश्च (ग) नस्तद्धिते (घ) नपुंसकान्यतरस्याम्

अतिलपूत्तरीयाः प्रश्नाः

2X5=10

6. गुप-यातोः जापादयः प्रत्ययाः कुत्र भवन्ति? सूत्रपूर्वकं लिखत।

7. अपादानसंज्ञायाः किमपि सूत्रद्वयं उदाहरणपुरस्सरं लिखत।

क्रमः

8. शिखरिणी-छन्दसि कुत्र यतिर्भवति?
 9. हरिणी-छन्दसि प्रतिपादं कति वर्णाः भवन्ति?
 10. मन्दाक्रान्ता-छन्दसः उदाहरणपूर्वकं लक्षणं लिखत।

संपूर्तरीयाः प्रश्नाः

4×3=12

11. भवेयम्, गोपायति, ग्लाना - इत्येतेषु प्रयोगेषु द्वौ साधनीयौ।
 12. कृष्णभित्तः, पुरुषव्याघ्रः, उपकृष्णम् - इत्येतेषु द्वौ साधनीयौ।
 13. 'तोटकम्' - इत्यस्य छन्दसः उदाहरणं लिखत।

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः

8

14. अणद् कृतो द्वन्द्वे, ङो वे लोपः सूत्रद्वयं व्याख्याहि।
 अथवा
 अक्षयितं च, कङ्कराः कर्मधारये सूत्रद्वयं व्याख्याहि।

अथवा

लघुसिद्धान्तफौमुर्धा प्रश्नाः

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः

1×5=5

समेषां प्रश्नानां समुक्तिं विकल्पं विनूत।

1. 'आतिपुः' इत्यत्र श्लेर्गुम् - आदेशः केन सूत्रेण?
 (क) श्लेर्गुम् (ख) जुमि (ग) सिजभ्यस्तविदिभ्यश्च (घ) जसि च
 2. कुहोश्चु इत्यनेन सूत्रेण भवति-
 (क) कवगदिशः (ख) ववगदिशः (ग) हक्करादेशः (घ) टवगदिशः
 3. एषैत इत्यत्र सीमुटः - सकारलोपः केन सूत्रेण?
 (क) लिङः सलोपोऽनन्त्यस्य (ख) स्कोः संयोगाद्योरन्ते च
 (ग) लिङः सीमुट् (घ) तासस्त्योर्लोपः
 4. जुहोत्यादिभ्यः घातुभ्यः कः विकरणप्रत्ययः?
 (क) श्यन् (ख) श्य् (ग) श्नुः (घ) श्नम्
 5. अति इत्यत्र कः घातुः?
 (क) अट गतौ (ख) अत सातात्यगमने (ग) अट भ्रक्षणौ (घ) न कोऽपि

अतिपूतरीयाः प्रश्नाः

2×5=10

6. सत्यवपाश सूत्रं पूरयत।
 7. भू-घातोः लिट् लकारे रूपाणि लिखत।
 8. शिखरिणी-छन्दसि कुत्र यतिः भवति?
 9. हरिणी-छन्दसि प्रतिपादं कति वर्णाः भवन्ति? छन्दसः लक्षणमपि लिखत।
 10. मन्दाक्रान्ताछन्दसः सोदाहरणं लक्षणं लिखत।

संपूर्तरीयाः प्रश्नाः

4×3=12

11. अभूयम्, जम्भुः, जुहति - इत्येतेषु रूपद्वयं साधयत।
 12. शिपिर्ति, अकपीत, पायते - इत्येतेषु रूपद्वयं साधयत।
 13. 'तोटकम्' इत्यस्य छन्दसः उदाहरणं लिखत।

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः

8

14. 'अवस्तास्वत्थल्पानिदो नित्यम्', कृन्वानुप्रमुन्यते लिटि सूत्रद्वयं सोदाहरणं व्याख्यायत।
 अथवा
 लिट्थम्यासस्योभयेषाम्, ध्वसोरेत्वावम्यासलोपश्च सूत्रद्वयं व्याख्यायत।

- 0 -

प्रश्नपत्र संकेतांक - 601

विषय कोड - 193

2024 ई. वर्षे

उत्तरमध्यमा प्रथमवर्षे परीक्षायाम्
अनिवार्यसंस्कृतम् विषये प्रश्नाः

समयः - 3 घण्टे 15 मिनट

पूर्णाङ्कः - 100

निर्देशः- प्रारम्भे पञ्चदशकलाः (15 मिनट) परीक्षार्थिनां कृते प्रश्नपत्रपठनार्थं निर्धारिताः सन्ति ।
यथानिर्देशं सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः । प्रश्नानां पुरोऽङ्काः अङ्किताः सन्ति ।
खण्ड-क सर्वेषां छात्राणां कृते (रचनानुवादकौमुदी)
खण्ड-ख व्याकरणेतरछात्राणां कृते (मध्यसिद्धान्तकौमुदी अथवा लघुसिद्धान्तकौमुदी)
खण्ड-ग व्याकरणच्छात्राणां कृते (न्यायसिद्धान्तमुक्तावली अथवा न्यायदर्शनम्)

(193 : खण्ड-क)

बहुविकल्पीयात्मकाः प्रश्नाः

1×5=5

- किरातार्जुनीयम् इत्यत्र कः प्रत्ययः?
(क) छः (ख) ङक् (ग) यत् (घ) यः
- किरातार्जुनीयमहाकाव्ये प्रधानो रसः कः?
(क) शृंगारः (ख) वीरः (ग) शान्तः (घ) करुणः
- वृकोदरः कः?
(क) अर्जुनः (ख) युधिष्ठिरः (ग) भीमः (घ) नकुलः
- 'गृहीष्यामि' इत्यस्य शुद्धं रूपं किम्?
(क) गृहिष्यामि (ख) ग्रहष्यामि (ग) गृहीष्यामि (घ) ग्रहीष्यामि
- अनुप्रास-अलंकारस्य भेदाः सन्ति-
(क) सप्त (ख) अष्टौ (ग) नव (घ) पञ्च

अतिलघूत्तरीयात्मकाः प्रश्नाः

1×5=5

- 'प्रवक्तुमिच्छन्ति न मृषा हितैषिणः' उक्तिरियं कुतः?
- किरातार्जुनीयस्य प्रथमसर्गस्य सारः संक्षेपेण लेख्यः ।
- 'अम्बिकादत्तः व्यासस्य' पितुः नाम ।
- 'यत्त्वं ब्राह्मणः सुरां सेवसे, यच्च शुद्धीमुखं चुम्बसि, अन्याय्यं तत्' इत्यस्मिन् अशुद्धपदानां रूपं लिखत ।
- कादम्बरीग्रन्थस्य कः लेखकः?

क्रमशः

9. वाच-शब्दस्य स्थाणि लिखत।
10. कृ+कारणम्, स्वा+कथा, गा+याच्- धातु प्रत्यय च योजयित्वा स्थाणि लिखत।

खण्ड-'ख' (संस्कारनेतरछात्राणां कृते)

संस्कृतनिष्ठात्मकाः प्रश्नाः

अपौरुषिकानां प्रश्नानां संयुक्तं विकल्पं विनोत।

2X5=10

11. 'अस्मा कथाः' इत्यत्र केन सूत्रेण तृतीया?
(क) इत्यम्भूतस्य (ख) हेतौ (ग) वेनाङ्गिकारः (घ) कर्तृकरणयोरतृतीया
12. 'दृग्मास्य कृतिः' इत्यत्र कर्मिण्यु पारके षष्ठी?
(क) कर्तारि (ख) कर्मिणि (ग) सन्ध्ये (घ) करणे
13. 'अधश्रीण्डः' इत्यस्य अतौकिक-विग्रहः कः?
(क) अध+इस्+श्रीण्ड सु (ख) अध+सुप्+श्रीण्ड+सु
(ग) अध+अप्+श्रीण्ड+सु (घ) श्रीण्ड+सुप्+अध+सु
14. 'उपसर्जन-संज्ञा' विधायकं सूत्रं अस्ति-
(क) उपसर्जनं पूर्वम् (ख) उपसर्जनस्य
(ग) गौर्ध्वोरुपसर्जनस्य (घ) प्रथमानिर्दिष्टं समास उपसर्जनम्
15. विशेषसंज्ञाविनिर्मुक्तः समासः कः?
(क) तत्पुरुषः (ख) कर्मधारयः (ग) केवलः (घ) द्वन्द्वः

सधूर्तरीयात्मकाः प्रश्नाः

5X4=20

16. लक्षणेत्सुभूताख्यानभागवीर्यासु प्रतिपत्नवः- व्याख्या विधेया।
17. हतदन्तान् सप्तम्याः संज्ञायाम्- इत्यस्य व्याख्या कर्या।
18. विप्रगुः, देवपूजकः- इत्येतौ प्रयोगौ साधनीयौ।
19. बहुलाखण्डः, मातापितरौ- इत्येतौ प्रयोगौ साधनीयौ।
20. तृतीया तत्पुरुषेण गुणवचनेन, चार्थे द्वन्द्वः- व्याख्या कार्या।
अथवा

उभयसर्वतसोः कार्या विप्रुपर्यादिषु त्रिषु।
द्वितीयश्रेष्ठितान्तेषु ततोऽप्यत्रापि दृश्यते।। इत्यस्य व्याख्या विधेया।

अथवा

सधूर्तरीयात्मकाः प्रश्नाः
परस्परनिष्ठात्मकाः प्रश्नाः

अपौरुषिकानां प्रश्नानां संयुक्तं विकल्पं विनोत।

2X5=10

11. क्रियायां स्वातन्त्र्येण विक्रियतेऽर्थः भवति-
(क) कर्ता (ख) कर्म (ग) कारणम् (घ) सम्प्रदानम्
12. सन्-प्रत्ययः कर्मिण्यर्थे भवति?
(क) साम्यकारेऽर्थे (ख) अप्यकारेऽर्थे
(ग) इयकारेऽर्थे (घ) आकारेऽर्थे
13. 'अधु+भव+अ+त्' इत्यत्र 'ओ+पुण्यकारे' इत्यनेन कः आदेशः?
(क) आदेशः (ख) इयदेशः (ग) उदादेशः (घ) कृतदेशः
14. 'सन्धोः' इत्यनेन किं भवति?
(क) सन्धुत्वः (ख) धातुसंज्ञा
(ग) अन्ध्यासंज्ञा (घ) द्वित्वम्
15. 'वशंवदः' इत्यत्र वद्-धातोः कः प्रत्ययः?
(क) छच् (ख) छश् (ग) छ (घ) क

सधूर्तरीयात्मकाः प्रश्नाः

5X4=20

16. धातोः कर्मणः सामानकर्तृकविध्यायां च। इत्यस्य व्याख्या कार्या।
17. नन्दिश्रुतिपचादिभ्यो लुगिभ्यवः। इत्यस्य व्याख्या विधेया।
18. स्थापयति, वाद्वन्थते- इत्येतौ प्रयोगौ साधनीयौ।
19. देयम्, कुरुवरः- इत्येतौ प्रयोगौ साधनीयौ।

दीर्घोत्तरीयात्मकः प्रश्नः

20. सुपो धातुप्रतिपरिक्रमोः, वासरूपोऽस्त्रियाम्- अनयोः व्याख्या विधेया।

अथवा

अनुनासिकस्य कियञ्जलोः विडति, आत्ममाने खयच- अनयोः व्याख्या विधेया।

खण्ड 'ग' (आकरगच्छाणां कृते)
न्यायसिद्धान्तमुक्तावल्यां प्रश्नाः
वस्तुनिष्ठात्मकाः प्रश्नाः

अधोलिखितानां प्रश्नानां समीचीनं विकल्पं चिनुत। 2X5=10

11. सामान्यं कतिविधम्?
(क) द्विविधम् (ख) त्रिविधम् (ग) चतुर्विधम् (घ) पञ्चविधम्
12. अल्पदेशवृत्तित्वम् किम्?
(क) परसामान्यम् (ख) अपरसामान्यम्
(ग) अधिकसामान्यम् (घ) न्यूनसामान्यम्
13. संसर्गाभावः कतिविधः?
(क) द्विविधः (ख) त्रिविधः (ग) चतुर्विधः (घ) पञ्चविधः
14. अदृष्टनाम्ना किं गृह्यते?
(क) सुषुप्त्युद्ये (ख) शीतोष्णे (ग) वर्षावर्षौ (घ) जघनयो
15. नित्यत्वे सति अनेक समवेतत्वम्?
(क) संयोगः (ख) सामान्यम् (ग) अभावः (घ) समवेतः

तत्पूतरीयात्मकाः प्रश्नाः 5X4=20

16. व्यापकत्वात्पराऽपि म्याद् व्याप्यत्वात्पराऽपि च।
अन्त्यो नित्यद्रव्यवृत्तिविशेषः परिकीर्तितः ॥ इति व्याख्यायताम्।
17. समवायिकारणत्वं श्रेयमयाप्यसमवायिहेतुत्वम्।
एवं न्यायनयत्रेस्तुतीपमुक्तां निमित्तेतुत्वम् ॥ इति व्याख्यायताम्।
18. क्षितिर्जलं तथा तेजः पवनो मन एव च।
परापरत्वमूर्तत्वक्रियावेगाश्रया अमी ॥ इति व्याख्यायताम्।
19. वर्षः शुक्रतो रसस्पशौ जले मपुत्रशीतलौ।
स्नेहस्तत्र द्रवत्वं तु सांसिद्धिकमुदाहरणम् ॥ इति व्याख्यायताम्।

दीर्घोत्तरीयात्मकः प्रश्नः 10

20. अद्वैतवादस्य स्वरूपं खण्डनञ्च।

अथवा

द्रव्यात्मशक्तुर्बुं स्यात् अथाकराजरीरिणाम्।
अव्याप्तकृतिः क्षणिको विशेषगुण इष्यते ॥ व्याख्यायताम्।

अथवा

न्यायदर्शने प्रश्नाः
वस्तुनिष्ठात्मकाः प्रश्नाः

अधोलिखितानां प्रश्नानां समीचीनं विकल्पं चिनुत।

2X5=10

11. सद्विषयकं प्रमाणं किम्?
(क) प्रत्यक्षम् (ख) अनुमानम् (ग) उपमानम् (घ) शब्दः
12. 'अथ तत्पूर्वकं विविधमनुमानं पूर्ववच्छेषवत्सामान्यतौदृष्टञ्च' इत्यस्मिन् कृते 'तत्' इति
पदेन किं गृह्यते?
(क) शब्दः (ख) अनुमानम् (ग) उपमानम् (घ) प्रत्यक्षम्
13. प्रतिज्ञा इतीदं सूत्रं पुरयत-
(क) वेद्येन्द्रियः (ख) युग्मज्ञानानुपपत्तिः (ग) साध्यनिर्देशः (घ) प्रवृत्तिरोपपत्तिरुप-
पत्तिः
14. मूत्वा या पुनरुत्पत्तिः (पुनर्जन्यं) स भवति।
(क) अपवर्गः (ख) दोषः (ग) प्रवृत्तिः (घ) प्रेत्यभावः
15. न्यायदर्शने कति अवकाशः सन्ति?
(क) दश (ख) पञ्च (ग) षड् (घ) सप्त

लघूत्तरीयात्मकाः प्रश्नाः 5X4=20

16. प्रसिद्धसाधर्म्यात् साध्यसाधनमुपमानम्।
 17. युगपज्ज्ञानानुत्पत्तिर्मनसो लिङ्गम्।
 18. बाधनालक्षणं दुःखम्।
 19. उदाहरणसाधर्म्यात् साध्यसाधनं हेतुः।
- दीर्घोत्तरीयात्मकः प्रश्नः 1
20. इन्द्रियार्थसन्निकर्षोत्पन्नं ज्ञानमव्यपदेश्यमव्यभिचारि व्यवसायात्मकं प्रत्यक्षम्।
(वास्तव्यायनभाव्यगनुसुषु सप्रसङ्गं व्याख्या विधेया।)
- अथवा
न्यायदर्शनानुसारं षोडशपर्यायानां विवेचनं कुरुत।

- 0 -

प्रश्नपत्र संकेतांक - 608

विषय कोड - 207

2024 ई. वर्षे
उत्तरमध्यमा प्रथमवर्षे परीक्षायाम्
नव्य व्याकरणम् विषये प्रश्नाः

समयः - 3 घण्टे 15 मिनट

पूर्णाङ्कः - 100

निर्देशः- प्रारम्भे पञ्चदशकलाः (15 मिनट) परीक्षार्थिनां कृते प्रश्नपत्रपठनार्थं निर्धारिताः सन्ति।
यथानिर्देशं सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः। प्रश्नानां पुरोऽङ्काः अङ्किताः सन्ति।

(207 : खण्ड-क)

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः

1×5=5

1. सिद्धान्तकौमुद्यां कति प्रकरणानि सन्ति?
(अ) त्रयोदश (ब) चतुर्दश (स) पञ्चदश (द) षोडश
2. महाभाष्यं केन रचिता?
(अ) पाणिनिना (ब) पतंजलिना (स) भट्टोजिदीक्षितेन (द) वरदराजाचार्येण
3. समास प्रकरणस्य कानि उपकरणानि सन्ति?
(अ) नव (ब) दश (स) पञ्चदश (द) षोडश
4. दाक्षिः इत्यत्र कः प्रत्ययः?
(अ) अण् (ब) ण्यः (स) मयट् (द) इञ्
5. आश्वपतम् इत्यत्र कः प्रत्ययः?
(अ) मयट् (ब) इणि (स) डीप् (द) अण्

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः

1×5=5

6. व्याकरणसूत्राष्टाध्यायी केन प्रणीताः?
7. शेषे इति सूत्रं लक्षणं अधिकारसूत्रं वा?
8. कान्तिकः इति केन सूत्रेण कः भवति?
9. कण्वादिश्यो गोत्रे इति सूत्रस्य का व्युत्पत्तिः?
10. द्वाशदीनां के?

क्रमशः

- सप्ततरीयाः प्रश्नाः 4×5=20
11. श्रीमद्भट्टोजिदीक्षितः सिद्धान्तशौमुकां यं ज्ञात्वां चकार?
 12. अयः पुनः के वर्तन्ते?
 13. देवपथः इत्यं विग्रहं लिखित्वा सूत्रमपि लिखत।
 14. नित्यवीर्ययोः इत्यस्य अर्थं लिखत।

- दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः 10×2=20
15. शौचम्, प्रावृष्टिकम्, मूलकम्, स्वीधनम्, मासिकम्, वानपेयिकम्, देवाकरणम्, एषु पन्धेव समाधेयाः।
अथवा
तेर्यः, पैतृकम्, मनसमम्, वासुदेवकः, कटाः, फलिनोत्तमम्, शक्तिम्, एषु केचन पन्धेव समाधेयाः।
 16. गोत्रे किं सौतङ्गमीयम् इति व्याख्यायताम्।
अथवा
श्रविष्ठा फल्गुन्यनुराधा इति सूत्रं पूरयित्वा व्याख्यायताम्।

(208 : अष्ट-ख)

- बहुविकल्पीयात्मकाः प्रश्नाः 1×5=5
1. धातवः कतिविधाः (घोडा, चतुर्धा, पन्ध्या)
 2. विष्णुधातोः रूपमस्ति लिट्कारस्य (वेधेष्टि, वेधेष्टे)
 3. सूधातोः अर्धमास्ति- गल्पर्यक, पृथक्भावे, व्यान्तर्यक
 4. दुः शब्दशाने वा धारणं पोषणयोः।
 5. अस्मिन् इति लट्कारस्य रूपं वा लिट्कारस्य रूपम्।

- अतिलघुत्तरीयात्मकाः प्रश्नाः 1×5=5
6. भट्टोजिदीक्षितस्य धितुः नाम किमासीत्?
 7. सिद्धान्तशौमुदी कीदृशः ग्रन्थः वर्तते?
 8. का जाय परिभाषा?
 9. स्वादयः प्रत्ययाः के?
 10. बभूव इति का धातुः अस्ति?

- सप्ततरीयात्मकाः प्रश्नाः 5×4=20
11. जुहोत्यदिभ्यः षतुः इति किं चर्चति?
 12. विगीतः इति कुत्र लिख्यति?
 13. जुहोत्यदिप्रकरणस्य कोऽर्थः?
 14. कृन्वानुप्रयुज्यते लिटि इति सूत्रस्य किमर्थः?
- दीर्घोत्तरीयात्मकाः प्रश्नाः 10×2=20
15. अजलि, बभूवुः, सविस्तारः, भवताम्, अविधीत, अचरितम्, अर्वाकम् एषु पन्धेव समाधेयाः।
अथवा
पात्राद्या इति सम्पूर्णसूत्रं लिख्य व्याख्यायताम्।
 16. अक्षरानुसूधावृत्तामर्थं लिख्य आत औपलः, इति सूत्रस्यार्थो लेख्यः।
अथवा
'जनसन्धनास्यद्वारो' इति अर्थं लिख्य उदाहरणमपि देयः।

- 0 -

प्रश्नपत्र संकेतांक - 707

विषय कोड - 273

2024 ई. वर्षे
उत्तरमध्यमा द्वितीयवर्षे परीक्षायाम्
प्राचीन व्याकरण विषये प्रश्नाः

समयः - 3 घण्टे 15 मिनट

पूर्णाङ्कः - 100

निर्देशः- प्रारम्भे पञ्चदशकलाः (15 मिनट) परीक्षार्थिनां कृते प्रश्नपत्रपठनार्थं निर्धारिताः सन्ति।
यथानिर्देशं सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः। प्रश्नानां पुरोऽङ्काः अङ्किताः सन्ति।

(273 : खण्ड-क)

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः

1×5=5

1. लिटिधातोरनभ्यासस्य इति सूत्रेण किं भवति?
(अ) अभ्यास संज्ञा (ब) अभ्यस्त संज्ञा (स) द्वित्वम्
2. लङ्लकारस्य रूपं अस्ति?
(अ) अदेवीत् (ब) अदीव्यत् (स) अदेविष्यत्
3. पिपति इत्यत्र लकारः अस्ति?
(अ) लट् (ब) लोट् (स) लिट्
4. आख्यात पदस्य कोऽर्थः?
(अ) तिङ्. (ब) तद्धितः (स) कृत्
5. दधाति कस्य धातोः रूपम्?
(अ) दध (ब) धा (स) दधा

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः

1×5=5

6. पदन्नोमास्हन्नि - इति सूत्रं पूरणीयम्।
7. प्रच्छ धातु कस्मिन्नर्थे विद्यते?
8. भुज धातोः लट्लकारे प्रथमपुरुषे रूपाणि लिखत।
9. सम्प्रसारण संज्ञा केन सूत्रेण भवति?
10. अनश्वः इत्यत्र कः समासः?

लघूत्तरीयाः प्रश्नाः

5×4=20

11. एरनेकाचोऽसंयोगपूर्वस्य, न भूसुधियोः सूत्रयोः टिप्पणी अष्टाध्यायी भाष्यानुसारिणी लेख्या।
12. ईछति, चिणो लुक् सूत्रयोः अष्टाध्यायी भाष्यानुसारिणी व्याख्या कार्या।

क्रमशः

न भूसुधियो, ई हल्पयोः सूत्रयोः टिप्पणी अप्टाध्यायी भाष्यानुसारेण देया ।
अन्यतनेलद्, लिट् च सूत्रयोः काशिकानुसारि व्याख्या कार्या ।

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः 10×2=20

चिनोति, अशोधि, नर्तिष्यति, धीत्यतु, ततानु, घोरयाञ्चकार अरुणत्-अरुणद्, एतेषु
प्रयोगेषु त्रयः प्रयोगाः साधनीयाः ।

न सप्रसारणे सप्रसारणम्, अनुदात्तस्य चतुर्पथस्यान्तरयाम्, धातोस्तन्निमित्तस्यैव,
नामन्दात्तस्याम्, ह्रस्वनुद्भ्यां मत्तु एतेषु सूत्रद्वयस्य अप्टाध्यायी भाष्यानुसारि व्याख्या
करणीया ।

अथवा

उपरिलिखितेषु द्वयोः सूत्रयोः काशिकानुसारिणी व्याख्या करणीया ।

(274 : छण्ड-खं)

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः 1×5=5

युस्मभ्यम् इत्यत्र का विभक्तिः?

(अ) चतुर्थी (ब) पञ्चमी (स) षष्ठी

आरितस्य सूत्रेण किं भवति?

(अ) इडागमः (ब) इह्निषेयः (स) इह्विकल्पः

हनिष्यति इत्यत्र केन सूत्रेण इडागमः?

(अ) आर्षधातुक्रमेद्वलादेः (ब) व्रत्तो भारद्वाजस्य (स) वृच्छनोः स्वे

पयः इत्यत्र का विभक्तिः?

(अ) प्रथमा (ब) द्वितीया (स) तृतीया

शोष्ः इत्यत्र का विभक्तिः?

(अ) प्रथमा (ब) द्वितीया (स) पञ्चमी

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः 1×5=5

इकोऽधि विभक्तौ इत्यनेन सूत्रेण किं भवति?

चतुरनुसोरामुदात्तः सूत्रस्य उदाहरणं लेखनीयम् ।

अनद् सौ इत्यनेन सूत्रेण किं भवति?

युस्माभिः इत्यत्र का विभक्तिः?

चिदेः शतुर्वसुः सूत्रस्योदाहरणं लेखनीयम् ।

सप्तसूत्रीयाः प्रश्नाः

5×4=20

11. सर्वस्मिन्, शेरते, युष्माकम्, गार्गीयः, अष्टौ, अनेयीषु, पद, पद् इत्येतेषु किमप्युदाहरणद्वयं
काशिकमाश्रित्य अथवा अप्टाध्यायीभाष्यमाश्रित्य साधनीयम् ।

12. ज्ञानानि, सर्वेषाम्, ररन्धुः, अलताम्बतु, सुविना इत्येतेषु किमप्युदाहरणद्वयं नामिकमाश्रित्य
साधनीयम् ।

13. गार्गीयः, अष्टौ, अनेयीषु इत्येतेषु किमप्युदाहरणद्वयं काशिकमाश्रित्य अथवा अप्टाध्यायी
भाष्यमाश्रित्य साधनीयम् ।

14. अलताम्बतु, सुविना, तव इत्येतेषु किमप्युदाहरणद्वयं नामिकमाश्रित्य साधनीयम् ।

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः

10×2=20

15. इतिउपो स्मात्स्मिनी, अष्टाम्य ओशु, तुष्ट्योस्तातद्दृक्शिष्यन्तरस्याम् इत्यनेनानु नुद्,
अतो हलादेर्लघोः भोज्यं भक्ष्ये इत्येतेषु किमपि सूत्रद्वयं काशिकमाश्रित्य अथवा
अप्टाध्यायीभाष्यमाश्रित्य सोदाहरणं व्याख्यायताम् ।

16. पद्वदुभ्यंश्च, पुञेरसमासे, इकोऽधि विभक्तौ, रामो हति, साम आव, आत औ गतः
इत्येतेषु खण्डित् सत्वारि सूत्राणि नामिकमाश्रित्य सोदाहरणं व्याख्यायताम् ।

-- 0 --

प्रश्नपत्र संकेतांक - 701

विषय कोड - 261

2024 ई. वर्षे

उत्तरमध्यमा द्वितीयवर्षे परीक्षायाम्

अनिवार्य संस्कृतम् विषये प्रश्नाः

समयः - 3 घण्टे 15 मिनट

पूर्णाङ्काः - 100

निर्देशः- प्रारम्भे पञ्चदशकलाः (15 मिनट) परीक्षार्थिनां कृते प्रश्नपत्रपठनार्थं निर्धारिताः सन्ति।
यथानिर्देशं सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः। प्रश्नानां पुरोऽङ्काः अङ्किताः सन्ति।

(261 : खण्ड-क)

'अ' खण्डः

शुकनासोपदेशः

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः

अधोलिखितानां प्रश्नानां समीचीनं विकल्पं चिनुत-

1×5=5

1. बाणभट्टस्य का रीतिः (शैली)?
(अ) वैदर्भी (ब) पाञ्चाली (स) गौडी (द) चूर्णक
2. चन्द्रापीडस्य पितुर्नाम किम्?
(क) तारापीडः (ख) सूर्यापीडः (ग) शुकनासः (घ) शूद्रकः
3. 'शिशिरोपचारहार्यः' इत्यत्र कः समासः?
(अ) बहुव्रीहिः (ब) तत्पुरुषः (स) कर्मधारयः (द) द्वन्द्वः
4. शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि का कालुष्यनुपयाति?
(अ) युवावस्था (ब) गुरुपदेशः (स) दृष्टिः (द) बुद्धिः
5. लक्ष्मीः कुतः उद्गता?
(अ) कमलपत्रात् (ब) क्षीरसागरात् (स) क्षीरात् (द) कुसुमात्

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः

सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः-

3×4=12

6. चन्द्रापीडस्य परिचयं लिखत।
7. 'कादम्बरीरसज्ञानामाहारोऽपि न रोचते' उक्तिरियं वर्णयत।
8. शुकनासोपदेशस्य सारो संक्षेपेण लिखत।
9. 'अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः' सूक्तेः व्याख्या कार्या।

क्रमशः

लघूत्तरीया: प्रश्नाः

4×2=8

निम्नाङ्कितेषु गद्येषु द्वयोरेव व्याख्या कार्या-

- हरति च सकृत्पतिमतिनमयान्यकारमिव दोषजातं प्रदोषसमयनिशाकर इव गुरुरपदेशः। प्रशम्भेतुर्वचः परिणाम इव फलितरूपेण शिरसिजगलमलीकुर्वन् गुणरूपेण तदैव परिणमयति। अयमेव चानास्वादित विषयरसस्य ते फलत उपदेशस्य। कुसुमजरसरं प्रहारजजरीते हि हृदये जलमिव गलत्सुपदिष्टम्।
- न परिवचं रक्षति। नाभिजनमीक्षते। न रूपमालोकयते। न कुलक्रममनुवर्तते। न शीलं पश्यति। न वैदग्ध्यं गणयति। न श्रुतमाकर्णयति। न धर्ममनुरुध्यते। न त्यागमाद्रियते। न लक्षणं प्रमाणीकरोति। मन्वर्धनगरलेखेव पश्यत एव नश्यति।
- पुरः पताञ्जलं सर्वविनयानाम्। उर्ध्वतिर्निम्नगा क्रोधावेगग्राहाणाम्। आपानभूमिर्विषयमभूनाम्। सद्गीतशाला श्रुतिकारनाट्याणाम्। अस्वातदरी दोषाशीविधाणाम्। उत्सारणविललात सत्युक्तव्यवहाराणाम्। अफालप्रवृद्धं गुणफलहंसकानाम्।

अथवा

स्वप्नवासवदत्तम्

बहुविकल्पीया: प्रश्नाः

1×5=5

अधोलिखितानां प्रश्नानां समीचीनं विकल्पं चिनुत-

- स्वप्नवासवदत्तस्य नाटकस्य प्रणेता कः?
(क) बाणः (ख) दण्डी (ग) हर्षः (घ) भासः
- वीगन्धरायणः कः वर्तते?
(क) अमात्यः (ख) राजा (ग) युवराजः (घ) महामन्त्री
- अवन्तिका का विद्यते?
(क) पद्मावती (ख) विजया (ग) अङ्गरवती (घ) वासवदत्ता
- घोषवती कस्याः नाम?
(क) दुर्गायाः (ख) लम्प्याः (ग) वीणायाः (घ) सरस्वत्याः
- उदयनस्य पितुर्नाम किमासीत्?
(क) महासेनः (ख) आरुणिः (ग) रुमण्डान् (घ) वसन्तकः

अतिलघूत्तरीया: प्रश्नाः

3×4=12

सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः-

- महाकवेः भासस्य परिचयं लिखत।
- स्वप्नवासवदत्तस्य चतुर्थाङ्कस्य सारं लिखत।
- नान्दाः किं लक्षणम्।
- 'कालक्रमेण जगत्: परिवर्तमाना काररपक्तिरिव गच्छति भाग्यपक्तिः' इतीमां पंक्तिं वर्णयत।

लघूत्तरीया: प्रश्नाः

4×2=8

द्वयोः श्लोकयोः छन्दोतत्त्वगुणरसरं व्याख्या कार्या-

- तीर्थोदकानि समिधः कुसुममणिं दर्शान् स्वैरं वनादुपनयन्तु तपोधनानि। धर्मप्रिया गृध्रासुता न हि धर्मप्रीडाभिच्छेत् तर्पित्वपु कुलव्रतमेतदस्याः॥
- दुःखं स्फुक्तुं वज्रमूलोऽनुरागः स्मृत्वा स्मृत्या याति दुःखं भवत्वम्। कश्चा त्वेषा यद् विमुच्येह वायं प्राप्ताऽऽनृण्या याति बुद्धिः प्रसादम्॥
- ऋण्ययातां हि मुखतोरणत्तोलमालां भ्रष्टां क्षिती लभयगच्छति मूर्खः! सर्पम्। मन्दानिलेन निशि या परिवर्तमाना किञ्चित् करोतिमुजगस्य विधेष्टितानि॥

छन्द 'ब' (सर्वेषां कृते अनिवार्यः)

13. द्वयोः अलङ्कारयोः सोदाहरणं वर्णनं कुरुत-

4×2=8

उपमा, अतिशयोक्तिः वक्रोक्तिः

बहुविकल्पीया: प्रश्नाः

अधोलिखितानां प्रश्नानां समेषां समीचीनं विकल्पं चिनुत-

1×5=5

14. गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनस्य रचनाकालः-

(क) 1937 वि.सं. (ख) 1927 वि.सं. (ग) 1938 वि.सं. (घ) 1929 वि.सं.

15. सारथिः तुरगैः रथे वाहयति इत्यत्र अशुद्धं पदं किम्?

(क) सारथिः (ख) तुरगैः (ग) रथे (घ) वाहयति

16. अस्य युवकस्य मुखे राजवर्चो भासते इत्यत्र शुद्धं पदं लिखत-

(क) राजवर्चसः (ख) राजवर्चसेन (ग) राजवर्चम् (घ) राजवर्चुं

17. देवब्राह्मि सदा भक्त्या वयं वन्दामहे मुहुः इत्यत्र देवब्राह्मि पदस्य विग्रहः कः?

(क) देव+ब्राह्मि (ख) देवब्रा+हि (ग) देवब्र+आहि (घ) दे+ब्राहि

18. 'महर्षे' इत्यस्य शुद्धं रूपं किम्?

(क) महर्षे (ख) महर्षे (ग) माहर्षे (घ) महार्षे

लघूत्तरीया: प्रश्नाः

4×3=12

सर्वेषां व्याख्या कार्या-

19. उत्तरस्यां दक्षिणस्यां च ध्रुवी स्तः, पूर्वस्यां परिवमस्यां च ... रवेरुदयास्ती।

20. पम्पासरसि रामेण सन्नेहं सविलासया।

सीतया किं कृतं सार्द्धमत्रैवोत्तरमीक्ष्यताम्॥

21. प्रमोदं जनयत्येव सधारा गृहमेधिनः।

यदि धर्मश्च कामश्च भवेतां सङ्गतायिमी॥

क्रमशः

(262 : खण्ड-ख)

खण्ड 'अ' (सर्वेषां कृते अनिवार्यः)

खण्ड 'अ'

रचनानुपादकीमुदी

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः

अधोलिखितानां प्रश्नानां समीचीन विकल्पं चिनुत-

1X5=5

1. 'पगडी' इत्यस्य संस्कृताद्यं कः?
(क) अपोवस्वम् (ख) मुखप्रोक्षणम् (ग) उज्जीषम् (घ) अधानम्
2. 'व्योमन्' इत्यस्य सप्तम्यां रूपं नास्ति-
(क) व्योमनः (ख) व्योमनि (ग) व्योमिन् (घ) व्योमोः
3. 'अहं पाठं' शब्दोक्तिः अत्र अनुसृतं पदं किम्?
(क) अहम् (ख) पाठम् (ग) शब्दोक्तिः (घ) न किमपि
4. 'विद्वत्सु' शब्दात्प्रत्यय-प्रत्यये कृते किं रूपम्?
(क) वैदुष्यम् (ख) विदुष्यम् (ग) वैद्व्यम् (घ) विद्व्यम्
5. 'तत्र जातः' इत्यस्मिन्नर्थे सुप्त-शब्दात् अणुप्रत्यये कृते किं रूपम्-
(क) सोऽन्तः (ख) सुप्तः (ग) सोऽन्तः (घ) सुप्ते

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः

2X3=6

6. मन् धातोः लङ्लकारस्य मध्यमपुरुषे रूपाणि लिखत।

अथवा

शय्या शब्दस्य सप्तम्यां रूपाणि लिखत।

7. 'शताब्दी' इत्यत्र कः समासः?
8. स त्वं अहं च(हसु) इत्यत्र क्रियायाः कः पुरुषः प्रयोक्तव्यः?

लघूत्तरीयाः प्रश्नाः

9. संस्कृतेऽनुवादः कार्यः-
(क) राम विद्यालय जाकर परिश्रम से पढ़ता है।
(ख) गुरु छत्र से प्रश्न पूछता है।

अथवा

हिन्द्यामनुवादो विधेयः-

विद्या ददाति विनयं विनयाद्याति पात्रताम्।

पात्रत्वाद्गणनमानोति घनाद्धर्मं ततः सुखम्।।

10. अनुशासनम्, अस्माकं देशः, संस्कृतभाषा विषयेषु कमप्येकविषयमवलम्ब्य लघुनिबन्धो लेख्यः।

खण्ड 'ब'

मध्यसिद्धान्तकीमुदी

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः

अधोलिखितानां प्रश्नानां समीचीन विकल्पं चिनुत-

1X5=5

11. 'त्रिलोकी' इत्यत्र कः स्त्रीप्रत्ययः?
(क) ङीप् (ख) ङीप् (ग) ङीन् (घ) ङीन्
12. 'क्षरीषण्ड्या' इत्यत्र कः स्त्रीप्रत्ययः?
(क) टाप् (ख) टाप् (ग) षाप् (घ) टा
13. आदित्यशब्दात् कः प्रत्ययः?
(क) यत् (ख) ष्यः (ग) क्यप् (घ) ष्यत्
14. 'अश्वदिभ्यः' कः प्रत्ययो भवति?
(क) षक् (ख) ष्य् (ग) षक् (घ) ष्य्
15. धातुरधिकेषु न भवति-
(क) तेन ङीत् (ख) तेन निर्वृत्तम् (ग) तस्य (घ) अदूरमवश्व

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः

3X3=9

16. 'वैयाकरणः' इतीदं पदं साधयत।
17. 'डाबुभाम्भामन्वतरस्याम्' इत्यस्य सोदाहरणं अर्थं लिखत।
18. 'भवन्ती' इतीदं पदं साधयत।

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः

सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।

8X2=16

19. मादुपयाशच मतौर्गोऽयवादिभ्यः, नदादिभ्यो षक् इत्येतयोः व्याख्या कार्या।
20. राष्ट्रधारपाराद् षष्ठी, तस्य भावस्त्यतलौ इत्येतयोः व्याख्या कार्या।

अथवा

अणोरनार्थमोर्गुस्त्वोत्तमयोः ष्यह् गोत्रे, अत इतिठनौ इत्येतयोः व्याख्या कार्या।

अथवा

लघुसिद्धान्तकीमुदी

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः

अधोलिखितानां प्रश्नानां समुचितं विकल्पं चिनुत-

1X5=5

11. 'प्रतिविपाशम्' इत्यत्र कः समासप्रत्ययः?
(क) टच् (ख) षच् (ग) अप् (घ) कच्
12. 'नर्तकी' इत्यत्र कः स्त्रीप्रत्ययः?
(क) ङीप् (ख) ङीप् (ग) ङीन् (घ) ङीन्

क्रमशः

13. सम्बोधने कः विभक्तिर्भवति?
 (क) प्रथमा (ख) द्वितीया (ग) तृतीया (घ) चतुर्थी
14. 'ग्रामजनबन्धुभ्यस्तत् इत्यनेन कस्मिन्नर्थे तत्प्रत्ययः भवति?
 (क) अपत्ये (ख) कर्मणि (ग) भावे (घ) समूहे
15. अनश्वः इत्यत्र नुदागमः केन सूत्रेण?
 (क) तस्मान्नुद् द्विकलः (ख) तस्मान्नुडचि
 (ग) इस्वनद्याधो नुद् (घ) तस्माच्छ्लोनः पुंसि

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः

3×3=9

सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।

16. 'अधिगोपम्' इतीदं पदं साधयत।
 17. 'श्लथीयः' इतीदं रूपं साधयत।
 18. आधातः कतिविधः? सोदाहरणं विवेचयत।

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः

8×2=16

सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।

19. तृतीया तत्कृतार्थेन गुणवधनेन, पुंवोऽगदाख्यायाम् इत्येतयोः व्याख्या कार्या।
 20. तदस्मिन्नस्तीति देशे तन्नाम्नि, उगवादिभ्यो यत् इत्येतयोः व्याख्या विधेया।
 अथवा
 आत्मान्विश्रवजनभोगौत्तरपवात् खः, उपपदमतिङ् इत्येतयोः व्याख्या विधेया।

अथवा

वैशेषिकदर्शनम्

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः

1×5=5

समुचितं विकल्पं चिनुत-

11. वैशेषिकदर्शनस्य रचनाकारः कः?
 (क) जैमिनी (ख) कणाद (ग) कपिल (घ) गौतम
12. वैशेषिक दर्शनानुसारं कति पदार्थाः स्वीकृताः?
 (क) 16 (ख) 25 (ग) 6 (घ) 8
13. सम्वाधिकारणं किम्?
 (क) द्रव्यम् (ख) गुणः (ग) कर्म (घ) समवायः
14. क्रियायाः अधः प्रवृत्तिर्भवति?
 (क) उल्लेपणम् (ख) अवक्षेपणम् (ग) गमनम् (घ) आकुञ्चनम्

15. संयोगविभागेऽङ्गानां सामान्यं कारणं किम्?
 (क) द्रव्यम् (ख) गुणः (ग) कर्म (घ) समवायः

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः

3×3=9

सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः-

16. 'कर्म कर्मसाध्यं न विद्यते।' इतीदं सूत्रं लिखत।
 17. 'गुरुत्वप्रयत्नसंयोगानामुल्लेपणम्' इत्यस्य व्याख्या कार्या।
 18. 'अन्यत्रान्तेभ्यो विशेषेभ्यः' इदं सूत्रं लिखत।

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः

8×2=16

अधोलिखितयोः सूत्रयोः व्याख्या कार्या-

19. सदनित्वं द्रव्यवत् कार्यं कारणं सामान्यविशेषवदिति द्रव्यगुणकर्मणामविशेषः।
 20. न द्रव्याणां कर्म, व्यतिरेकात्।

अथवा

सदिति लिङ्गविशेषाद् विशेषाभावाच्चैको भवः।

अथवा

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः

1×5=5

11. अनुमितौ व्याप्तिज्ञानं किं भवति?
 (क) करणम् (ख) व्यापारः (ग) परामर्शः (घ) व्याप्तिः
12. व्याप्त्यस्य पक्षवृत्तित्वधीः उच्यते-
 (क) व्यापारः (ख) परामर्शः (ग) अनुमां (घ) व्याप्तिः
13. 'वह्निमान् धूमात्' अत्र साध्यः किमस्ति?
 (क) महानसः (ख) पर्वतः (ग) वह्निः (घ) हृदः
14. 'मटोदण्डमान्' इत्यत्र साध्यावच्छेकं किं भवति?
 (क) मटः (ख) दण्डः (ग) दण्डसंयोगः (घ) दण्ड
15. 'सिपाययियया धूम्या सिद्धिर्वत्र न विद्यते' इत्यत्र यत्र इति पदेन किं गृह्यते?
 (क) विपक्षः (ख) सपक्षः (ग) पक्षः (घ) अपक्षः

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः

3×3=9

सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।

16. व्याप्तिः साध्यवदन्यस्मिन्नसम्बन्ध उदाहृतः इत्यस्य अर्थं लिखत।
 17. अभावश्च प्रतियोगिव्यपिकरणो बोध्यः इतीदं वर्णयत।
 18. असाधारणस्य उदाहरणं स्पष्टयत।

क्रमः

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः

व्याख्या विधेया-

8X2=16

19. अनागतादिलिङ्गेन न स्यादनुमितिस्तथा ।
 20. अनैकान्तो विरुद्धाशयसिद्धः प्रतिपक्षितः ।
 कालात्पयापदिष्टश्च हेत्वाभासास्तु पञ्चधा ॥

अथवा

साध्यशून्यो यत्र पक्षस्त्वसौ बाध उदाहृतः ।
 उत्पन्निकालीनघटे गन्धादिर्यत्र साध्यते ॥

-- 0 --

प्रश्नपत्र संकेतांक - 707

विषय कोड - 273

2024 ई. वर्षे

उत्तरमध्यमा द्वितीयवर्षे परीक्षायाम्

प्राचीन व्याकरण विषये प्रश्नाः

समयः - 3 घण्टे 15 मिनट

पूर्णाङ्काः - 100

निर्देशः- प्रारम्भे पञ्चदशकलाः (15 मिनट) परीक्षार्थिनां कृते प्रश्नपत्रपठनार्थं निर्धारिताः सन्ति ।
यथानिर्देशं सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः । प्रश्नानां पुरोऽङ्काः अङ्किताः सन्ति ।

(273 : खण्ड-क)

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः

1×5=5

1. लिटिधातोरनभ्यासस्य इति सूत्रेण किं भवति?
(अ) अभ्यास संज्ञा (ब) अभ्यस्त संज्ञा (स) द्वित्वम्
2. लङ्लकारस्य रूपं अस्ति?
(अ) अदेवीत् (ब) अदीव्यत् (स) अदेविष्यत्
3. पिपति इत्यत्र लकारः अस्ति?
(अ) लट् (ब) लोट् (स) लिट्
4. आख्यात पदस्य कोऽर्थः?
(अ) तिङ्. (ब) तद्धितः (स) कृत्
5. दधाति कस्य धातोः रूपम्?
(अ) दध (ब) धा (स) दधा

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः

1×5=5

6. पदन्तोमास्हन्नि - इति सूत्रं पूरणीयम् ।
7. प्रच्छ धातु कस्मिन्नर्थे विद्यते?
8. भुज धातोः लट्लकारे प्रथमपुरुषे रूपाणि लिखत ।
9. सम्प्रसारण संज्ञा केन सूत्रेण भवति?
10. अनश्वः इत्यत्र कः समासः?

लघूत्तरीयाः प्रश्नाः

5×4=20

11. एरनेकाचोऽसंयोगपूर्वस्य, न भूसुधियोः सूत्रयोः टिप्पणी अष्टाध्यायी भाष्यानुसारिणी लेख्या ।
12. ईछति, चिणो लुक् सूत्रयोः अष्टाध्यायी भाष्यानुसारिणी व्याख्या कार्या ।

क्रमशः

न भूसुधियो, ई हत्ययोः सूत्रयोः टिप्पणी अष्टाध्यायी भाष्यानुसारेण देया ।
अन्यतनेतद्, लिट् च सूत्रयोः काशिकासुसारे व्याख्या कार्या ।

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः 10×2=20

चिनोति, अशोधि, नीरिष्यति, धीत्यतु, ततानु, चोरयाश्चकार अरुणत्-अरुणद्, एतेषु
प्रयोगेषु त्रयः प्रयोगाः साधनीयाः ।

न सम्प्रसारणे सम्प्रसारणम्, अनुदात्तस्य चटुपधस्यान्तरयाम्, धातोस्तन्निमित्तस्यैव,
नामन्तरस्याम्, ह्रस्वनुद्भवा मत्सु एतेषु सूत्रद्वयस्य अष्टाध्यायी भाष्यानुसारे व्याख्या
करणीया ।

अथवा

उपरिलिखितेषु द्वयोः सूत्रयोः काशिकासुसारेणी व्याख्या करणीया ।

(274 : छप्ड-ख)

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः 1×5=5

युष्मन्मम् इत्यत्र का विभक्तिः?

(अ) चतुर्थी (ब) पञ्चमी (स) षष्ठी

आदितश्च सूत्रेण किं भवति?

(अ) इडागमः (ब) इह्नियेयः (स) इह्निकल्पः

हनिष्यति इत्यत्र केन सूत्रेण इडागमः?

(अ) आर्षधातुक्रमेद्वलादेः (ब) ब्रह्मो भारद्वाजस्य (स) ब्रह्मणोः स्मे

पथः इत्यत्र का विभक्तिः?

(अ) प्रथमा (ब) द्वितीया (स) तृतीया

श्लेषुः इत्यत्र का विभक्तिः?

(अ) प्रथमा (ब) द्वितीया (स) पञ्चमी

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः 1×5=5

इक्षोऽधि विभक्तौ इत्यनेन सूत्रेण किं भवति?

चतुरन्तुञ्जोरामुदात्तः सूत्रस्य उदाहरणं लेखनीयम् ।

अनद् सौ इत्यनेन सूत्रेण किं भवति?

युष्माभिः इत्यत्र का विभक्तिः?

विदेः शतुर्वसुः सूत्रस्योदाहरणं लेखनीयम् ।

लघूत्तरीयाः प्रश्नाः

5×4=20

11. सर्वस्मिन्, शेरते, युष्माकपु, गार्गीयः, अष्टौ, अनैरीषु, पद्, पद् इत्येतेषु किमयुदाहरणद्वयं
काशिकाशाश्रित्य अथवा अष्टाध्यायीभाष्यशाश्रित्य साधनीयम् ।

12. झानाणि, सर्वेषाम्, ररम्भतुः, अललम्भतुः, सुविना इत्येतेषु किमयुदाहरणद्वयं नामिकशाश्रित्य
साधनीयम् ।

13. गार्गीयः, अष्टौ, अनैरीषु इत्येतेषु किमयुदाहरणद्वयं काशिकाशाश्रित्य अथवा अष्टाध्यायी
भाष्यशाश्रित्य साधनीयम् ।

14. अलम्भतुः, सुविना, तव इत्येतेषु किमयुदाहरणद्वयं नामिकशाश्रित्य साधनीयम् ।

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः

10×2=20

15. इतिउषो स्मात्स्मिन्, अष्टाध्यायी ओशु, तुष्टयोस्तत्तद्दृढशिक्ष्यान्तरस्याम् इत्यनेनयोः युद्ध,
अतो हलादेर्लपोः भोज्यं भक्ष्ये इत्येतेषु किमपि सूत्रद्वयं काशिकाशाश्रित्य अथवा
अष्टाध्यायीभाष्यशाश्रित्य सोदाहरणं व्याख्यायताम् ।

16. पद्बहुव्यम्भश्च, पुञ्जेरसमासे, इक्षोऽधि विभक्तौ, रामो हति, साम आव, आत औ णतः
इत्येतेषु क्वचिद् चत्वारि सूत्राणि नामिकशाश्रित्य सोदाहरणं व्याख्यायताम् ।

-- 0 --

प्रश्नपत्र संकेतांक - 707

विषय कोड - 273

2024 ई. वर्षे

उत्तरमध्यमा द्वितीयवर्षे परीक्षायाम्
प्राचीन व्याकरण विषये प्रश्नाः

समय: - 3 घण्टे 15 मिनट

पूर्णाङ्कः - 100

निर्देशः- प्रारम्भे पञ्चदशकलाः (15 मिनट) परीक्षार्थिनां कृते प्रश्नपत्रपठनार्थं निर्धारिताः सन्ति ।
यथानिर्देशं सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः । प्रश्नानां पुरोऽङ्काः अङ्किताः सन्ति ।

(273 : खण्ड-क)

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः

1×5=5

1. लिटिधातोरनभ्यासस्य इति सूत्रेण किं भवति?
(अ) अभ्यास संज्ञा (ब) अभ्यस्त संज्ञा (स) द्वित्वम्
2. लडूलकारस्य रूपं अस्ति?
(अ) अदेवीत् (ब) अदीव्यत् (स) अदेविष्यत्
3. पिपर्ति इत्यत्र लकारः अस्ति?
(अ) लट् (ब) लोट् (स) लिट्
4. आख्यात पदस्य कोऽर्थः?
(अ) तिङ्. (ब) तद्धितः (स) कृत्
5. दधाति कस्य धातोः रूपम्?
(अ) दध (ब) धा (स) दधा

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः

1×5=5

6. पदन्नोमास्हन्नि - इति सूत्रं पूरणीयम् ।
7. प्रच्छ धातु कस्मिन्नर्थे विद्यते?
8. भुज धातोः लट्लकारे प्रथमपुरुषे रूपाणि लिखत ।
9. सम्प्रसारण संज्ञा केन सूत्रेण भवति?
10. अनश्वः इत्यत्र कः समासः?

लघूत्तरीयाः प्रश्नाः

5×4=20

11. एरनेकाचोऽसंयोगपूर्वस्य, न भूसुधियोः सूत्रयोः टिप्पणी अष्टाध्यायी भाष्यानुसारिणी लेख्या ।
12. ईछति, चिणो लुक् सूत्रयोः अष्टाध्यायी भाष्यानुसारिणी व्याख्या कार्या ।

क्रमशः

न भूसुधियो, ई हल्पयोः सूत्रयोः टिप्पणी अष्टाध्यायी भाष्यानुसारेण देया।
अनघतनेलद्, तिद् च सूत्रयोः काशिकानुसारे व्याख्या कार्या।

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः 10×2=20

चिनोति, अश्वेधि, नर्तिष्यति, धीत्यतु, ततान्, घोरमाञ्चकार अरुणत्-अरुणद्, एतेषु प्रयोगेषु त्रयः प्रयोगाः साधनीयाः।
न सन्धस्वारणे सन्धस्वारणम्, अनुदात्तस्य चतुर्ष्वस्यान्तरयाम्, धातोस्तन्निमित्तस्यैव, नामन्वातरस्याम्, ह्रस्वनुद्भ्यां मत्पु एतेषु सूत्रद्वयस्य अष्टाध्यायी भाष्यानुसारे व्याख्या करणीया।

अथवा

उपरिलिखितेषु द्वयोः सूत्रयोः काशिकानुसारेणी व्याख्या करणीया।

(274 : छण्ड-ख)

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः 1×5=5

दुस्मभ्यम् इत्यत्र का विभक्तिः?

(अ) चतुर्थी (ब) पञ्चमी (स) षष्ठी

जादितरप सूत्रेण किं भवति?

(अ) इडागमः (ब) इह्निषेधः (स) इह्विकल्पः

हनिष्यति इत्यत्र केन सूत्रेण इडागमः?

(अ) आर्षधातुक्रमेयवलादेः (ब) व्रत्तो भारद्वाजस्य (स) वृच्छनोः स्वे

पयः इत्यत्र का विभक्तिः?

(अ) प्रथमा (ब) द्वितीया (स) तृतीया

क्षेत्रेण इत्यत्र का विभक्तिः?

(अ) प्रथमा (ब) द्वितीया (स) पञ्चमी

अलिलपूतरीयाः प्रश्नाः 1×5=5

इक्षेत्रेण विभक्तौ इत्यनेन सूत्रेण किं भवति?

चतुरन्हुजोरामुदात्तः सूत्रस्य उदाहरणं लेखनीयम्।

अनद् सौ इत्यनेन सूत्रेण किं भवति?

दुस्माभिः इत्यत्र का विभक्तिः?

विदेः शतुर्वसुः सूत्रस्योदाहरणं लेखनीयम्।

सघृत्तरीयाः प्रश्नाः

5×4=20

- सर्वरिणम्, शेरते, युस्माकम्, गार्गीयः, अप्ठौ, अनेयीषु, पद्, पद् इत्येतेषु किमप्युदाहरणद्वयं काशिकमाश्रित्य अथवा अष्टाध्यायीभाष्यामाश्रित्य साधनीयम्।
- ज्ञानाणि, सर्वेषाम्, ररम्भुः, अस्तत्तम्भुः, सुधिना इत्येतेषु किमप्युदाहरणद्वयं नामिकमाश्रित्य साधनीयम्।
- गार्गीयः, अप्ठौ, अनेयीषु इत्येतेषु किमप्युदाहरणद्वयं काशिकमाश्रित्य अथवा अष्टाध्यायी भाष्यामाश्रित्य साधनीयम्।
- अस्तम्भुः, सुधिना, तव इत्येतेषु किमप्युदाहरणद्वयं नामिकमाश्रित्य साधनीयम्।

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः

10×2=20

- इतिउचो स्मात्स्मिन्, अष्टाभ्य ओश्, तुष्टयोस्तातद्दृशिशिष्यन्तरस्याम् इत्यनघापो नुद्, अतो हलादेशोः भोज्यं भक्ष्ये इत्येतेषु किमपि सूत्रद्वयं काशिकमाश्रित्य अथवा अष्टाध्यायीभाष्यामाश्रित्य सोदाहरणं व्याख्यायताम्।
- पद्दत्तुर्भ्रंश्व, पुत्रैरसमासे, इक्षेत्रेण विभक्तौ, रामो हति, साम आव, आत औ गतः इत्येतेषु क्वचिद् चत्वारि सूत्राणि नामिकमाश्रित्य सोदाहरणं व्याख्यायताम्।

-- 0 --

प्रश्नपत्र संकेतांक - 709

विषय कोड - 277

2024 ई. वर्षे
उत्तरमध्यमा द्वितीयवर्षे परीक्षायाम्
साहित्य विषये प्रश्नाः

समयः - 3 घण्टे 15 मिनट

पूर्णाङ्कः - 100

निर्देशः- प्रारम्भे पञ्चदशकलाः (15 मिनट) परीक्षार्थिनां कृते प्रश्नपत्रपठनार्थं निर्धारिताः सन्ति ।
यथानिर्देशं सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः । प्रश्नानां पुरोऽङ्काः अङ्किताः सन्ति ।

(277 : खण्ड-क)

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः

1×5=5

1. काव्यमीमांसाग्रन्थस्य प्रणेता कः?

(क) मुबन्धुः (ख) राजशेखरः (ग) भारविः (घ) कालिदासः

2. काव्यमीमांसा प्रथमाध्यायास्य नाम किम्?

(क) शास्त्रसंग्रहः (ख) पदव्यवहारः (ग) शास्त्रावेक्षणम् (घ) काव्यमीमांसा

3. काव्यमीमांसायां काव्यपुरुषोत्पत्तिः वर्णनं कस्मिन् अध्याये वर्तते?

(क) प्रथमाध्याये (ख) द्वितीयाध्याये (ग) तृतीयाध्याये (घ) चतुर्थेध्याये

4. वेदस्य सप्तममङ्गमस्ति?

(क) अलंकारशास्त्रम् (ख) व्याकरणम् (ग) निरुक्तम् (घ) ज्योतिषम्

5. उपवेदाः सन्ति?

(क) चत्वारः (ख) पञ्च (ग) अष्टौ (घ) सप्त

क्रमशः

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः

1×5=5

6. बसन्ततिलका छन्दस्य लक्षणं लिखत।
7. गायत्री छन्दसः प्रथमपादे कति अक्षराणि भवन्ति?
8. काव्यमीमांसाग्रन्थस्य रचनाकारः अस्ति?
9. वेदस्य सप्तम् अङ्गरूपेणः वर्तते।
10. कति गणाः सन्ति?

लघूत्तरीयाः प्रश्नाः

5×4=20

11. गणनामानि लिखत।
12. अर्धसमवृत्तस्य किं लक्षणम्?
13. काव्यं कतिविधं सोपहारणं लिखत।
14. काव्यमीमांसायां आगतानां प्रकरणानां नामानि लिखत।

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः

10×2=20

15. समवृत्त-अर्धसमवृत्त-विधमवृत्तस्य च लक्षणोदाहरणं लिखत।

अथवा

काव्यमीमांसायां प्रतिपादितानां अष्टादशप्रकरणानां परिचयोः देवः।

16. काव्यमीमांसा प्रथम-द्वितीयाध्यास्य सारांशः लेखनीयः।

अथवा

यशस्थस्य तथा मन्द्राव्यन्ताछन्दस्य सोदाहरणं लक्षणं लिखत।

(278 : खण्ड-ख)

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः

1×5=5

1. भारतेः कृतः ग्रन्थः अस्ति?
(क) किरातार्जुनीयम् (ख) मेघदूतम् (ग) काव्यमीमांसा (घ) रघुवंशम्
2. किरातार्जुनीये शिल्पः कस्य वैश्वारी आसीत्?
(क) नर्तकी (ख) किरातः (ग) मृगः (घ) धनुष्यारी
3. अलम्बापिपातिः अस्ति?
(क) कुवेरः (ख) इन्द्रः (ग) नगेशः (घ) विष्णुः
4. अर्जुनः नायकः अस्ति?
(क) रघुवंशे (ख) किरातार्जुनीये (ग) मेघदूते (घ) कुमारसम्भवे
5. शिवः प्रतिनायकरूपेण कस्मिन् काव्ये आसन्?
(क) किरातार्जुनीये (ख) बाल्मीकिरामायणे (ग) रघुवंशे (घ) शिशुपालवधे

क्रमशः

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः

1×5=5

6. अयं नीरयं कस्य कवेः प्रसिद्धं अस्ति?
7. किरातार्जुनीयम् पदस्य व्युत्पत्तिः किम्?
8. किरातार्जुनीयं इत्यत्र कः प्रत्ययः?
9. किरातार्जुनीयम् काव्ये कति सर्गाः?
10. बुध्दिष्टिरः इत्यत्र कः समासः अस्ति?

लघूत्तरीयाः प्रश्नाः

5×4=20

11. कविकृतशरद्वर्णनं कियताम्।
12. महर्षिव्यासस्य वर्णनं कियताम्।
13. अर्जुन-द्रोपदीमिलनं निरूपयताम्।
14. महाकविः भारवेः परिचयो लेख्यः।

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः

10×2=20

अधोलिखितानां श्लोकानां सप्रसङ्गं व्याख्या कार्या-

15. अनातपुष्पोपचयैर्दुरापा, फलस्य निर्धृतरजाः सक्वित्रौ।
तुल्या भवदर्शनसम्पदेशा वृष्टेर्दिदोवीतबलाहकायाः ॥

अथवा

चिचीपतां जन्मवतां अलक्ष्मीं यशोऽयतंसां उभयत्रभूतिम्।
अम्यहिता वन्पुषु तुल्यस्या वृत्तिर्विशेषेण तपोधनानाम् ॥
16. यशोऽधिगन्तुं सुखलिप्सया वा, मनुष्यसंख्यामतिवर्तितुं वा।
निरुत्सुकानामभियोगभाजां, समुत्सुकेवाङ्गमुपैति सिद्धिः ॥

अथवा

हिमालयस्य शोभावर्णनं कियताम्।

-- 0 --

प्रश्नपत्र संकेतांक - 731

विषय कोड - 311

2024 ई. वर्षे
उत्तरमध्यमा द्वितीयवर्षे परीक्षायाम्
इतिहास विषये प्रश्नाः

समय: - 3 घण्टे 15 मिनट

पूर्णाङ्कः - 100

निर्देश- प्रारम्भ के 15 मिनट विद्यार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नपत्र छः खण्डों में विभाजित है। सभी प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न

सही विकल्प चुनकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए।

1×10=10

1. किस पुरास्थल को मृतको काटिला कहा जाता है?

(अ) हड़प्पा (ब) मोहनजोदड़ो (स) लोधल (द) कालिवंगा

2. निम्न में से किसके अभिलेखों में राजा को देवानाम्प्रिय (देवताओ का प्रिय) बताया गया है?

(अ) अशोक (ब) विक्रमादित्य (स) चन्द्रगुप्त (द) समुद्रगुप्त

3. निम्न में से कौन सा विवाह सर्वश्रेष्ठ माना जाता है?

(अ) प्रजापत्य (ब) गन्धर्व (स) देव (द) ब्रह्म

4. साँची का स्तूप किसने निर्मित कराया था?

(अ) कनिष्क (ब) अशोक (स) चन्द्रगुप्त (द) बिन्दुसार

क्रमशः

5. फिताब-उल-हिन्द के लेखक थे-

- (अ) अल्बरूनी (ब) बारबोसा (स) इब्नबतूता (द) बर्नियर

6. खालसा पंथ के संस्थापक थे-

- (अ) गुरु तेगबहादुर (ब) गुरु अर्जुनदेव (स) गुरु गोविन्दसिंह (द) गुरु नानक

7. विजयनगर साम्राज्य की स्थापना कब हुई थी?

- (अ) 1360 ई. (ब) 1380 ई. (स) 1340 ई. (द) 1336 ई.

8. मुल्तह-ए-फुल की नीति किसने अपनायी?

- (अ) बाबर (ब) जहाँगीर (स) हुमायूँ (द) अकबर

9. व्यवगत नीति किससे सम्बन्धित है?

- (अ) लार्ड डलहौजी (ब) वेलेजली (स) लार्ड कैनिंग (द) लार्ड कर्जन

10. सती प्रथा का उन्मूलन किस वर्ष हुआ था?

- (अ) 1829 ई. (ब) 1830 ई. (स) 1829 ई. (द) 1857 ई.

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1X10=10

11. 1857 ई. में क्रांति की शुरुआत कब और कहाँ से हुयी?

12. गाँधी-डरविन समझौता कब हुआ?

13. संविधान सभा का गठन कब किया गया था?

14. विवाह कितने प्रकार के होते हैं?

15. श्रेणी से क्या आशय है?

16. अष्टाध्यायी किसकी रचना है?

17. जैन धर्म में कौन-कौन से महाव्रत हैं?

18. चिस्ती सम्प्रदाय के दो संतों के नाम लिखो।

19. महायान कितने कहते हैं?

20. दाण्डी मार्च कब किया गया?

लघु उत्तरीय प्रश्न

5X8=40

21. हड़प्पा सभ्यता का नगर नियोजन का परिचय दीजिए।

22. नेगस्थनीज कौन था? टिप्पणी लिखो।

23. इस्लाम के पाँच सिद्धान्त क्या थे?

24. महानवमी डिब्बा से सम्बन्धित अनुष्ठानों का क्या महत्व है?

25. असहयोग आन्दोलन का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

26. लिपि धर पर टिप्पणी लिखो।

क्रमशः

27. सत्यति पर स्त्री के अधिकारों को समझाइए।

28. स्वविधान सभा पर टिप्पणी लिखो।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

10×2=20

29. अशोक कौन था? उसकी उपलब्धियों बताइए।

अथवा

महावीर कौन थे? उनकी शिक्षाएं क्या थीं?

30. अकबर की भू राजस्व नीति की व्याख्या कीजिए।

अथवा

1857 ई. प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम के क्या कारण थे? परिचय दीजिए।

ऐतिहासिक घटनाक्रम

1×10=10

31. निम्नलिखित ऐतिहासिक तिथियों से सम्बन्धित घटनाओं का उल्लेख कीजिए-

(क) 563 ई.पू.

(ख) 261 ई.पू.

(ग) 58 ई.

(घ) 78 ई.

(ङ) 399 ई.

(च) 1025 ई.

(छ) 1336 ई.

(ज) 1605 ई.

(झ) 1919 ई.

(ञ) 1946 ई.

मानचित्र कार्य

2×5=10

32. भारत के दिए गए मानचित्र में निम्न को दर्शाइए-

(क) दिल्ली

(ख) प्रयागराज

(ग) बैरकपुर

(घ) अजमेर

(ङ) आगरा

-- 0 --



!! श्री गणेशाय नमः !!

कार्यालय निरीक्षक संस्कृत पाठशालायें 30प्र0, प्रयागराज

!! प्रवर्ततां राष्ट्रहिताय संस्कृतम् !!

संस्कृत विद्यालयीय अवकाश तालिका वर्ष-2024



जनवरी 2024	
1	जनवरी-सोमवार-वसुधै
4	जनवरी-गुरुवार-अष्टमी
12	जनवरी-गुरुवार-प्रतिपद
15	जनवरी-सोमवार-दशरथजयंती
17	जनवरी-बुधवार - गुरुगोविन्द सिंह जयंती
18	जनवरी-गुरुवार-अष्टमी
24	जनवरी-बुधवार-जननायक चण्डी राजगुरु जयंती
25	जनवरी-गुरुवार-इन्द्रास अग्नी जन्म दिवस
26	जनवरी-गुरुवार-मंगलस दिन/प्रतिपद
29	जनवरी-सोमवार-सप्तमी गौरीस जयंती

फरवरी 2024	
3	फरवरी-शनिवार-अष्टमी
9	फरवरी-गुरुवार-पीपी अमावस्या
10	फरवरी-शनिवार-प्रतिपद
14	फरवरी-बुधवार-बसंत पंचमी
16	फरवरी-गुरुवार-अवकाश राखी
17	फरवरी-शनिवार-अष्टमी
24	फरवरी-शनिवार-मारी पुर्णिया/भारतकिरण जयंती
25	फरवरी-शनिवार-प्रतिपद
26	फरवरी-सोमवार-राधेश्याम

मार्च 2024	
3	मार्च-शनिवार-अष्टमी
8	मार्च-गुरुवार-मार्तण्डिकी
11	मार्च-सोमवार-प्रतिपद
17	मार्च-शनिवार-अष्टमी
20	मार्च-बुधवार-ममयी पुष्पवती
22	मार्च-गुरुवार से 25 मार्च सोमवार तक-शक्तिशाली अवकाश
26	मार्च-मंगलवार-प्रतिपद
29	मार्च-गुरुवार-गुरुजयंती

अप्रैल 2024	
2	अप्रैल-मंगलवार-अष्टमी
5	अप्रैल-गुरुवार-महर्षि अश्वत्थामिनादराज गुरु जयंती
8	अप्रैल-सोमवार-सोमवती अमावस्या
9	अप्रैल-मंगलवार-प्रतिपद/पेरिप्लेन जयंती
10	अप्रैल-बुधवार-सुनेजनास जयंती
11	अप्रैल-गुरुवार-द्वंद-उस-किरा (द्वंद)
14	अप्रैल-शनिवार-बौद्धी गौरव अवैक्यक जयंती/मेघ संक्रांति
16	अप्रैल-मंगलवार-अष्टमी
17	अप्रैल-बुधवार-रास मध्वी
21	अप्रैल-शनिवार-वसुधै जयंती
24	अप्रैल-बुधवार-प्रतिपद

मई 2024	
1	मई-बुधवार-अष्टमी
9	मई-गुरुवार-प्रतिपद/लोक नावक महात्म्य प्रताप जयंती
10	मई-गुरुवार-आषाढ पूर्णिमा/परशुराम जयंती
16	मई-गुरुवार-अष्टमी
21	मई-शनिवार-शे 30 मूल शनिवार तक-श्रीमन्नक्षत्रास
23	मई-गुरुवार- गुरुपुर्णिमा

जुलाई 2024	
6	जुलाई-शनिवार-प्रतिपद
14	जुलाई-शनिवार-अष्टमी
17	जुलाई-बुधवार-मदयस (सज्जिया)
21	जुलाई-शनिवार-गुरुपुर्णिमा
22	जुलाई-सोमवार-प्रतिपद
28	जुलाई-शनिवार-अष्टमी

अगस्त 2024	
5	अगस्त-सोमवार-प्रतिपद
9	अगस्त-गुरुवार-मंगलपंचमी
12	अगस्त-सोमवार-अष्टमी
15	अगस्त-गुरुवार-शरदशुक्ल दिवस
19	अगस्त-सोमवार-शरदपंचमी/बावणी/सांस्कृत दिवस
20	अगस्त-मंगलवार-प्रतिपद
26-27	अगस्त-सोमवार, मंगलवार-बीकूण जन्माष्टमी

सितम्बर 2024	
3	सितम्बर-मंगलवार-पुत्रीपक्षिणी अमावस्या
4	सितम्बर-बुधवार-प्रतिपद
8	सितम्बर-शनिवार-अष्टमी
11	सितम्बर-बुधवार-अष्टमी
16	सितम्बर-सोमवार-द्वंद-ए-विनास (आशुपक्ष)
17	सितम्बर-मंगलवार-अन्नस घटुवरी/विश्वकर्मा जयंती
18	सितम्बर-बुधवार-महाशारदाम
19	सितम्बर-गुरुवार-प्रतिपद
25	सितम्बर- बुधवार-अष्टमी
26	सितम्बर-गुरुवार-सायुधपत्री

अक्टूबर 2024	
2	अक्टूबर-बुधवार-मंगलस गौरी जयंती
3	अक्टूबर-गुरुवार-प्रतिपद/महाशिव अराधना जयंती
4-12	अक्टूबर-गुरुवार से शनिवार-शारदीय नवरात्रि अवकाश
17	अक्टूबर-गुरुवार-शरद पूर्णिमा/पार्वी बावणीक जयंती
18	अक्टूबर-गुरुवार-प्रतिपद
24	अक्टूबर-गुरुवार- अष्टमी
29	अक्टूबर-मंगलवार-पारवतीदिवा (बावणीस)
30	अक्टूबर-बुधवार से 1 नवम्बर-गुरुवार तक शीतवती अवकाश/मंगलस बज्रव नई पटन जयंती/आषाढ शरदपंचमी जयंती/गुरुवार जयंती

नवम्बर 2024	
2	नवम्बर-शनिवार-प्रतिपद/गोवर्धनपूजा
3	नवम्बर-शनिवार-विद्यार्थ-विद्यार्थ/विद्यार्थ जयंती
7	नवम्बर-गुरुवार-छठपूजा
9	नवम्बर-शनिवार-अष्टमी
10	नवम्बर-शनिवार-आषाढ पंचमी
12	नवम्बर-मंगलवार-हृदयशेखरी एकादशी
15	नवम्बर-गुरुवार-सतीशपूर्णिया/गुरुनन्दक जयंती
16	नवम्बर-शनिवार-प्रतिपद/श्रीरामस चक्रवर्ती शहीद दिवस
23	नवम्बर-शनिवार-अष्टमी
24	नवम्बर-शनिवार-गुरु तेगबहादुर शहीद दिवस

दिसम्बर 2024	
2	दिसम्बर-सोमवार-प्रतिपद
8	दिसम्बर-शनिवार-अष्टमी
16	दिसम्बर-सोमवार-प्रतिपद
23	दिसम्बर-सोमवार-श्रीमती शारदा जयंती
25	दिसम्बर-गुरुवार-क्रिस्तावले
31	दिसम्बर-मंगलवार-प्रतिपद

(केवल महिलाओं के लिए)	
6	जून-गुरुवार-वटवारीकी छुट्टी
17	जून-सोमवार-बनौरी
22	अगस्त-गुरुवार-बहुत छुट्टी
24	अगस्त-शनिवार-जयंती छुट्टी
6	सितम्बर-गुरुवार-श्रीमतीशारदा जीव जयंती
20	अक्टूबर-शनिवार-अवकाश

संस्थाओं के लिए विशेष निर्देश:-

1. शैक्षिक दिवस पूरे सत्र में 220 दिन होना अनिवार्य है।
2. शीमावकाश 21 मई से 30 जून 2024 तक रहेगा।
3. 26 जनवरी, 15 अगस्त एवं 2 अक्टूबर राष्ट्रीय दिवस के रूप में मन्त्रालय जारदेशे तथा सचि की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
4. पूरे सत्र में प्रत्येक / प्रधानाचार्य की हजेरा पर 3 दिनों का अवकाश इस प्रतिबन्ध के साथ अनुमत्त होगा कि 15 दिन पूर्व इसकी सूचना निरीक्षणालय को अनिवार्य रूप से अवश्य दे दी जाय।
5. विद्यालय और महाविद्यालय का समय अप्रैल से सितम्बर प्रातः 7: 00 बजे से 12: 00 बजे तक तथा शेष मास में 10 बजे से 4 बजे तक रहेगा।
6. चन्द्रग्रहण पर दूसरे दिन तथा सूर्यग्रहण एवं सोमवती अमावस्या पर उसी दिन अवकाश होगा।
7. रक्षाबंधन / बावणी संस्कृत दिवस के रूप में मन्त्रालय जायेगा।
8. शासन एवं प्रशासन द्वारा घोषित किये गये अवकाश भी मान्य होंगे।

एल.बी.मौर्य
पी.ई.एस.
निरीक्षक
संस्कृत पाठशालासर्वे, 30प्र0 प्रयागराज
